twitter.com/divyadelhi facebook.com/divyadelhi infodivyadelhi@gmail.com Editor: Rajesh Chauhan

RNI No. DELHI/2013/54397

दिव्य दिल्ली

divyadelhi.com | मंगलवार, 15 जुलाई, 2025 | वर्ष: 12, अंक: 239, पृष्ठ: 08 | ₹ 05/- | दिल्ली से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

मोटापे के खिलाफ स्वास्थ्य मंत्रालय की मुहिम

बोर्ड लगाकर बताएं-समोसे में कितना तेल, जलेबी में कितनी शक्कर

खुदरा महंगाई दर जून में घटकर 77 महीने के निचले स्तर 2.10 फीसदी पर

नई दिल्ली/एजेंसी

थोक महंगाई के बाद खुदरा महंगाई दर में भारी गिरावट आई है। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित खुदरा महंगाई दर जून महीने में घटकर 77 महीने के निचले स्तर 2.10 फीसदी पर आ गई है। मई में यह 2.82 फीसदी और जून, 2024 में 5.08 फीसदी के स्तर पर थी। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने सोमवार को जारी आंकड़ों के आधार पर बताया कि सब्जियों, दालों, मांस और दूध सहित खाद्य पदार्थों की कीमतों में नरमी से सीपीआई पर आधारित खुदरा महंगाई दर जून महीने में घटकर 2.10 फीसदी पर आ गई, जो 77 महीने का निचला स्तर है। मई में यह 2.82 फीसदी और अप्रैल में 3.16 फीसदी रही थी, जबकि जून, 2024 में यह 5.08 फीसदी के स्तर पर थी। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के मुताबिक मई की तुलना में जून में खुदरा महंगाई दर में 72 आधार अंकों की गिरावट है। यह जनवरी, 2019 के बाद सालाना आधार पर सबसे कम महंगाई दर है। इससे पहले जनवरी, 2019 में खुदरा महंगाई दर 1.97 फीसदी की सबसे न्यूनतम दर दर्ज की गई थी।

असीम घोष हरियाणा, पी गजपति राजू गोवा के राज्यपाल नियुक्त

नई दिल्ली/एजेंसी

प्रो. असीम कुमार घोष को हरियाणा और पी. अशोक गजपति राजू को गोवा का राज्यपाल नियुक्त किया गया है। वहीं जम्मू-कश्मीर के पूर्व उपमुख्यमंत्री कविन्द्र गुप्ता को केंद्रशासित प्रदेश लद्दाख का उप राज्यपाल बनाया गया है। राष्ट्रपति सचिवालय ने सोमवार को एक विज्ञप्ति में बताया कि राष्ट्रपति ने केंद्रशासित प्रदेश लद्दाख के उप राज्यपाल पद से ब्रिगेडियर (सेनि.) बीडी मिश्रा का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। उनके स्थान पर कविन्द्र गुप्ता को लद्दाख का उपराज्यपाल बनाया गया है। नई नियुक्तियां पदभार ग्रहण करने की तिथि से प्रभावी होंगी।-

कैंटीन में खाने-पीने की चीजों में मौजूद कैलोरी की देनी होगी जानकारी, केंद्र सरकार का आदेश- स्कूल-ऑफिस कैंटीन खाने में कैलोरी की जानकारी दें

नई दिल्ली/एजेंसी

मोटापे की समस्या को देखते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक खास रणनीति बनाई है। समोसा, जलेबी, कचौरी जैसे जायकेदार चीजों को बेचने वाले संस्थानों को अब इनमें मौजूद कैलोरी और शुगर की जानकारी देनी होगी। इस संबंध में स्वास्थ्य सचिव पुण्य सलिला श्रीवास्तव ने सभी मंत्रालयों के सचिवों को पत्र लिख कर मोटापे के खिलाफ कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। इसके तहत सिगरेट की तरह सरकारी कार्यालय और सार्वजनिक संस्थानों में अब खाने-पीने की चीजों में तेल और चीनी की मात्रा के बोर्ड लगाने के सुझाव दिए गए हैं। ये सूचनात्मक पोस्टर और डिजिटल बोर्ड का मकसद समोसे, कचौरी, पिज्जा, पकौड़े, केले के चिप्स, बर्गर, कोल्ड ड्रिंक, आइसक्रीम और चॉकलेट पेस्ट्री में मौजूद चीनी और तेल की सही मात्रा के बारे में जानकारी देना है। सभी मंत्रालयों के सचिवों को 21 जून को लिखे गए पत्र में कई सुझाव दिए गए हैं। इन सुझावों में सभी सरकारी संस्थानों में तेली हुई चीजें, मिठाई जैसे खाने-पीने की चीजों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए सार्वजनिक क्षेत्रों (कैफेटेरिया, लॉबी, बैठक कक्ष और अन्य सार्वजनिक स्थानों) में तेल और चीनी बोर्ड के डिस्प्ले लगाने का सुझाव दिया गया। इसके साथ मोटापे से लड़ने के दैनिक अनुस्मारक को सुदृढ़ करने के लिए सभी आधिकारिक स्टेशनरी (लेटरहेड, लिफाफे, नोटपैड, फोल्डर आदि) और प्रकाशनों पर स्वास्थ्य संदेश छापने के सुझाव दिए गए हैं।

पौष्टिक, स्वास्थ्यवर्धक भोजन विकल्पों (अधिक फल, सब्जियां और कम वसा वाले विकल्प) को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करने के साथ कार्यस्थलों में सीढ़ियों के उपयोग को प्रोत्साहित करना, छोटे व्यायाम का आयोजन करना और पैदल चलने के मार्गों को सुगम बनाना भी शामिल है।

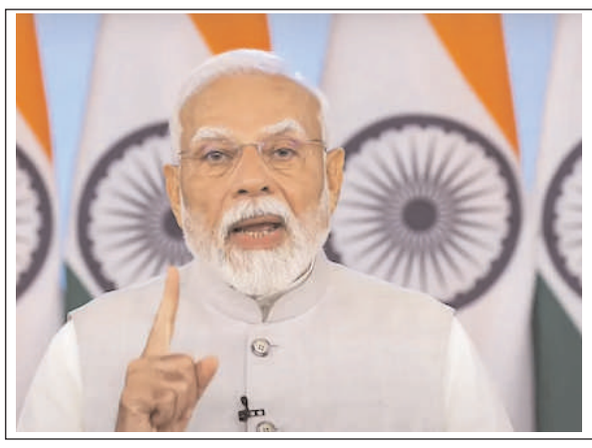

क्या ये चेतावनी सिगरेट की तरह ही होंगी?

जवाब: हां, सरकार का मकसद जंक फूड को सिगरेट जैसे स्वास्थ्य जोखिमों की श्रेणी में रखना है। जैसे सिगरेट के पैकेट पर "धूम्रपान सेहत के लिए हानिकारक है" लिखा होता है, वैसे ही इन बोर्ड्स पर नाश्तों के खतरे बताए जाएंगे। हालांकि ये चेतावनियां अभी पैकेजिंग पर नहीं, बल्कि कैंटीन और सार्वजनिक जगहों पर पोस्टर के रूप में दिखेंगी।

ये नियम कहां-कहां और कब से लागू होंगे

स्वास्थ्य मंत्रालय ने सभी केंद्रीय संस्थानों, जैसे एम्स नागपुर, को इन बोर्ड्स को लगाने का आदेश दिया है। ये बोर्ड कैंटीन, अस्पतालों और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर दिखाई देंगे। दिल्ली में भी जंक फूड पर सिगरेट जैसी चेतावनी लगाने की तैयारी है।

साल 2050 तक 44.9 करोड़ भारतीय मोटापे का शिकार हो जाएंगे

ये दृश्य संकेत और व्यावहारिक सुझाव गैर-संचारी रोगों के बोझ को कम करने में मददगार साबित हो सकता है। उल्लेखनीय है कि एक रिपोर्ट के अनुसार, साल 2050 तक 44.9 करोड़ भारतीय ओवरवेट या मोटापे का शिकार हो जाएंगे। ऐसे में इस मामले में भारत सिर्फ अमेरिका से पीछे रह जाएगा। इसका सबसे बड़ा कारण खराब खानपान और कम गतिविधि है। इसको लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने मन की बात कार्यक्रम में भी लोगों से कम तेल और चीनी के उपयोग करने की अपील की है। **क्या पहले भी ऐसे आदेश दिए जा चुके हैं?**

मई में सीबीएसई ने पूरे भारत में 24,000 से ज्यादा स्कूलों में शुगर बोर्ड्स लगाने के निर्देश दिए थे। इन बोर्ड्स पर एक दिन में कितनी चीनी खानी चाहिए, सामान्य चीजों में कितनी चीनी होती है, स्वस्थ खाने के बेहतर विकल्प जैसी जरूरी जानकारी होगी।

समोसा और जलेबी का ये नियम क्या है?

भारत सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय ने अब समोसा, जलेबी, लड्डू और वड़ा पाव जैसी खाने की चीजों को स्वास्थ्य के लिए हानिकारक मानते हुए इन पर चेतावनी जारी करने को कहा है। इसके लिए केंद्रीय संस्थानों में 'तेल और शक्कर चेतावनी बोर्ड' लगाने के निर्देश दिए गए हैं।

सवाल 2: ये 'तेल और शक्कर चेतावनी बोर्ड' क्या हैं?

जवाब: ये बोर्ड सेंट्रल इंस्टीट्यूट की कैंटीन और वहां की सार्वजनिक जगहों पर लगाए जाएंगे। इन पर समोसा, जलेबी, पकौड़ा, लड्डू जैसे नाश्तों में मौजूद तेल और चीनी की मात्रा की जानकारी दी जाएगी। उदाहरण के लिए, यह बताया जा सकता है कि एक गुलाब जामुन में पांच चम्मच चीनी होती है। इसका मकसद लोगों को जंक फूड के स्वास्थ्य जोखिमों के बारे में जागरूक करना है।

सवाल 3: सरकार ऐसा क्यों कर रही है?

जवाब: भारत में मोटापा, डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर और दिल की बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं।

स्वास्थ्य मंत्रालय के दस्तावेज बताते हैं कि 2050 तक भारत में 44.9 करोड़ लोग मोटापे या अधिक वजन से प्रभावित हो सकते हैं। खराब खानपान और कम शारीरिक गतिविधि इसके मुख्य कारण हैं। इसलिए सरकार जंक फूड को सिगरेट की तरह खतरनाक मानकर लोगों को सतर्क करना चाहती है।

सरकारें हेट स्पीच को रोकें: सुप्रीम कोर्ट

लेकिन नागरिकों की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता बनी रहे; हेट स्पीच के आरोपी की गिरफ्तारी पर रोक लगाई

नई दिल्ली/एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा- केंद्र और राज्य सरकारें हेट स्पीच यानी नफरत फैलाने वाले भाषणों को रोकें। साथ ही इस बात का ध्यान रखें कि नागरिकों की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का उल्लंघन न हो। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच ने कहा- लोग नफरत भरे भाषण

को बोलने की आजादी समझ रहे हैं, जो गलत है। लोगों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को लेकर जागरूक करने की जरूरत है, ताकि सरकार को इसे नियंत्रित करने की जरूरत न पड़े। सुप्रीम कोर्ट ने ये बातें कोलकाता के वजाहत खान की याचिका पर सुनवाई के दौरान की। उस पर कई राज्यों में सोशल मीडिया पर नफरत और सांप्रदायिक अशांति भड़काने वाला कंटेंट पोस्ट करने के आरोप में मामले दर्ज किए गए हैं। लोगों को हेट स्पीच कंटेंट को लाइक नहीं करना चाहिए सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र, राज्यों और वजाहत खान के वकील से सुझाव मांगे कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को नुकसान पहुंचाए बिना हेट स्पीच को कैसे नियंत्रित किया जा सकता है।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने की चीनी विदेश मंत्री वांग यी से वार्ता

एससीओ की बैठक में आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति को दॉढ़ता से बरकरार रखा जाएगा

बीजिंग/एजेंसी

भारत ने चीन के साथ द्विपक्षीय संबंधों में सकारात्मक प्रगति बनाये रखना दोनों देशों की साझा की जिम्मेदारी बताते हुए आज आशा व्यक्त की कि शंघाई सहयोग

संगठन (एससीओ) की बैठक में आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति को दृढ़ता से बरकरार रखा जाएगा। विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर ने यहां अपने चीनी समकक्ष वांग यी से द्विपक्षीय बैठक की जिसमें दोनों नेताओं ने आपसी मुद्दों और वैश्विक एवं क्षेत्रीय मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया और इस बात पर भी जोर दिया कि भारत एवं चीन को पारस्परिक रूप से लाभकारी सहयोग को बढ़ावा देने तथा प्रतिबंधात्मक व्यापार उपायों और बाधाओं से बचने की जरूरत है। डॉ? जयशंकर ने अपने शुरूआती वक्तव्य में द्विपक्षीय संबंधों में हालिया सकारात्मक प्रगति को बनाए रखने और सीमावर्ती मुद्दों के समाधान की आवश्यकता पर बल दिया।

पंजाब में बेअदबी पर सख्त कानून बनाने के प्रस्ताव को मंजूरी

चंडीगढ़/एजेंसी

पंजाब में हो रही धार्मिक ग्रंथों की बेअदबी की घटनाओं का संज्ञान लेते हुए सख्त कानून बनाने के प्रस्ताव को कैबिनेट ने मंजूरी दे दी है। उम्मीद की जा रही है कि सरकार आज ही इसे विधानसभा में पेश करेगी। कैबिनेट ने पंजाब रेगुलेशन ऑफ क्रशर यूनिट्स एंड स्टॉकिस्ट्स एंड रिटेलर रूल्स-2025 को भी हरी झंडी दे दी है। सोमवार को विधानसभा की कार्यवाही शुरू होने से पहले मुख्यमंत्री भगवंत मान की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की आपात बैठक बुलाकर बेअदबी कानून को मंजूरी दे दी गई। इस बिल का नाम पंजाब पवित्र ग्रंथों के खिलाफ अपराध रोकथाम विधेयक-2025 होगा। इस बिल को सरकार आज ही विधानसभा में पेश कर सकती है। इसमें धार्मिक ग्रंथों और स्थलों की बेअदबी करने वालों को उम्रकैद की सजा देने का प्रावधान किया गया है। दरअसल, पंजाब में बेअदबी की कई घटनाएं लगातार हो रही हैं। इसके खिलाफ एक सख्त कानून बनाने की मांग उठ रही थी मंत्रिमंडल की बैठक के बाद मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि सरकार ऐसा कानून लाना चाहती है, जो स्थायी हो और आने वाले समय में भी मजबूती से लागू रहे। इसलिए इसमें किसी तरह की कमजोरी नहीं छोड़ी जाएगी। उन्होंने कहा कि फिलहाल बेअदबी जैसे मामलों के लिए भारतीय न्याय संहिता की धारा 298 और 299 के तहत अधिकतम 3 साल की सजा का प्रावधान है। पंजाब सरकार इस सजा को कम से कम 10 साल और उम्रकैद तक बढ़ाने का प्रस्ताव रख रही है। सरकार चाहती है कि कानून में ऐसे प्रावधान जोड़े जाएं जिससे सिर्फ दोषी ही नहीं, उसके परिवार की भी जिम्मेदारी तय की जा सके। मकसद यह है

पीएम और संघ पर आपत्तिजनक कार्टून बनाने के लिए हेमंत मालवीय को सुप्रीम कोर्ट की फटकार

नई दिल्ली/एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने कार्टूनिस्ट हेमंत मालवीय को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और आरएसएस कार्यकताओं के बारे में आपत्तिजनक कार्टून सोशल मीडिया पर अपलोड करने पर फटकार लगाई है। जस्टिस सुधांशु धुलिया की अध्यक्षता वाली वेकेशन बेंच ने कहा कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का दुरुपयोग किया जा रहा है। कोर्ट ने हेमंत मालवीय की याचिका पर 15 जुलाई को सुनवाई करने का आदेश दिया।

सुनवाई के दौरान कोर्ट ने हेमंत मालवीय से पूछा कि आप ये सब क्यों करते हैं। तब हेमंत की ओर से पेश वकील वृंदा ग्रोवर ने कहा कि ये कार्टून 2021 में कोरोना काल के दौरान के हैं। उन्होंने कहा कि भले ही इस कार्टून को सही नहीं ठहराया जा सकता है, लेकिन क्या ये एक अपराध है। कोर्ट कह चुकी है कि कार्टून भले ही आक्रामक हो लेकिन ये अपराध नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि कोर्ट को कानून के मुताबिक काम करना है। तब मध्यप्रदेश सरकार की ओर से पेश एएसजी केएम नटराज ने कहा कि ऐसी चीजें लगातार हो रही हैं। तब ग्रोवर ने कहा कि कार्टून से कानून-व्यवस्था की स्थिति कभी नहीं आयी। सवाल निजी स्वतंत्रता का है कि क्या इसमें गिरफ्तार करने और हिरासत में रखने की जरुरत है।

संसद के कामकाज में एआई का प्रवेश

नई दिल्ली/एजेंसी

संसद के मानसून सत्र में लोकसभा के कामकाज में आर्टिफीशियल इन्टेलीजेंस(एआई) आधारित डिजीटलीकरण का अगला चरण लागू किया जाएगा, जिसमें दो नई भाषाओं में अनुवाद की सेवा और सांसदों की उपस्थिति डिजीटली दर्ज करना शामिल है। लोकसभा सचिवालय के अधिकारियों ने आज बताया कि इस सत्र से लोकसभा में सांसदों को हाजिरी लगाने के लिए रजिस्टर में हस्ताक्षर करने के अलावा में सदन में उनके लिए आवंटित सीट पर मल्टीमीडिया माध्यम से बायोमेट्रिक ढंग से (अंगूठे या उंगली के निशान से) अथवा पिन नंबर दर्ज करके हाजिरी लगाने की सुविधा उपलब्ध होगी। आने वाले समय में रजिस्टर पर हस्ताक्षर की परंपरा को बंद करके केवल डिजीटल माध्यम से हाजिरी लगाने का प्रक्रिया अपनायी जाएगी। अधिकारियों ने यह भी बताया कि लोकसभा में इस समय 17 भाषाओं में अनुवाद की सेवा उपलब्ध है।

वैश्विक बागवानी मानचित्र पर उभरता केंद्र बनेगा गन्नौर: मुख्यमंत्री सैनी

गन्नौर में निर्माणाधीन अंतरराष्ट्रीय बागवानी फल-फूल मंडी मुख्यमंत्री ने किया निरीक्षण

सोनीपत/एजेंसी

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा अब सिर्फ कृषि राज्य नहीं, बल्कि वैश्विक बागवानी मानचित्र पर उभरता केंद्र बनने जा रहा है। यह परियोजना केवल किसानों को बेहतर बाजार उपलब्ध कराएगी, युवाओं को रोजगार और पूरे क्षेत्र को आर्थिक समृद्धि प्रदान करेगी।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सोमवार को सोनीपत के गन्नौर में बन रही

भारतीय अंतरराष्ट्रीय बागवानी फल-फूल मंडी का निरीक्षण किया। उनके साथ सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा भी मौजूद रहे। चंडीगढ़-दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग-44 पर विकसित हो रही यह मंडी एशिया की सबसे बड़ी बागवानी मार्केट के रूप में स्थापित की जा रही है। मुख्यमंत्री ने मंडी परिसर में चल रहे निर्माण कार्य का जायजो लिया और अधिकारियों से प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने निर्माण में गुणवत्ता और समयबद्धता सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि यह मंडी गन्नौर को विश्व के मानचित्र पर लाएगी, किसानों की आमदनी बढ़ाएगी, युवाओं को रोजगार

देगी और क्षेत्रीय विकास को नई गति देगी। इस मौके पर मुख्यमंत्री के साथ सोनीपत नगर निगम मेयर राजीव जैन, राई विधायक कृष्णा गहलोत, गन्नौर विधायक देवेंद्र कादियान, जिला महामंत्री नीरज कुमार ठरु भी थे। उल्लेखनीय है कि 537 एकड़ में बन रही इस मंडी पर कुल 2,595 करोड़ रुपये की लागत आएगी। फ्रांस की प्रसिद्ध रूंगिस मार्केट की तर्ज पर विकसित हो रही यह

परियोजना 2026 तक पूर्ण रूप से कार्यशील होगी। इसका निर्माण हैदराबाद की नागार्जुन कंस्ट्रक्शन कंपनी कर रही है। मंडी में सीवर ट्रीटमेंट प्लांट, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली, जल उपचार संयंत्र, 17 विशेष शेड, वाहन पार्किंग, वर्कशॉप और 5 बिजली घर जैसी अत्याधुनिक सुविधाएं होंगी। इसका संचालन हरियाणा इंटरनेशनल हॉर्टिकल्चर मार्केटिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड करेगा।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में 'स्वच्छ भारत' का सपना बना जन-जन का संकल्प : शिवराज सिंह चौहान

एजेंसी

भोपाल। केन्द्र सरकार द्वारा घोषित वर्ष 2024 के स्वच्छ सर्वेक्षण पुरस्कारों में मध्य प्रदेश ने इस वर्ष भी अपनी विजय पताका फहराई है। प्रदेश के 8 शहरों को इस राष्ट्रीय आयोजन में सम्मानित किया जाएगा। विशेषकर बुधनी और शाहगंज नगर परिषद को पुरस्कारों को लिए नामित किया गया है। इस उपलब्धि पर केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बधाई दी है। उन्होंने कहा है कि स्वच्छता ही सेवा है...। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 'स्वच्छ भारत' का सपना जन-जन का संकल्प बन चुका है। केन्द्रीय मंत्री चौहान ने सोशल मीडिया एक्स के माध्यम से कहा कि मुझे अत्यंत प्रसन्नता है कि हाल ही में जारी हुए स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 में बुधनी और शाहगंज को राष्ट्रीय पुरस्कार हेतु नामांकित किया गया है। बुधनी नगर परिषद को सुपर स्वच्छ लीग सिटी की नई श्रेणी में कन्सीसटेंट परफार्मर के रूप में नामित किया गया है। यह उपलब्धि सतत प्रयास, जनभागीदारी और समर्पित प्रशासन का प्रमाण है। साथ ही, शाहगंज नगर परिषद को प्रेसिडेंशियल अवार्ड की प्रतिष्ठित श्रेणी में चयनित किया गया है। यह उपलब्धि न केवल नगर निकाय की प्रतिबद्धता और समर्पण का प्रमाण है, बल्कि नागरिकों की सक्रिय भागीदारी और सहयोग का भी उत्सव है। इसके लिए सभी क्षेत्रवासियों, नगरीय

निकायों के अधिकारियों-कर्मचारियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूं। आशा है कि आप आने वाले वर्षों में भी इसी तरह प्रेरणास्रोत बने रहेंगे। गौरतलब है कि केन्द्र सरकार द्वारा वर्ष 2024 के स्वच्छ सर्वेक्षण पुरस्कारों की घोषणा की थी। इसमें मध्य प्रदेश के आठ शहरों को आगामी 17 जुलाई को नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में आयोजित होने वाले एक गरिमामय समारोह में स्वच्छता लीग सम्मान, राष्ट्रपति सम्मान, देश और राज्यों की विभिन्न श्रेणियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू करेंगी। मध्य प्रदेश के 8 शहरों में सुपर लीग श्रेणी में इंदौर, उज्जैन और बुधनी हैं। इस श्रेणी में सिर्फ वे शहर शामिल किए जाते हैं, जिन्होंने पिछले तीन सालों में श्रेष्ठ प्रदर्शन किया हो और उत्तरोत्तर प्रगति की संभावनाएं सृजित की हों। इसी प्रकार राष्ट्रपति सम्मान प्राप्त करने वाले शहरों में भोपाल, देवास और शाहगंज शामिल हैं। इसके अलावा आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल खट्टर द्वारा प्रदेश के जबलपुर और ग्वालियर को उनके उल्लेखनीय प्रयासों के लिये सम्मानित किया जाएगा। कचरा मुक्त शहरों की स्टार रेटिंग और ओडीएफ/ वॉटर प्लस के परिणाम भी उसी दिन जारी किए जाएंगे।वहीं, केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अपने प्रतिदिन पौधरोपण करने के संकल्प के क्रम में रविवार को भोपाल स्थित स्मार्ट सिटी पार्क में अखिल भारतीय किरार क्षत्रिय महासभा के पदाधिकारियों एवं अन्य गणमान्यजनों के साथ पौधरोपण किया। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर इसकी जानकारी साझा करते हुए कहा कि पेड़ लगाने का मतलब जीवन लगाना है, सांसें रोपना है, क्योंकि यही पेड़ हमें प्राणवायु देकर जीवन देते हैं। यह कोई साधारण कार्य नहीं, बल्कि असाधारण कार्य है। इसलिए मैं भी हर रोज पौधे लगाता हूं।

दिग्गज अभिनेता कोटा श्रीनिवास राव के निधन पर पूरे देश में शोक की लहर

एजेंसी

हैदराबाद। दिग्गज अभिनेता कोटा श्रीनिवास राव का रविवार को निधन हो गया और उनके निधन से भारतीय फिल्म उद्योग, विशेषकर तेलुगु सिनेमा प्रेमियों को गहरा सदमा पहुंचा है। श्रीनिवास राव का जन्म 10 जुलाई 1942 को आंध्र प्रदेश के कृष्णा जिले के कांकिपाडु गांव में हुआ था। वह 83 वर्ष के थे। कोटा श्रीनिवास राव पिछले कुछ दिनों से उम्र से जुड़ी बीमारियों से जूझ रहे थे, जिसके बाद आज उन्होंने आखिरी सांस ली। राजनीतिक नेताओं, मंत्रियों और फिल्मी हस्तियों ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्हें न केवल सिनेमाई प्रतिभा के लिए बल्कि उनके ईमानदार स्वभाव और गहरी सांस्कृतिक जड़ों के लिए भी याद किया जा रहा है।तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने उनके निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए श्रीनिवास राव के निधन को भारतीय सिनेमा के लिए एक बड़ी क्षति बताया। उन्होंने कहा, ''कोटा श्रीनिवास राव ने अपनी अनूठी अभिनय शैली से दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। उनके निधन से फिल्म उद्योग में एक बहुत बड़ा शून्य उत्पन्न हो गया है। मैं उनके परिवार के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करता हूं।'' आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने एक कलाकार और जन प्रतिनिधि के रूप में श्री कोटा की उल्लेखनीय योगदान को याद किया। उन्होंने कहा, ''कोटा गारू ने चार दशकों से भी ज़्यादा समय तक सिनेमा और रंगमंच की दुनिया की सेवा की। उनके किरदार, चाहे खलनायक के रूप में हों या किसी प्रिय पात्र के रूप में हो, हमारी स्मृतियों में अंकित हैं। एक विधायक के रूप में सार्वजनिक जीवन में उनका योगदान भी उतना ही उल्लेखनीय है।

अमरनाथ यात्रियों का नया जत्था जम्मू से रवाना

जम्मू। जम्मू-कश्मीर में श्री अमरनाथ यात्रा के लिए 7000 से अधिक तीर्थयात्रियों का एक नया जत्था यहां बने यात्री निवास से पवित्र गुफा मंदिर के लिए रवाना हुआ।अधिकारियों ने बताया कि 286 वाहनों के बेड़े में यह जत्था जम्मू आधार शिविर से रवाना हुए। उन्होंने बताया, आज सुबह 7049 तीर्थयात्रियों का एक नया जत्था कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच जम्मू आधार शिविर से श्री अमरनाथ यात्रा गुफा मंदिर के लिए रवाना हुआ। इनमें से 4148 तीर्थयात्री पहलगाम और 2891 तीर्थयात्री बालटाल के लिए रवाना हुए। गौरतलब है कि गत दो जुलाई को यहां से तीर्थयात्रियों का पहल जत्थे रवाना हुआ था। बाबा बर्फीनी के दर्शन के लिए प्रारंभ हुई यह यात्रा नौ अगस्त को रक्षाबंधन के दिन समाप्त होगी। अब तक दो लाख से अधिक तीर्थयात्री हिम शिवलिंग के दर्शन कर चुके हैं।

वर्ष 2030 तक एक करोड़ युवाओं के लिए नए रोजगार का लक्ष्य: नीतीश

पटना। बिहार सरकार वर्ष 2025 से 2030 के बीच राज्य में युवाओं के लिए एक करोड़ सरकारी नौकरियों और रोजगार का सृजन करेगी जो सरकार के मौजूदा लक्ष्य 50 लाख से दोगुनी है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 'एक्स' पर अपने पोस्ट में कहा कि उनकी सरकार के दौरान 2005 से 2020 के बीच राज्य में 8 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी मिली थी। वर्ष 2020 में सुशासन कार्यक्रम के सात निश्चयों के दूसरे निश्चय में लक्ष्य तय किया गया कि 2025 तक 10 लाख सरकारी नौकरियों के साथ 10 लाख रोजगार का सृजन किया जाएगा। उन्होनेबखा कि बबाद में इस संकल्प को बढ़ाया और अगस्त 2025 तक 12 लाख नौकरियों के साथ 38 लाख रोजगार का लक्ष्य तय किया। श्री कुमार ने कहा कि हमने अभी तक 10 लाख सरकारी नौकरियों और 39 लाख रोजगार का लक्ष्य हासिल कर लिया है और विश्वास रखते हैं तय समय सीमा में 50 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी तथा रोजगार देने का लक्ष्य हासिल कर लिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने भविष्य में रोजगार सृजन की चर्चा करते हुए कहा कि वर्ष 2025 से 2030 के बीच युवाओं के लिए करीब एक करोड़ सरकारी नौकरियों और रोजगार का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए युवाओं को कौशल विकास प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस योजना को विस्तारित करने के लिए एक विश्वविद्यालय की स्थापना की जाएगी जिसका नाम जननायक कर्पूरी ठाकुर कौशल विश्वविद्यालय होगा।

केरल में सौर पैनल योजना में भ्रष्टाचार से कामकाज रुका : कांग्रेस

तिरुवनंतपुरम। केरल विधानसभा में विपक्षी नेता वीडी सतीशन ने रविवार को आरोप लगाया कि राज्य में घरों की छतों पर सौर पैनल लगाने का काम कथित भ्रष्टाचार के चलते ठप पड़ गया है। उन्होंने विद्युत नियामक आयोग, केरल राज्य विद्युत बोर्ड (केएसईबी) और राज्य सरकार को कटघरे में खड़ा करते हुए कहा कि उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा के लिए जिम्मेदार इन संस्थाओं ने निजी कंपनियों को लाभ पहुँचाकर भ्रष्टाचार को बढ़ावा दिया है।कांग्रेस नेता ने सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने के लिए बने नवीकरणीय ऊर्जा नियमों में संशोधनों को तत्काल वापस लेने की मांग भी की। प्रस्तावित संशोधनों के अनुसार, तीन किलोवाट वाले सौर पैनल को लगाने के लिए तीन फेज वाला पावर कनेक्शन होना चाहिए और पाँच किलोवाट सौर ऊर्जा बनाने वालों को इसका 30 फीसदी बैटरी में जमा करना होगा।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राज्यसभा के लिए 4 सदस्यों को किया मनोनीत

उज्ज्वल निकम सहित इन लोगों का नाम शामिल

एजेंसी

नई दिल्ली । राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संविधान के अनुच्छेद 80 के खंड (1) के उप-खंड (ए) और खंड (3) के तहत प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए राज्यसभा के लिए 4 नए सदस्यों को मनोनीत किया है। पूर्व विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला, उज्ज्वल देवराव निकम के नाम शामिल हैं। यह नियुक्तियां नामित सदस्यों की सेवानिवृत्ति के कारण रिक्त हुए स्थानों को भरने के लिए की गई हैं। गृह मंत्रालय की ओर से जारी अधिसूचना (एस.ओ. 3196(ई) के अनुसार, 12 जुलाई 2025 को इसका ऐलान किया गया। नामित सदस्यों में उज्ज्वल देवराव निकम, सी. सदानंदन मास्टर, हर्षवर्धन श्रृंगला और डॉ. मीनाक्षी जैन का नाम शामिल हैं। इन

नियुक्तियों का उद्देश्य राज्यसभा में विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों और प्रख्यात व्यक्तियों का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करना है, जैसा कि संविधान में प्रावधान किया गया है। संविधान के अनुच्छेद 80 के तहत, राष्ट्रपति को कला, साहित्य, विज्ञान, सामाजिक सेवा और अन्य क्षेत्रों में विशेष योगदान देने वाले व्यक्तियों को राज्यसभा में नामित करने का अधिकार है। ये नियुक्तियां संसद के उच्च सदन में विविध दृष्टिकोण और विशेषज्ञता को शामिल करने के लिए महत्वपूर्ण मानी जाती हैं। नामित सदस्यों की भूमिका विधायी चर्चाओं में महत्वपूर्ण योगदान देने और राष्ट्रीय हित के मुद्दों पर विचार-विमर्श को समृद्ध करने की होती है। उज्ज्वल देवराव निकम, सी. सदानंदन मास्टर, हर्ष वर्धन श्रृंगला और डॉ. मीनाक्षी जैन अपने-अपने क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य के लिए जाने जाते हैं। विशेष रूप से, हर्ष वर्धन श्रृंगला की नियुक्ति को उनके कूटनीतिक अनुभव के आधार पर महत्वपूर्ण माना जा रहा है, जबकि डॉ. मीनाक्षी जैन इतिहास और संस्कृति के क्षेत्र में अपने विद्वत्तापूर्ण योगदान के लिए जानी जाती हैं। वहीं निकम को अजमल कसाब के खिलाफ केस लड़ने के लिए जाना जाता है। उन्होंने 26/11 मुंबई आतंकी वारदात के एकमात्र जिंदा पकड़े गए कसाब के लिए सजा ए मौत के लेकर जबरदस्त पैरवी की थी। इन नए नामित सदस्यों से अपेक्षा की जा रही है कि वे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर अपनी विशेषज्ञता के साथ संसद में सकारात्मक योगदान देंगे। यह कदम सरकार की उस प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है।

बिहार की एनडीए सरकार में कोई सुनने वाला नहीं: तेजस्वी यादव

एजेंसी

पटना। बिहार की कानून व्यवस्था को लेकर विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने रविवार को फिर सवाल उठाए हैं। पटना के पिपरा थाना क्षेत्र में भाजपा के एक नेता की अपराधियों द्वारा गोली मारकर हत्या किए जाने पर भड़के तेजस्वी यादव ने कहा कि एनडीए सरकार में कोई सुनने वाला नहीं है।बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने सोशल नेटवर्किंग मंच 'एक्स' पर लिखा,'अब पटना में भाजपा नेता की गोली मारकर हत्या। क्या कहें, किससे कहें? एनडीए सरकार में कोई सच्चाई सुनने वाला नहीं, गलती स्वीकारने वाला नहीं? सीएम के स्वास्थ्य का सबको पता है लेकिन भाजपा के दो-दो नकारे उपमुख्यमंत्री क्या कर रहे हैं? भ्रष्ट भूंजा-डीके पार्टी का कोई बयान नहीं? दें कि पटना के पिपरा थाना क्षेत्र के शेखपुरा गांव में पटना के पिपरा इलाके में एक सुरेंद्र कुमार (50) की गोली मारकर हत्या कर दी गई। बाइक सवार दो बदमाशों ने वारदात को अंजाम दिया। पुलिस के मुताबिक, परिजन द्वारा लिखित शिकायत के बाद केस दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज

मामले की छानबीन में जुट गई है। बताया गया कि सुरेंद्र केवट परिवार के साथ शेखपुरा गांव में रहते थे। वह पुनपुन प्रखंड भाजपा नेता होने के साथ ही ग्रामीण पशु चिकित्सक थे और खेती-किसानी भी किया करते थे। इससे पहले भी तेजस्वी यादव ने बिहार की आपराधिक घटनाओं का ब्योरा देते हुए एक्स पर लिखा, इतने मर्डर हो रहे हैं।

पीएम मोदी ने राज्यसभा के लिए मनोनीत चार प्रतिष्ठित व्यक्तियों को दी शुभकामनाएं

एजेंसी

नई दिल्ली । देश के चार प्रतिष्ठित व्यक्तियों को राज्यसभा के लिए मनोनीत किया गया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संविधान के तहत प्रदत्त अधिकारों का इस्तेमाल करते हुए चार हस्तियों को राज्यसभा के लिए नामित किया, जिनमें वरिष्ठ अधिवक्ता उज्जवल निकम, केरल के प्रख्यात सामाजिक कार्यकर्ता सी. सदानंदन मास्टर, भारत के पूर्व विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला और इतिहासकार मीनाक्षी जैन शामिल हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इन सभी मनोनीत सदस्यों को शुभकामनाएं दी हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर श्रृंखलाबद्ध पोस्ट किए, जिनमें सभी नामांकित सदस्यों के बारे में बताते हुए बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। प्रधानमंत्री ने उज्ज्वल निकम की प्रशंसा की कि कानून के क्षेत्र और संविधान के प्रति उनकी निष्ठा अनुकरणीय है। उन्होंने लिखा, ÷वह न केवल एक सफल वकील रहे हैं, बल्कि महत्वपूर्ण मामलों में न्याय दिलाने की प्रक्रिया में अग्रणी भूमिका भी निभाते रहे हैं। अपने पूरे विधिक करियर के दौरान उन्होंने हमेशा

संवैधानिक मूल्यों को मजबूत करने और आम नागरिकों को गरिमा के साथ न्याय दिलाने का कार्य किया है। यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि राष्ट्रपति ने उन्हें राज्यसभा के लिए नामित किया है। उनके संसदीय कार्यकाल के लिए मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।इसी तरह पीएम मोदी ने हर्षवर्धन श्रृंगला के भारत की विदेश नीति में महत्वपूर्ण योगदान का उल्लेख किया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, हर्षवर्धन श्रृंगला ने एक राजनयिक, बुद्धिजीवी और रणनीतिक विचारक के रूप में बेहद शानदार काम किया है। उन्होंने भारत की विदेश नीति को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। साथ ही भारत की जी20 अध्यक्षता में भी उनका विशेष योगदान रहा है। मुझे खुशी है कि उन्हें राष्ट्रपति ने राज्यसभा के लिए मनोनीत किया है। उनका अद्वितीय दृष्टिकोण निश्चित रूप से संसद की कार्यवाही को समृद्ध करेगा। मीनाक्षी जैन का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, उन्होंने एक विद्वान, शोधकर्ता और इतिहासकार के रूप में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। शिक्षा, साहित्य, इतिहास और राजनीति विज्ञान के क्षेत्र में उनके कार्यों ने अकादमिक विमर्श को महत्वपूर्ण रूप से समृद्ध किया है। उनके संसदीय कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं।

मालगाड़ी में लगी भीषण आग पर काबू पाया गया, चेन्नई-अरक्कोणम रेलमार्ग पर सेवाएं ठप

एजेंसी

चेन्नई। तमिलनाडु के तिरुवल्लुर के पास रविवार सुबह एक मालगाड़ी में भीषण आग लग गई, जिसे दमकलकर्मियों के काफी प्रयासों के बाद करीब दो घंटे बाद बुझाया जा सका। हादसे के कारण चेन्नई-अरक्कोणम रेलमार्ग पर सेवाएं पूरी तरह ठप हो गईं। खतरे को देखते हुए आसपास के लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाया गया। हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई। आग तिरुवल्लुर-एगट्टूर खंड में लगी, जो चेन्नई सेंट्रल से 43 किमी दूर है। रेलवे के आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, सुबह करीब साढ़े चार बजे एक मालगाड़ी में अचानक आग भड़क गई, जो तेजी से पांच वैगनों तक फैल गई। यह मालगाड़ी एननोर से 45-52 डीजल टैंकर ले जा रही थी। दमकल और राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) की दो टीमें दो घंटे में आग पर काबू पाने में सफल रहीं। क्षतिग्रस्त वैगनों को हटाने और पटरियों की मरम्मत का काम शुरू हो गया है। तिरुवल्लुर पुलिस ने क्षेत्र को सुरक्षित किया और जहरीले धुएं के कारण आसपास के लोगों को हटाया गया। सुबह 10:37 बजे तक आग बुझ चुकी थी, लेकिन

रेल सेवा पूरी तरह बहाल होने का समय नहीं बताया गया है। दक्षिण रेलवे ने यात्रियों के लिए हेल्पलाइन नंबर (044-25354151, 044-24354995) जारी किए हैं। आग से पांच वैगनों को भारी नुकसान हुआ है। चेन्नई-अरक्कोणम मार्ग पर बिजली आपूर्ति काट दी गई, जिससे सभी उपनगरीय ट्रेनें रुक गईं। वंदे भारत एक्सप्रेस (20607), शताब्दी एक्सप्रेस (12007) सहित 8 एक्सप्रेस ट्रेनें रद्द कर दी गई हैं। आठ अन्य ट्रेनों को तिरुवल्लुर या अरक्कोणम-कटपडी के बीच रोका गया है। पांच ट्रेनों को गुडूर मार्ग से भेजा गया। दक्षिण रेलवे ने आग के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

मिजोरम के लोगों का भारतीय रेल नेटवर्क से जुड़ने का सपना पूरा

एजेंसी

आईजोल। पूर्वोत्तर के मिजोरम राज्य में रेल संरचना का कार्य पूरा हो गया है और उम्मीद है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जल्द ही इस खंड पर रेल को हरी झंडी दिखाकर आईजोल के नागरिकों का भारतीय रेल नेटवर्क से जुड़ने का सपना पूरा कर देंगे। मिजोरम अब तक बैरवी तक भारतीय रेल से जुड़ा है लेकिन अब बैरवी से आईजोल तक रेल लाइन पर काम लगभग पूरा हो गया है और इसे हरी ठंडी दिखाने का इंतजार है। अधिकारियों का कहना है कि प्रधानमंत्री ने ही इस लाइन का शिलान्यास किया था और अब उम्मीद है कि वही हरी झंडी दिखाकर इस मार्ग पर रेल संचालन की भी शुरुआत भी करेंगे परियोजना के

मुख्य इंजीनियर विनोद कुमार का कहना है कि बैरवी-सारंगी रेल लाइन पर निर्माण का काम पूरा हो चुका है। रेलगाड़ी के संचालन के लिए यह खंड अब पूरी तरह से तैयार है। इस खंड के निर्माण पर करीब 11 साल का वक्त लगा है। बैरबी-साइरंग तक की परियोजना के निर्माण में चुनौतियां कई तरह की रहीं लेकिन परियोजना से जुड़े अधिकारियों ने इन चुनौती की परवाह किये बिना इस काम को सफलतापूर्वक पूरा किया है।उन्होंने बताया कि 51 किमी लंबे बैरबी-साइरंग खंड पर 153 पुल हैं जिनमें 55 बड़े पुल हैं, जिनमें 6 पुलों की ऊँचाई कुतुबमीनार से भी ज्यादा है। इस खंड पर 10 पुल सड़कों के ऊपर भी बने हैं। मार्ग पर कुल 48 सुरंगे बनाई गई है। उनका कहना था कि आईजोल तक रेल मार्ग बनने से बैरबी आईजोल के बीच की दूरी 8 से 10 घंटे के सड़क मार्ग की महज करीब 3 घंटे में पूरी की जा सकेगी। श्री कुमार के अनुसार सैइरंग स्टेशन के पास बना पूंक 124 मीटर ऊंचा है। राष्ट्रीय राजमार्ग से इसकी खूसरती देखते ही बनती है। इसकी लम्बाई 378 मीटर है। बैरबी साइरंग रेलमार्ग निर्माण की संस्तुति 2008-9 में मिली थी।

बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण के दौरान बड़ी संख्या में मिले विदेशी

एजेंसी

नई दिल्ली। बिहार में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम (एसआईआर) के दौरान बड़ी संख्या में विदेशी नागरिकों की पहचान हुई है। यह जानकारी घर-घर जाकर सत्यापन कर रहे बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) के माध्यम से सामने आई है। चुनाव आयोग के सूत्रों के अनुसार बिहार में मतदाता सूची अपडेट के इस विशेष कार्यक्रम के दौरान घर-घर जाकर किए गए सत्यापन में बूथ लेवल अधिकारियों को बड़ी संख्या में नेपाल, बांग्लादेश और म्यांमार के नागरिक मिले हैं। निर्वाचन आयोग के सूत्रों का कहना है कि 1 अगस्त के बाद उचित जांच पूरी होने के बाद इनके नाम 30 सितंबर को प्रकाशित होने वाली अंतिम सूची में शामिल नहीं किए जाएंगे। बिहार में मतदाता सूची के इस विशेष संवीक्षण अभियान का उद्देश्य आगामी विधानसभा चुनाव से पूर्व मतदाता सूची को अद्यतन और त्रुटिरहित बनाना है। इसके तहत बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर मतदाता सूची में दर्ज नामों की पुष्टि की जा रही है। उल्लेखनीय है कि इस पहल का उद्देश्य पात्र मतदाताओं का पंजीकरण सुनिश्चित करना और अपात्र नामों को सूची से हटाना है। यह अभियान बिहार में आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारी के अंतर्गत चलाया जा रहा है। इसके तहत शनिवार तक हर चार में से तीन मतदाताओं ने अपना नामांकन फ़ॉर्म जमा करा दिया है।

दिल्ली के वसंत विहार में तेज रफ्तार ऑडी का कहर, पांच को कुचला

एजेंसी

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के साउथ वेस्ट जिले के वसंत विहार इलाके में एक तेज रफ्तार ऑडी ने फुटपाथ पर सो रहे पांच लोगों को कुचल दिया। इस हादसे में आठ साल की एक बच्ची भी शामिल है। सभी घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसे के बाद कार ने एक खड़े ट्रक में भी टक्कर मारी। यह घटना देर रात की है। हादसे के बाद सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए सभी घायलों को अस्पताल पहुंचाया और आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के अनुसार, यह हादसा देर रात करीब 1.30 बजे की हुआ, जब सभी पीड़ित मुनिरका फ्लाईओवर के नीचे शिवा कैंप के सामने फुटपाथ पर सो रहे थे। उसी समय तेज गति से आ रही एक ऑडी कार ने अचानक

नियंत्रण खो दिया और सो रहे लोगों को कुचलते हुए वहां से फरार हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि हादसे के तुरंत बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। एक राहगीर ने सूझबूझ दिखाते हुए कार का नंबर नोट कर लिया और पीड़ित परिवार को इसकी जानकारी दी। घायलों की पहचान लाधी (40), बिमला (8), सबामी उर्फ चिरमा (45), नारायणी (35), और रामचंद्र (45) के रूप में हुई है। सभी राजस्थान के निवासी हैं और दिल्ली में मजदूरी कर गुजारा करते हैं। पीड़ित सबामी ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वे अपने परिवार के साथ दिल्ली में फुटपाथ पर रहकर मजदूरी करते हैं। पुलिस ने पीड़ित के बयान के आधार पर एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी। इसी दौरान शंकर विहार आर्मी कैंप के पास एक और हादसे की सूचना मिली, जहां एक ऑडी कार ने ट्रक में पीछे से टक्कर मारी थी। गश्त कर रहे सेना के जवानों ने चालक को पकड़ लिया और तुरंत पुलिस को सूचना दी।

जब पुलिस मौके पर पहुंची और कार का नंबर जांचा, तो पुष्टि हुई कि यही वही कार थी जिसने वसंत विहार में हादसा किया था।

कांग्रेस ने की सीलमपुर इमारत हादसे में मृतकों के परिजनों के लिए दस लाख रुपये के मुआवजे की मांग

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने सीलमपुर में इमारत हादसे में मृतकों के परिजनों के लिए दस लाख रुपये और घायलों के लिए दो लाख रुपये मुआवजे की मांग की। उन्होंने कहा कि हादसे के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और उच्च स्तरीय जांच होनी चाहिए। देवेंद्र यादव ने एक विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को दिल्ली के गरीब लोगों की कोई चिंता नही है, सिर्फ अपने प्रचार-प्रसार में लगी है। उन्होंने कहा कि 19 अप्रैल को मुस्तफाबाद में चार मंजिला ढहने से 11 लोगों की मौत के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ आज तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। देवेंद्र यादव ने कहा कि दिल्ली की संकीर्ण कॉलोनियों में मकान ढ़हने के लिए वर्तमान भाजपा की ट्रिपल इंजन की सरकार की लापरवाही और अनदेखी और पिछली आम आदमी पार्टी की भ्रष्टाचार में डूबी सरकार पूरी तरह जिम्मेदार है। उन्होंने कहा कि सिर्फ 15 वर्ष पुरानी इमारत अगर तास के पत्तों की तरह ढह जाए उससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि लैंटर माफिया की शह में पड़ने वाले लैंटर कितने मजबूत है। उन्होंने कहा कि कहा कि हर साल अधिकारी खतरनाक बिल्डिंगों की पहचान करते है, परंतु कुछ नहीं होता है।

दो अंतरराज्यीय वाहन चोरी गैंग का पर्दाफाश, सात आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच ने दो अंतरराज्यीय वाहन चोरी गैंग का भंडाफोड़ किया है। इस ऑपरेशन में पुलिस ने कुल सात आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से आठ चोरी की गई गाड़ियों को बरामद किया गया है, जिनमें चार लग्जरी वाहन और चार डिस्मेंटल की गई गाड़ियां शामिल हैं।

साथ ही गाड़ियां खोलने के उपकरण, फर्जी रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट, नंबर प्लेट पंचिंग मशीन और हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट्स भी जब्त की गई हैं। यह कार्रवाई क्राइम ब्रांच की सेंट्रल रेंज और ईस्टर्न रेंज-द्वु की टीमों द्वारा दिल्ली, उप्र, मणिपुर और पश्चिम बंगाल में एक साथ की गई। क्राइम ब्रांच के डीसीपी विक्रम सिंह के अनुसार दिल्ली के बिजवासन क्षेत्र में मिली गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए क्राइम ब्रांच की सेंट्रल रेंज ने वाहन चोर गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया। जिनकी पहचान मायापुरी निवास डीसीपी के अनुसार 27 जून को बिजवासन टोल प्लाज़ा के पास रोहित को पकड़ा गया। उसके पास से मारुति ईको कार का ढांचा और चेचिस प्लेट बरामद की गई, जोकि थाना अंबेडकर नगर से चोरी हुई थी। पुलिस ने रोहित की निशानदेही पर राजेंद्र उर्फ टीनू को दबोचा।

कालकाजी इलाके में दो लोगों को लगी गोली, जांच जारी

नई दिल्ली। दक्षिण पूर्वी जिले के कालकाजी मुख्य बाजार स्थित टी-पॉइंट में फायरिंग की सूचना पर इलाके में हड़कंप मच गया। रात 11:15 बजे पीसीआर कॉल के माध्यम से सूचना दी गई कि दो युवकों को गोली लगी है। मामले की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल युवकों को सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया। घायलों की पहचान ओखला निवासी देव मलिक (20) और तुगलकाबाद एक्सटेंशन निवासी निर्भय भाटी (24) के रूप में हुई है।

दक्षिण पूर्वी जिले के डीसीपी हेमंत तिवारी के अनुसार पुलिस द्वारा दोनों घायलों के बयान लेने का प्रयास किया गया। लेकिन दोनों ने फिलहाल बयान देने से मना कर दिया और कहा कि अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद थाने में आकर बयान देंगे व घटना स्थल की पहचान कराएंगे। डीसीपी के अनुसार स्थानीय लोगों से पूछताछ करने पर किसी भी प्रकार की फायरिंग की पुष्टि नहीं हुई। मौके से कोई खाली कारतूस भी बरामद नहीं हुआ। पीसीआर कॉल में बताए गए स्थान की सीसीटीवी फुटेज की जांच जारी है।

टोपी गैंग के दो शातिर चोर गिरफ्तार

नई दिल्ली। दक्षिण-पश्चिम जिला पुलिस की ऑपरेशन सेल ने टोपी गैंग के दो शातिर चोर नितिन कुमार और हिमांशु कुमार को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपित राजपुर कानपुर (उप्र) के रहने वाले हैं। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से चोरी किए गए दो मोबाइल फोन, दो हजार नकद और अपराध के दौरान पहनी गई दो काली टोपी बरामद की हैं। दक्षिण-पश्चिम जिले के डीसीपी अमित गोयल ने बताया कि चार जुलाई को साउथ कैंपस में कांता जनरल स्टोर से मोबाइल चोरी की शिकायत पर ई-एफआईआर दर्ज कराई गई थी। स्थानीय पुलिस के अलावा जिले की ऑपरेशन सेल को जांच में लगाया गया। इंस्पेक्टर राम कुमार की देखरेख में टीम गठित की गई। पुलिस टीम ने 120 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और तकनीकी साक्ष्यों व लोकल इंटेलिजेंस की मदद से आरोपितों की पहचान कर दोनों आरोपितों को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ के दौरान उन्होंने बताया कि वे अपराध करते समय काली टोपी पहनते थे ताकि उनकी पहचान न हो सके। जांच में पता चला है कि एक व्यक्ति दुकानदार को बातचीत में उलझाता था, जबकि दूसरा सामान चोरी कर लेता था।

मुख्यमंत्री ने बिजली की तारों को भूमिगत करने की पायलट परियोजना का उद्घाटन किया

एजेंसी

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शालीमार बाग विधानसभा के बीएच (पूर्व) ब्लॉक में बिजली की ऊपरी तारों को भूमिगत करने की पायलट परियोजना का उद्घाटन कियाा। उन्होंने बताया कि इस महत्त्वाकांक्षी परियोजना को लगभग तीन महीने की अवधि में पूरा किया जाएगा। इस कार्य से न केवल दिल्ली की सुंदरता निखरेगी बल्कि नागरिकों की सुरक्षा को भी सुनिश्चित किया जाएगा। इस मौके पर ऊर्जा मंत्री आशीष सूद भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने एक बयान में कहा कि इस योजना से शालीमार बाग के बीएच ब्लॉक जनता फ्लैट्स में रहने वाले लगभग 5500 परिवार लाभान्वित होंगे। इस परियोजना के तहत 8.07 करोड़ रुपये की लागत से पांच किलोमीटर लंबे एचटी और एलटी ओवरहेड तारों को हटाकर 10 किलोमीटर भूमिगत एलटी (440वी) और 1.2 किलोमीटर एचटी (11केवी) नेटवर्क बिछाया जाएगा। इसके साथ ही 23 नए डबल

सोर्स फीडर पिलर बॉक्स लगाए जाएंगे, जो बिजली आपूर्ति को अधिक विश्वसनीय बनाएंगे। इस पूरी योजना के कार्यान्वयन के बाद लोगों को हर मौसम में निर्बाध 24×7 बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जा सकेगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि यह तो केवल एक शुरुआत है। दिल्ली सरकार की योजना है कि इस पायलट परियोजना को दिल्ली के अन्य क्षेत्रों में भी जल्द से जल्द लागू किया जाएगा। इस योजना के लिए सरकार द्वारा 100 करोड़ रुपये का बजट निर्धारित किया गया है। यह राशि विभिन्न चरणों में दिल्ली के अन्य क्षेत्रों में भी इस परियोजना के विस्तार के लिए इस्तेमाल की जाएगी। भूमिगत तारों की व्यवस्था से बिजली आपूर्ति और अधिक विश्वसनीय, सुरक्षित और कुशल बनेगी। उन्होंने बताया कि यह परियोजना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ÷स्मार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर÷ विजन की भावना के अनुरूप है। मुख्यमंत्री ने बताया कि अब दिल्ली सिर्फ एक राजधानी नहीं, बल्कि एक स्मार्ट, ऊर्जा-सक्षम और हरित ऊर्जा को अपनाने वाला आधुनिक शहर बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है। इसके अतिरिक्त मुख्यमंत्री ने कनिष्का अपार्टमेंट के सी और डी ब्लॉक में 23.48 लाख रुपये की लागत से तैयार की जा रही बाउंड्री वॉल निर्माण परियोजना का भी उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर शालीमार बाग क्षेत्र में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा कि दिल्ली सरकार राजधानी के प्रत्येक हिस्से में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार के लिए प्रतिबद्ध है।

ओडिशा के मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री से मुलाकात की

एजेंसी

नई दिल्ली। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने यहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। प्रधानमंत्री कार्यालय ने दोनों नेताओं की मुलाकात की तस्वीर एक्स पर साझा करते हुए यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने एक्स पोस्ट में कहा, 'आज मुझे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मिलने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। ओडिशा के विकास के लिए उनकी प्रेरणा और अटूट सहयोग के लिए मैं आभारी हूं।

इस अवसर पर ओडिशा के विभिन्न विकास कार्यों, भावी कार्य योजनाओं, केंद्र-राज्य समन्वय और राज्य के समग्र विकास को गति देने पर महत्वपूर्ण चर्चा हुई। समृद्ध ओडिशा, विकसित भारत के लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए केंद्र और राज्य मिलकर प्रतिबद्ध हैं।'

बिहार के 80.11 प्रतिशत मतदाताओं ने जमा कराया गणना प्रपत्र : चुनाव आयोग

एजेंसी

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने कहा कि बिहार के लगभग सभी मतदाताओं से सीधा संपर्क स्थापित करने का काम पूरा कर लिया गया है। बिहार के 80.11 प्रतिशत मतदाता पहले ही अपना गणना प्रपत्र जमा कर चुके हैं। आयोग ने बताया कि प्रपत्र ईसीआई नेट में नया सत्यापन मॉड्यूल पूरी तरह से सक्रिय हो गया है। ईसीआईनेट एक नव-विकसित एकीकृत सॉफ्टवेयर है जिसमें पहले से मौजूद सभी 40 ईसीआई ऐप्स समाहित हो गए हैं। चुनाव आयोग ने जारी की गई जानकारी में बताया कि 77,895 बीएलओ और 20,603 नए नियुक्त बीएलओ के साथ चुनाव आयोग 25 जुलाई 2025 की निर्धारित समय सीमा से पहले ही गणना प्रपत्र एकत्र करने का काम पूरा करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। इस उद्देश्य के लिए सभी 243 विधानसभा क्षेत्रों के 38 जिला निर्वाचन अधिकारियों, निर्वाचक पंजीयन अधिकारियों और 963

सहायक अधिकारी सहित क्षेत्रीय स्तर की टीमों पर मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा कड़ी निगरानी रखी जा रही है। आयोग ने बताया कि 100 प्रतिशत मुद्रण कार्य पूरा होने और पते पर पाए गए सभी मतदाताओं को मतदाता सूची वितरण का काम लगभग पूरा हो गया है। शाम 6 बजे तक 6,32,59,497 लोगों को सूची वितरित किया गया है यानि 80.11 प्रतिशत को पार कर गया। यानी बिहार में हर 5 में से 4 मतदाताओं ने मतदाता सूची जमा कर दी है। आयोग ने बताया कि 1 अगस्त को प्रकाशित होने वाली मसौदा मतदाता सूची में अपना नाम शामिल कराने के लिए मतदाता अपने पात्रता दस्तावेजों के साथ जमा करा सकता है। यदि किसी मतदाता को पात्रता दस्तावेज जमा करने के लिए अधिक समय चाहिए तो वह उन्हें 30 अगस्त तक यानी दावे और आपत्तियां दाखिल करने की अंतिम तिथि तक अलग से जमा कर सकता है। शनिवार शाम 6 बजे तक 4.66 करोड़ गणना फॉर्म डिजिटल रूप में ईसीआईनेट पर अपलोड कर दिए गए हैं।

गाड़ी में लगाने की बजाए हाथ में फास्टैग लेकर चलने वालों की अब खैर नहीं, एनएचएआई करेगा ब्लैकलिस्ट

एजेंसी

नई दिल्ली। अब अगर आप टोल से गुजरते वक्त फास्टैग को गाड़ी के शीशे पर चिपकाने की बजाय हाथ में लेकर चलते हैं तो संभल जाइए। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने ऐसे 'लूज फास्टैग' वालों पर सख्ती करने का फैसला किया है। दरअसल कुछ वाहन मालिक जानबूझकर फास्टैग को गाड़ी पर नहीं लगाते, ताकि एक ही टैग से कई गाड़ियों का काम चलाया जा सके या सिस्टम को किसी तरह से चकमा दिया जा सके।

एनएचएआई ने अब टोल प्लाजा पर काम कर रही एजेंसियों को यह अधिकार दिया है कि वे ऐसे टैग्स की रिपोर्ट तुरंत कर सकें। इसके लिए एक ई-मेल आईडी भी दी गई है, जहां ये जानकारी भेजी जाएगी। रिपोर्ट मिलते ही एनएचएआई ऐसे टैग्स को ब्लैकलिस्ट या हॉटलिस्ट कर देगा ताकि उनका दुरुपयोग रोका जा सके। एनएचएआई के मुताबिक, यह कदम इसलिए भी जरूरी हो गया है क्योंकि देश में अब मल्टी-लेन फ्री फ्लो टोलिंग और वार्षिक पास जैसी नई तकनीकें लागू की जा रही हैं, जिनमें फास्टैग की सही पहचान और निष्पक्ष उपयोग बेहद जरूरी है। लूज फास्टैग की वजह से टोल लेन में जाम, गलत कटौती और सिस्टम में गड़बड़ी जैसी दिक्कतें सामने आती हैं, जिससे बाकी यात्रियों को भी परेशानी होती है। एनएचएआई का कहना है कि फास्टैग अब तक 98 फीसदी से ज्यादा वाहनों पर लग गया है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के संक्षिप्त विवरण में भारत के आयुष नवाचारों को किया गया शामिल

एजेंसी

नई दिल्ली। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने पारंपरिक चिकित्सा में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के अनुप्रयोग का मापन शीर्षक से एक तकनीकी संक्षिप्त विवरण जारी किया है। इसमें पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों विशेष रूप से आयुष प्रणालियों के साथ कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) को एकीकृत करने में भारत के अग्रणी प्रयासों की सराहना की गई है। आयुष मंत्रालय के सचिव वैद्य राजेश कोटेचा ने एक बयान में कहा कि डब्ल्यूएचओ दस्तावेज़ में भारत की ओर से किए गए कई अग्रणी एआई-संचालित नवाचारों पर प्रकाश डाला गया है। इसमें प्रकृति-आधारित मशीन लर्निंग मॉडल का उपयोग करके पूर्वानुमानित निदान से लेकर आयुर्वेद ज्ञान और आधुनिक जीनोमिक्स को एक साथ लाने वाली परियोजना शामिल है। इस डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म न केवल भारत की पारंपरिक ज्ञान चिकित्सा प्रणालियों को संरक्षित

परिवर्तन का मूल आधार आयुष ग्रिड है। यह 2018 में शुरू किया गया एक व्यापक डिजिटल स्वास्थ्य प्लेटफ़ॉर्म है जो कई नागरिक-केंद्रित पहलों जैसे कि एसएएचआई पोर्टल, नमस?ते पोर्टल और आयुष अनुसंधान पोर्टल की नींव का काम करता है। ये एआई-सक्षम और मान्य कर रहे हैं, बल्कि साक्ष्य-आधारित, डिजिटल स्वास्थ्य सेवा ढांचों के भीतर उनके वैश्विक एकीकरण को भी आगे बढ़ा रहे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन का यह प्रकाशन आयुर्वेद, सिद्ध, यूनानी, सोवा रिग्पा और होम्योपैथी में एआई-संचालित अनुप्रयोगों की एक विस्तृत श्रृंखला को प्रदर्शित करता है, जिसमें निदान सहायता प्रणालियां भी शामिल हैं जो नाड़ी मापन, जीभ परीक्षण और प्रकृति मूल्यांकन जैसी पारंपरिक विधियों को मशीनों के अनुप्रयोग और गहन तांत्रिका नेटवर्क के साथ एकीकृत करती हैं। ये प्रयास निदान सटीकता को बढ़ा रहे हैं और व्यक्तिगत निवारक देखभाल को सक्षम बना रहे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा मान्यता प्राप्त एक अन्य महत्वपूर्ण पहलू औषधि की कार्यप्रणाली की पहचान, आयुर्वेद, पारंपरिक चीनी चिकित्सा, यूनानी चिकित्सा पद्धतियों के बीच तुलनात्मक अध्ययन और रस, गुण जैसे पारंपरिक मापदंडों का आकलन करने के लिए कृत्रिम रासायनिक सेंसरों के विकास के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग है।

केजरीवाल ने वेलकम इलाके में हुए हादसे पर जताया दुख

एजेंसी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आआपा) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने उत्तर-पूर्वी दिल्ली के वेलकम इलाके में चार मंजिला इमारत के गिरने की घटना पर दुख जताया। उन्होंने इस हादसे में जान गंवाने वालों के परिवारों के प्रति शोक व्यक्त किया। अरविंद केजरीवाल ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि उत्तर-पूर्वी दिल्ली में चार मंजिला इमारत गिरने की घटना बेहद दुखद है। इस हादसे में जान गंवाने वालों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं। उन्होंने कहा कि गली संकरी होने के कारण राहत और बचाव कार्य में दिक्कतें आ रही हैं। केजरीवाल ने पार्टी के सभी स्थानीय कार्यकर्ताओं से अपील है कि वे मौके पर जाकर प्रशासन के साथ मिलकर राहत कार्य में हरसंभव सहयोग करें।

देशभर में मानसून सक्रिय, कई राज्यों में भारी बारिश से जनजीवन प्रभावित

जेंसी

नई दिल्ली। देश के अधिकांश हिस्सों में मानसून सक्रिय है और कई राज्यों में भारी बारिश हो रही है। उत्तरी, मध्य और तटीय भारत के कई इलाकों में रुक-रुक कर हो रही तेज बारिश ने जहां लोगों को भीषण गर्मी से राहत दी है, वहीं कई जगहों पर जलभराव और बाढ़ जैसे हालात पैदा हो गए हैं। मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में और अधिक बारिश की चेतावनी जारी की है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, हरियाणा और राजस्थान में बीते कुछ दिनों से लगातार हो रही बारिश से तापमान में गिरावट आई है। हालांकि, इससे कई इलाकों में जलभराव की समस्या बढ़ी है। मौसम विभाग के मुताबिक यह स्थिति 13 जुलाई तक बनी रह सकती है। पश्चिम बंगाल में कोलकाता के लिए हल्की बारिश और बादल छाए रहने की संभावना जताई गई है। गुजरात में 207 जलाशयों में से कई अब तक 54 प्रतिशत तक भर चुके हैं। वहीं, कई स्थानों पर जलभराव को लेकर अलर्ट जारी किया गया है। गोवा में मानसून ने रफ्तार पकड़ी है और अब तक 50 इंच से अधिक बारिश दर्ज की गई है। छत्तीसगढ़ में लगातार बिजली गिरने की घटनाएं सामने आ

रही हैं, जिनमें कुछ लोगों की मौत हुई है। यहां येलो और ऑरेंज अलर्ट के बीच राहत एवं बचाव कार्य तेज़ कर दिए गए हैं। मध्य प्रदेश में 15 जुलाई तक भारी बारिश की चेतावनी दी गई है। राज्य में ग्वालियर, भोपाल, नर्मदापुरम, सागर, रीवा और शहडोल में शनिवार और रविवार को अच्छी बारिश की संभावना जताई गई है। इंदौर और उज्जैन में अच्छी वर्षा का सिलसिला जारी रहने की संभावना है। राजस्थान में 12 से 15 जुलाई के बीच दक्षिण-पूर्व और दक्षिण-पश्चिम भागों में भारी से अति भारी बारिश का पूर्वानुमान है। कोटा, उदयपुर, अजमेर, जयपुर और भरतपुर संभागों में भारी वर्षा के आसार हैं। राज्य में 1 जून से अब तक औसतन 392.2 मिमी बारिश दर्ज की गई है, जो सामान्य से 70 प्रतिशत अधिक है। छत्तीसगढ़ में लगातार बारिश के बाद मानसून की रफ्तार धीमी हो गई है। प्रदेश में सिर्फ 12.2 मिमी वर्षा दर्ज हुई। अगले कुछ दिनों तक दुर्ग, रायपुर और बस्तर में बारिश कम होगी, जबकि बिलासपुर और सरगुजा संभाग में मध्यम से भारी वर्षा का अनुमान है। हरियाणा में भी मानसून का असर दिख रहा है।

मुख्यमंत्री ने कांवड़ यात्रा को लेकर की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक, शिवभक्तों की सेवा के दिए निर्देश

एजेंसी

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली सचिवालय में कांवड़ यात्रा को लेकर उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में कैबिनेट मंत्री आशीष सूद और कपिल मिश्रा उपस्थित रहे। यहा जानकारी सीएओ दिल्ली के एक्स अकाउंट पर साझा की गई। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि शिवभक्तों की सेवा में कोई कमी न रहे। इस वर्ष 374 पंजीकृत कांवड़ समितियों को सिंगल विंडो सिस्टम के जरिए 48 घंटे के भीतर अनुमति दी गई है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक शिविर को 1200 यूनिट मुफ्त बिजली, सरल मीटर कनेक्शन, और सिक्योरिटी डिपॉजिट में 75 फीसद की राहत दी गई है। ट्रैफिक, पुलिस, स्वास्थ्य और सफाई की व्यवस्थाओं को हर स्तर पर पुख्ता बनाया गया है। समितियों को कुल राशि का 50 फीसद आयोजन से पहले और शेष डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के माध्यम से सीधे खाते में स्थानांतरित किया जाएगा। हमारे लिए कांवड़ यात्रा जनसेवा का अवसर है। सरकार का प्रयास है कि यह यात्रा श्रद्धा, सुरक्षा और सुशासन के साथ पूरी गरिमा में सम्पन्न हो। इसके अलावा मुख्यमंत्री ने यहां दिल्ली में रामलीला आयोजनों को लेकर रामलीला संघ के प्रतिनिधियों के साथ उच्च स्तरीय बैठक की।

आईआईटी दिल्ली में अत्याधुनिक एमआरआई रिसर्च सुविधा का शुभारंभ

एजेंसी

नई दिल्ली । भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) दिल्ली के निदेशक प्रो. रंगन बनर्जी ने चिकित्सा अनुसंधान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए संस्थान के लिए अत्याधुनिक मैग्नेटिक रेजोनेंस इमेजिंग (एमआरआई) अनुसंधान सुविधा का उद्घाटन किया। इस अवसर पर प्रो. बनर्जी ने कहा कि यह सुविधा विज्ञान, इंजीनियरिंग और चिकित्सा के संगम पर अनुसंधान को बढ़ावा देगी और स्वास्थ्य सेवा में प्रभावशाली बदलाव लाने में सहायक होगी। यह एमआरआई रिसर्च सुविधा आईआईटी दिल्ली के बायोमेडिकल इंजीनियरिंग केंद्र (सीबीएमई) में स्थापित की गई है। आरंभ में इसमें फैंटम आधारित अध्ययन किए जाएंगे और आवश्यक नियामकीय स्वीकृतियों के बाद वॉलंटियर्स पर क्लिनिकल अनुसंधान भी किया जाएगा। इसके साथ ही यह सुविधा मेडिकल इमेजिंग पाठ्यक्रम में नामांकित छात्रों को प्रायोगिक प्रशिक्षण प्रदान करेगी। यह अनुसंधान केंद्र 1.5 टेस्ला क्लिनिकल-ग्रेड एमआरआई स्कैनर से सुसज्जित है

और भारत के प्रमुख इंजीनियरिंग संस्थानों में पहली ऐसी सुविधा है, जो पूरी तरह से अनुसंधान और शिक्षण को समर्पित है। आमतौर पर अस्पतालों में मौजूद एमआरआई सेटअप की तुलना में यह सुविधा अनुसंधानकर्ताओं को नवाचार के लिए स्वतंत्र वातावरण प्रदान करती है। इसके माध्यम से नई इमेजिंग तकनीक, कॉन्ट्रास्ट एजेंट्स का विकास, इमेजिंग प्रोटोकॉल्स का अनुकूलन, एमआर-अनुकूल उपकरणों का निर्माण, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के माध्यम से इमेज प्रोसेसिंग जैसे क्षेत्रों में उन्नत अनुसंधान संभव होगा। इस पहल का नेतृत्व करने वाले बायोमेडिकल इंजीनियरिंग केंद्र के प्रो. अनूप सिंह और प्रो. अमित मेहंदीरत्ता ने कहा कि यह एक ऐसा सपना है जिसकी कल्पना पांच साल पहले की गई थी और आज यह साकार हो सका है। हम मेडिकल इमेजिंग शिक्षण को एक नई दिशा देने पर गर्व महसूस कर रहे हैं।

विधानसभा अध्यक्ष ने वरिष्ठ नागरिकों के लिए तीन मनोरंजन केंद्रों का उद्घाटन किया

एजेंसी

नई दिल्ली, । दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने रोहिणी सेक्टर-13 में वरिष्ठ नागरिकों के लिए निर्मित तीन मनोरंजन केंद्रों का उद्घाटन किया। ये केंद्र देना अपार्टमेंट, सुनेहरी बाग अपार्टमेंट और केनरा अपार्टमेंट परिसर में स्थापित किए गए हैं। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि वरिष्ठ नागरिकों ने अपने जीवन का बड़ा हिस्सा परिवारों और समाज को संवारने में लगाया है। अब समय है कि हम उन्हें ऐसी सुविधाएं दें जहां वे गरिमापूर्ण, आनंदमय और सक्रिय जीवन व्यतीत कर सकें। उन्होंने कहा कि इन मनोरंजन केंद्रों में वरिष्ठ नागरिक आपस में संवाद कर सकेंगे। इनडोर खेलों में भाग ले सकेंगे, पठन-पाठन कर सकेंगे और सांस्कृतिक कार्यक्रमों

में सहभागिता के माध्यम से सामाजिक जुड़ाव को बढ़ावा देंगे। इससे न केवल अकेलापन में कमी आएगी, बल्कि उनका मानसिक, सामाजिक और भावनात्मक स्वास्थ्य भी सुदृढ़ होगा। विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि उनकी प्राथमिकता है कि क्षेत्र में और भी ऐसे सामुदायिक केंद्र विकसित किए जाएं। उन्होंने रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशनों एवं स्थानीय समुदायों से आग्रह किया कि वे भी ऐसे सुझाव दें और इस दिशा में पहल करें। उन्होंने आश्वासन दिया कि वरिष्ठ नागरिकों की सामाजिक सुरक्षा और गरिमा को बढ़ाने वाले ऐसे प्रयासों को उनकी ओर से पूर्ण सहयोग प्रदान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ नागरिकों का दायित्व केवल सरकार का नहीं, बल्कि समाज की भी साझी जिम्मेदारी है और इस भावना को हमें अपनी सामुदायिक संस्कृति का अभिन्न हिस्सा बनाना चाहिए।

संपादक की कलम से

जेठ की तपन झेलने वालों को ही मिलती है सावन की फुहार

बहुप्रतीक्षित सावन अपने चरम पर पहुंच गया है। बाबा वैद्यनाथ की नगरी में हर ओर हर-हर बम की आवाज गूंज रही हैं। कोई हर-हर महादेव का उच्चारण कर रहा है तो कोई हर-हर बम का जप कर रहा हैं। पवित्र सरोवर शिवगंगा तट पर हर-हर गंगे का कर्णप्रिय उद्घोष करने वालों की भी कमी नहीं है।

आराधना का अवसर

उल्लेखनीय है कि देवघर में सावन का आना खास मायने रखता है। ऐसा नहीं कि केवल देवघरवासी ही मनभावन सावन की प्रतिक्षा करते है, बल्कि हर वह व्यक्ति जिसमें आस्था हो, समर्पण हो और कर्मठता हो वह साल के ग्यारह माह सावन की प्रतिक्षा करता हैं। सावन साधना का माह है। यह अराधना का अवसर है। रिमझिम वर्षा के प्राकृतिक संगीत में शिव के भजन का शास्त्रीय या लोकसंगीत का घोलमेल आध्यात्मिकता प्रदर्शित करता हैं। इसे कोई शिवभक्त ही अनुभव कर सकता है।

शिव के नाम में शक्ति है

सुख के अवसर पाने के लिए दुःख का दरिया पार करना पड़ेगा। शिव का नाम लीजिए तो निश्चित ही दुःख का दरिया मात्र कदम भर का ही मालूम पड़ेगा। विश्वास न हो तो वर्षभर बेशकीमती गाड़ियों से यात्रा करने वाले उस कावरिया से पूछ लीजिए कि उन्होंने आखिर 105 किलोमीटर की दूरी नंगे पांव पैदल चलकर कैसे पूरी कर ली? उत्तर मिलेगा - बस! भोलेनाथ का नाम लेते रहे और चलते रहे! कावरियों के होंठ पर शिव का नाम होता है। वे "बम" बोलते हुए चलते है जो साक्षात शिव का प्रतिक है। दूसरों को भी "बम" की शक्ति मिले, अतः दूसरे कावरियों के लिए वे "बोल बम" का जयकारा लगाते चलते हैं। दूसरे कावरियों के लिए "बोल बम" बोला, और स्वयं भी शक्ति पा ली। यही वह संदेश है जो बताता है कि परोपकार से स्वतः ही अपना भी भला हो जाता है। वास्तव में शिव के नाम में शक्ति है। पिता शिव के साथ सदैव माता शक्ति रहती है जो शिव भक्तों को अपनी शक्ति का का अंश प्रदान करती रहती है। जेठ दुःख का दरिया है तो सावन सुख का सागर।

देखिए नहीं, महसूस कीजिए कांवर यात्रा को

सावन उपासना-आराधना का अवसर है। लाखों के संख्या में भक्तगण कंधे पर कांवर लिए शिवमंत्र का जप करते 105 किलोमीटर दूर सुल्तानगंज से नंगे पांव नदी-नालों, खेत-खलिहानों, जंगल-पहाड़ों को पार कर भूखे-प्यासे बाबा वैद्यनाथ को जलार्पण करने देवघर आते है। यह सामान्य तप नहीं हैं। कांवरिया पथ के किनारे चुपचाप खड़े होकर देख लें, भारतीयों की आस्था का स्वतः अनुभव हो जाएगा। आस्था और विश्वास से लवरेज कावरियों की टोली में आपको कई हठयोगी मिल जाएंगे, कर्मयोगी मिलेंगे, वैरागी मिलेगा, अनुरागी मिलेगा, विशुद्ध गृहस्थ मिलेगा, निर्धन मिलेगा और धनवान भी! पर, कांवर यात्रा में उनका कोई अपना अस्तित्व नहीं रह जाता है, सभी एक हो जाते है, सभी केवल "बम" हो जाते है। अर्थात शिव के दरबार में जाने वाले सभी समान हो जाते हैं, अहंकार शून्य हो जाते हैं। कितना अच्छा होता की सभी सदैव अहंकार शून्य ही रहते, शिवमय ही रहते तो हिंसा का अस्तित्व ही मिट जाता! क्या शिवभक्त ऐसा नहीं कर सकते? कांवरिया पथ पर आपको ऐसे-ऐसे "बम" मिल जाएंगे, जिनको देख कर हृदय द्रवित हो जाता है। भगवान पांव नहीं दिए या शायद देकर छीन लिए लेकिन कंधे पर बाबा के नाम का संकल्प लेकर चले आ रहे है बाबाधाम। किसी की आंख की ज्योति चली गई है लेकिन भगवान से आस्था नहीं गई हैं। अतः जल चढ़ाने कांवर लेकर चल पड़े है बाबानगरी की ओर, परिजन के सहारे प्रतिवर्ष सावन मास में लगभग 50 लाख लोग बिहार के भागलपुर जिला स्थित सुल्तानगंज से कांवर में गंगाजल लाकर झारखंड के देवघर जिला स्थित बाबा वैद्यनाथ को अर्पित करते है।

श्रृंगार का मौसम

सावन और श्रृंगार का अन्योन्याश्रय संबंध हैं। प्रकृति श्रृंगार करके हरी-भरी हो उठती है, जिसका असर मानव पर भी पड़ता हैं। भारतीय तरुणियों व विवाहिताओं के सजने-संवरने का यह विशेष मौसम है। हाथ में मेंहदी रचाने की बात हो या पांव में महावर लगाना हो, सावन सर्वोत्तम माना जाता हैं। अपने भाई के भाल पर बहन के हाथ का तिलक और कलाई पर राखी सावन में ही शोभायमान होती है। कजरी की तान सुननी हो या फिर बाग में लगे झूलों का आनंद लेना हो, यह सारा कुछ सावन में ही मनभावन लगता हैं।

किले शिवाजी महाराज के... जश्न भाजपा का!

यूनेस्को ने छत्रपति शिवाजी महाराज के हिंदवी स्वराज्य के १२ किलों को विश्व धरोहर स्थल का दर्जा दिया है। यह हिंदुस्थान, महाराष्ट्र और मराठी लोगों के लिए गर्व की बात है। महाराजा ने महल या राजमहल नहीं बनवाए। उन्होंने स्वराज्य की रक्षा के लिए किले बनवाए। ये किले स्वराज्य ही की संपत्ति थे इसलिए महाराष्ट्र के इतिहास और संस्कृति में किलों का महत्व निर्विवाद है। छत्रपति ने अपना राज्याभिषेक रायगढ़ किले में करवाया और रायगढ़ किले को ही अपनी राजधानी भी बनाया। शिवाजी महाराज के जीवन और संघर्ष में किलों का महत्व इस प्रकार था। भारत के शासकों ने इन किलों पर समारोह मनाए, लेकिन दिल्ली या महाराष्ट्र ने इस समृद्ध विरासत को संरक्षित करने के लिए कोई विशेष प्रयास नहीं किए। अब जबकि महाराजा के १२ किलों को यूनेस्को द्वारा मराठा सैन्य क्षेत्र के रूप में वर्गीकृत किया गया है तो भारतीय जनता पार्टी ने एक उत्सव कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया है। भाजपा के मंत्रियों ने १०६ स्थानों पर शिव आरती करने की घोषणा की। किसी चीज का श्रेय लेना और तुरंत ही उसका राजनीतिक जश्न मनाना इस मामले में भाजपा की कोई सानी नहीं है, उसका कोई हाथ नहीं पकड़ सकता। इसके लिए विभागीय शक्ति प्रदर्शन, ढोल-नगाड़े और पोवाड़ा कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। मानो अब से यही कहा जाएगा कि शिवाजी महाराज का स्वराज्य और उनकी दुर्ग-संपदा

भाजपा की बदौलत ही बनी। शिवाजी महाराज महाराष्ट्र के आदर्श हैं। उनकी वीरता की गाथा अब तक अनेक जीवनीकारों ने गाई है और गाई जाती रहेगी। न्यायमूर्ति रानाडे ने यह सिद्धांत प्रस्तुत किया कि मराठी राष्ट्राची निर्मिती (मराठी राष्ट्र का निर्माण) शिवाजी महाराज की देश के प्रति महान सेवा है। छत्रपति ने न केवल राज्य की स्थापना की, बल्कि
मराठी राज्य
को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए काम किया। आज शिवाजी महाराज के महाराष्ट्र पर लगभग नौ लाख करोड़ का कर्ज है। शिवाजी महाराज ने मराठी राज का निर्माण किया और सुरक्षा के लिए किले बनवाए इसलिए उस काल में महाराष्ट्र पर पठानकोट, पुलवामा, पहलगाम जैसे हमले नहीं हो सके। जिस तरह पहलगाम के आतंकवादी भाग निकले, उस तरह महाराज ने अफजल खान आदि को भागने नहीं दिया। लाल महल में तो शाइस्ता खान की उंगलियां ही छांट दीं। मराठा राज लुटेरों या सैन्य शासन या सामंतवाद का राज नहीं था। यह उन लोगों का राज था जो बहुजनों के आधार थे। उस राज की राजमुद्रा पर भद्राय राजते अंकित था। आज, शिवाजी महाराज के नाम पर जश्न मनानेवालों का महाराष्ट्र का राज लुटेरों का राज बन गया है। लूटपाट की खुली छूट दे दी है और ये लोग शिवाजी महाराज के किलों को विश्व धरोहर का दर्जा दिए जाने की वजह से जश्न मना रहे हैं, शिव आरती आदि कर रहे हैं। मराठी भाषा शिवाजी महाराज और उनके मावलों की है। केंद्र सरकार ने मराठी भाषा को अभिजात भाषा का दर्जा तो दे दिया है, लेकिन महाराष्ट्र में ही मराठी भाषा और मराठी लोगों का सम्मान नहीं रह गया है। शिवाजी महाराज की भाषा का संरक्षण नहीं हो रहा है। आज भी इसके लिए संघर्ष की चिंगारियां उठ रही हैं और अब जब किलों को विश्वस्तरीय दर्जा दे दिया गया है तो भाजपा ने उछलना-कूदना शुरू कर दिया है। कुछ महीने पहले ब्रिटिश संग्रहालय से छत्रपति शिवाजी महाराज की भवानी तलवार लाई गई थी और चुनाव से पहले इस मंडली ने उस तलवार की राजनीतिक यात्रा निकाली। उस तलवार का क्या हुआ? वह तलवार अब कहां है? असल में यह तलवार भवानी तलवार नहीं है जैसा कि सरकार दावा करती है। राज
सरकार शिव प्रेमियों की भावनाओं से
खेल रही है ऐसा इतिहासकार कहते हैं, फिर भी भाजपावालों ने तलवार की भी राजनीति की है। अब उन्होंने नागपुर के राजा मुधोजी की तलवार लाने की घोषणा की है। भाजपा द्वारा यह कहने का प्रयास कि वे इतिहास के मालिक हैं, मजेदार है। लेकिन अंदर की बात यह है कि अगर सरकार इन १२ किलों को संरक्षित नहीं करती है, जिन्हें विश्व धरोहर का दर्जा दिया गया है तो यूनेस्को इस विश्व धरोहर का दर्जा वापस ले लेगा। यही नियम है। २०१२ में यूनेस्को ने पश्चिमी घाट को विश्व धरोहर घोषित किया। पश्चिमी घाट भी एक ऐतिहासिक धरोहर है। वरिष्ठ पर्यावरण विशेषज्ञ डॉ. माधव गाडगिल बार-बार कहते रहे कि ऐसा कोई निर्माण नहीं किया जाना चाहिए, जिससे पश्चिमी घाट के परिसर की जैव विविधता को नुकसान पहुंचे। ऐसी एक रिपोर्ट ही है। जब पश्चिमी घाट को विश्व धरोहर का दर्जा दिया गया था तो इसमें उस क्षेत्र के सभी किले भी शामिल थे। लेकिन आज उसी पश्चिमी घाट पर अमानवीय तरीके से हथौड़े, बुलडोजर और जेबीसी चलाए जा रहे हैं। अलमट्टी बांध की ऊंचाई बढ़ाना हो या शक्तिपीठ हाईवे को जबरन बनाना हो, इस विश्व धरोहर पर हथौड़े चलेंगे और जिसका संरक्षण करने का संदेश यूनेस्को ने दिया था, वही नष्ट हो जाएगा।

यूनेस्को ने महाराष्ट्र के ११ किलों को विश्व धरोहर स्थल का दर्जा दिया है, जिनमें सिंधुदुर्ग, विजयदुर्ग, रायगढ़, राजगढ़, प्रतापगढ़, पन्हाला, शिवनेरी, लोहागढ़, साल्हेर, सुवर्णदुर्ग, खांदेरी और तमिलनाडु के जिंजी किले समेत कुल १२ किले शामिल हैं। भाजपा इसका राजनीतिक विजयोत्सव, जश्न मना रही है। ऐसे जश्न जरूर मनाइए। भाजपा का जन्म ही ऐसे जश्न के लिए हुआ है, लेकिन क्या इस विश्व धरोहर की जिम्मेदारी निभाने की आपकी हैसियत है?

राज्यसभा में मीनाक्षी जैन का चयन: संस्कृति और विद्वत्ता को सम्मान

भारत की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक धरोहर को स्वदेशी दृष्टिकोण सेपुनर्जनन देने वाली एक प्रख्यात इतिहासकार, जिन्होंने अपने गहन शोध और तथ्यपरक लेखन से भारतीय इतिहास लेखन को नया आयाम दिया, वह हैं डॉ. मीनाक्षी जैन। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संविधान के अनुच्छेद 80(1)(क) के खंड (3) के तहत उन्हें राज्यसभा के लिए नामित कर एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। यह प्रावधान राष्ट्रपति को कला, साहित्य, विज्ञान और सामाजिक सेवा जैसे क्षेत्रों में असाधारण योगदान देने वाले व्यक्तियों को उच्च सदन में नामित करने की शक्ति प्रदान करता है। मीनाक्षी जैन के साथ-साथ वरिष्ठ सरकारी वकील उज्ज्वल देवराव निकम, केरल के सामाजिक कार्यकर्ता और शिक्षाविद् सी. सदानंदन मास्ते, और पूर्व विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला को भी इस सम्मान के लिए चुना गया है। यह नामांकन पूर्व में नामित सदस्यों की सेवानिवृत्ति से खाली हुई सीटों को भरने के लिए किया गया है। मीनाक्षी जैन का यह चयन न केवल उनके व्यक्तिगत योगदान को सम्मानित करता है, बल्कि भारतीय इतिहास और संस्कृति को वैश्विक मंच पर सशक्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

मीनाक्षी जैन ने भारतीय इतिहास लेखन को एक ऐसी दृष्टि प्रदान की है, जो औपनिवेशिक और एकांगी दृष्टिकोण से परे जाकर भारतीय सभ्यता के गौरव को पुनःस्थापित करती है। दिल्ली विश्वविद्यालय से राजनीति विज्ञान में पीएचडी प्राप्त करने वाली मीनाक्षी जैन ने गार्गी कॉलेज में इतिहास की सहायक और बाद में एसोसिएट प्रोफेसर के रूप में कार्य किया। इसके अतिरिक्त, उन्होंने भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद (आईसीएचआर), नेहरू मेमोरियल म्यूजियम एंड लाइब्रेरी, और भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में महत्वपूर्ण भूमिकाएँ निभाईं। 2020 में भारत सरकार द्वारा उन्हें पद्मश्री से सम्मानित किया गया, जो उनके शोध और सांस्कृतिक योगदान का सर्वोच्च सम्मान है। उनका शोध मध्यकालीन और औपनिवेशिक भारत पर केंद्रित रहा है, जिसमें धार्मिक-सांस्कृतिक विकास और सामाजिक परिवर्तनों का गहन विश्लेषण शामिल है।

उनकी लेखन शैली तथ्यों, पुरातात्विक साक्ष्यों और ऐतिहासिक दस्तावेजों पर आधारित है, जो भारतीय इतिहास को एक स्वदेशी परिप्रेक्ष्य से प्रस्तुत करती है। उनकी पुस्तक राम और अयोध्या (2013), अयोध्या विवाद के ऐतिहासिक और पुरातात्विक पहलुओं को उजागर करती है। यह पुस्तक श्रीराम के ऐतिहासिक अस्तित्व और अयोध्या के धार्मिक महत्व को प्रमाणों के साथ प्रस्तुत करती है, जो इस जटिल मुद्दे पर तथ्यपूर्ण दृष्टिकोण प्रदान करती है। उनकी एक अन्य कृति, राम के लिए संघर्षः अयोध्या में मंदिर का मामला (2017), अयोध्या विवाद से जुड़े दस्तावेजों और अदालती साक्ष्यों का सूक्ष्म विश्लेषण प्रस्तुत करती है। यह पुस्तक शोधकताओं और सामान्य पाठकों के लिए समान रूप से महत्वपूर्ण है।

देवताओं का पलायन और मंदिरों का पुनर्जन्म (2019), भारतीय मंदिरों के विध्वंस, मूर्तियों की चोरी और उनके पुनर्निर्माण की कहानी को बयान करती है। यह पुस्तक मंदिरों के सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व को रेखांकित करती है, साथ ही यह दशार्ती है कि कैसे श्रद्धालुओं ने हर संकट में अपनी आस्था को संरक्षित किया। मीनाक्षी जैन ने मंदिर महात्म्य, शिलालेखों, वंशावलियों और विदेशी यात्रियों के लेखों का उपयोग कर इस पुस्तक में भारतीय संस्कृति की निरंतरता को जीवंत किया है। उनकी पुस्तक सतीः ईसाई प्रचारक, बैपटिस्ट मिशनरी और उपनिवेशकालीन विमर्श में बदलाव (2016) सती प्रथा के औपनिवेशिक काल में विकास और इसके पीछे की धार्मिक व राजनीतिक गतिशीलता का विश्लेषण करती है। यह पुस्तक औपनिवेशिक दृष्टिकोण और भारतीय समाज के बीच टकराव को समझने में महत्वपूर्ण योगदान देती है।

मीनाक्षी जैन ने समानांतर रास्तेः हिन्दू-मुस्लिम संबंधों पर निबंध (2010) में 18वीं और 19वीं शताब्दी के दौरान हिन्दू-मुस्लिम संबंधों की जटिलताओं को उजागर किया।

पीछे नहीं, बराबरी में: केरल के स्कूलों की नई बैठने की व्यवस्था एक क्रांतिकारी कदम

(लेखिकाः प्रियंका सौरभ)

भारत के शिक्षा तंत्र में दशकों से एक अदृश्य रेखा बनी रही है – आगे की बेंच और पीछे की बेंच। जहाँ आगे की बेंच पर बैठने वाले छात्र अक्सर "मेधावी" माने जाते हैं, वहीं पीछे की बेंच को उपेक्षा और उपहास का प्रतीक समझा जाता है। लेकिन केरल के सरकारी स्कूलों में हाल ही में जो बदलाव लाया गया है, वह इस मानसिकता को जँड से चुनौती देता है। अब वहां "बैक बेंचर्स" नाम की कोई चीज नहीं है।

केरल के स्कूलों में अब छात्रों को गोल घेरे में या यू-शेप में बैठाया जा रहा है, जिससे हर बच्चा शिक्षक के सामने होता है, न कोई आगे, न कोई पीछे। यह केवल एक बैठने की शैली नहीं, बल्कि एक वैचारिक क्रांति है – यह इस सोच को तोजता है कि सीखने का अधिकार कुछ बच्चों तक सीमित है।

इस बदलाव का उद्देश्य स्पष्ट हैः बराबरी, भागीदारी और समावेशिता। हर बच्चा अब शिक्षक से आँख मिलाकर संवाद कर सकता है, अपने सवाल पूछ सकता है और खुद को महत्वपूर्ण महसूस कर सकता है।

बताया जाता है कि यह नई व्यवस्था एक फिल्म में दिखाई गई कल्पना से प्रेरित है। कभी-कभी सिनेमा केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि बदलाव की प्रेरणा भी बन जाता है। जिस तरह "तारे जमीन पर" ने विशेष बच्चों को लेकर दृष्टिकोण बदला, वैसे ही इस फिल्म ने शिक्षा व्यवस्था पर सोचने को मजबूर किया। केरल ने उस कल्पना को जमीन पर उतारा – और यही वह दृष्टिकोण है जो भारत के शिक्षा क्षेत्र में एक नयी रोशनी बन सकता है।

शिक्षा केवल किताबी ज्ञान नहीं, वह एक मनोवैज्ञानिक प्रक्रिया है। एक बच्चा जो हमेशा पीछे बैठाया जाता है, उसके आत्मविश्वास पर इसका असर पड़ता है। उसे लगता है कि वह "कमतर" है, "गैर जरूरी" है। लेकिन जब वही बच्चा शिक्षक के सामने बैठता है, चर्चा का हिस्सा बनता है, तो उसके भीतर एक नयी ऊर्जा जन्म लेती है।

नई बैठने की व्यवस्था केवल छात्रों के लिए नहीं, शिक्षकों के लिए भी एक चुनौती और अवसर दोनों है। अब शिक्षक को केवल सामने खड़े होकर भाषण देने वाला नहीं, बल्कि बातचीत और सहभागिता में विश्वास रखने वाला मार्गदर्शक बनना होगा। यह "एक तरफा शिक्षा" को "दो तरफा संवाद" में बदलता है। यह नई व्यवस्था शिक्षा में लोकतंत्र लाने की शुरूआत है। जहाँ सभी बच्चों को समान दृष्टि से देखा जाता है। यह भारत के संविधान की उस मूल भावना के अनुरूप है, जो समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व की बात करता है।

भारत में शिक्षा को लेकर अक्सर यह शिकायत रहती है कि कक्षा का वातावरण असमानता को बढ़ावा देता है। कुछ बच्चों को ही शिक्षक का ध्यान मिलता है, जबकि अन्य बच्चे पीछे छूट जाते हैं। केरल की यह पहल इस असंतुलन को खत्म करने का प्रयास है। जब हर बच्चा एक जैसे स्थान पर बैठेगा, तो शिक्षक की दृष्टि और संवाद में भी समता आएगी। शिक्षा के समाजशास्त्र के नजरिए से देखें तो यह व्यवस्था वर्ग, जाति और आर्थिक स्थिति से जुड़ी भेदभावपूर्ण मानसिकता को भी चुनौती देती है। पिछली पंक्तियों में अक्सर वे बच्चे बैठते थे जो या तो सामाजिक रूप से दबे हुए होते थे या जिनका आत्मविश्वास कम होता था।

अब जब वे केंद्र में होंगे, तो उनके आत्म-सम्मान में वृद्धि होगी।

केरल का यह प्रयोग इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह केवल नीति-निमार्ताओं द्वारा ऊपर से थोपा गया बदलाव नहीं है, बल्कि शिक्षकों, छात्रों और स्कूल प्रशासन की सामूहिक सोच और सहमति से उपजा विचार है। यह समावेशी शिक्षा के वैश्विक सिद्धांतों के अनुकूल है, जिसमें हर बच्चे को समान अवसर देना प्राथमिकता है। नई व्यवस्था बच्चों को पारंपरिक अनुशासन की जजगह से निकालती है और उन्हें संवाद, सहयोग और सहभागिता की दुनिया में लाती है। यह शिक्षण पद्धति को अधिक संवादात्मक, जीवंत और व्यावहारिक बनाती है।

इस मॉडल का एक मनोवैज्ञानिक पहलू भी हैः जब बच्चा खुद को महत्वपूर्ण महसूस करता है, तो उसकी सीखने की क्षमता बढ़ जाती है। आत्म-सम्मान, आत्म-विश्वास और कक्षा में सक्रियता आपस में जुड़े हुए हैं। इसलिए यह व्यवस्था केवल बैठने की शैली नहीं, बल्कि सीखने की संस्कृति में बदलाव है।

व्यवहारिक दृष्टि से यह व्यवस्था आसान नहीं है। देश के अधिकांश स्कूलों में कक्षाएं छोटी हैं, छात्र संख्या अधिक है और फर्नीचर सीमित। लेकिन यह असंभव भी नहीं है। यदि राजनीतिक इच्छाशक्ति हो और शिक्षक समुदाय इस दिशा में तैयार हो, तो यह मॉडल अन्य राज्यों में भी अपनाया जा सकता है।

देशभर में शिक्षा बजट का एक हिस्सा कक्षा के पुनर्गठन में लगाया जाए तो यह केवल भौतिक परिवर्तन नहीं, मानसिक और शैक्षणिक बदलाव भी लेकर आएगा।

इसके लिए शिक्षक प्रशिक्षण, स्कूलों की संरचना और पाठ्यचर्या में भी सुधार जरूरी है।

निजी स्कूलों को भी इस पहल से सीख लेनी चाहिए। अक्सर निजी स्कूल केवल रैंकिंग और परीक्षा परिणामों पर ध्यान देते हैं, लेकिन समावेशी, संवेदनशील और संवाद आधारित शिक्षा की जरूरत उन्हें भी है। अगर वे वास्तव में छात्रों का सम्पूर्ण विकास चाहते हैं, तो इस मॉडल को अपनाना न केवल उचित होगा बल्कि जरूरी भी।

माता-पिता, अभिभावकों और समाज को भी इस पहल का स्वागत करना चाहिए। उन्हें यह समझना होगा कि शिक्षा केवल अंक लाने की प्रक्रिया नहीं है, बल्कि एक सामाजिक, मानसिक और नैतिक विकास की प्रक्रिया है। जब बच्चा बराबरी में बैठेगा, सुनेगा और सुनेगा जाएगा, तभी वह एक जिम्मेदार नागरिक बनेगा। यह व्यवस्था उस सोच को भी चुनौती देती है कि शिक्षक सर्वोपरि है और छात्र केवल एक श्रोता। अब शिक्षक और छात्र दोनों संवाद के भागीदार हैं। यह आधुनिक शिक्षा की मूल भावना है, जहाँ शिक्षा सत्ता नहीं बल्कि साझेदारी है।

केरल का यह प्रयोग भारत की शिक्षा नीति 2020 के विजन के भी अनुरूप है, जो रटंत विद्या से हटकर सोचने, संवाद करने और रचनात्मक बनने पर बल देती है। जब छात्र संवाद के केंद्र में होंगे, तो उनकी सोचने की क्षमता और आत्म-अभिव्यक्ति का स्तर भी बढ़ेगा।

इसके दूरगामी प्रभाव होंगे। एक ऐसा बच्चा जो आज अपने शिक्षक से बिना डरे बात कर पा रहा है, कल समाज में भी अपनी बात कहने का साहस रखेगा। वह सिर्फ नौकरी खोजने वाला नहीं, बल्कि समाज को दिशा देने वाला बन सकता है।

शिक्षा को लेकर हमारे समाज में अक्सर एक डर का माहौल बना रहता है – परीक्षा का डर, अंक का डर, असफलता का डर। लेकिन जब कक्षा का वातावरण सहभागी और संवादात्मक होता है, तो ये डर धीरे-धीरे खत्म होते हैं। यही डर-मुक्त शिक्षा की दिशा में एक बड़ा कदम है।

संक्षेप में कहें तो केरल के स्कूलों में बैठने की इस नई व्यवस्था ने केवल कुर्सी-मेजें नहीं बदली हैं, बल्कि एक पूरी पीढ़ी के सोचने, सीखने और समाज से जुड़ने के तरीके को बदला है। यह परिवर्तन छोटे स्तर पर शुरू हुआ है, लेकिन इसके परिणाम बहुत बड़े हो सकते हैं।

मेंटल स्ट्रेस कैसे बन सकता है हार्ट अटैक का कारण, एक्सपर्ट से जानें

मानसिक तनाव यानी मेंटल स्ट्रेस को अक्सर हम हल्के में ले लेते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि यह आपके दिल पर सीधा असर डाल सकता है? आज की तेज-रफ्तार जिंदगी, काम का दबाव, रिश्तों में उलझन और भविष्य की चिंता – ये सब मिलकर धीरे-धीरे आपके दिल की सेहत को बिगाड़ सकते हैं. डॉक्टर और कार्डियोलॉजिस्ट लगातार चेतावनी दे रहे हैं कि मेंटल हेल्थ और हार्ट हेल्थ के बीच गहरा संबंध है. अगर दिमाग पर ज्यादा भार बढ़ा तो इसका सीधा असर दिल की सेहत पर पड़ेगा, जो बिल्कुल भी सही नहीं है कि स्ट्रेस के कारण किसी का दिल काम करना बंद कर दे.

ज्यादा स्ट्रैस होने पर लोग इसका इलाज कराने या मदद मांगने के बजाए इसे या तो इगनोर कर देते हैं, या फिर ऐसी आदतें दिनचर्या में शामिल कर लेते हैं तो इस खतरे को और अधिक बढ़ा देते हैं जैसे- शराब पीना, धूम्रपान करना, अधिक खाना या फिर कम खाना, अधिकतर जंक खाना, नींद कम लेना या पूरे दिन सोते रहना (दिमागी थकान के कारण भी होता है), फिजिकल एक्टिविटी न के बराबर, धूप न लेना, किसी से अपने विचार साझा न करना. ये सब आदतें धीरे-धीरे आपको गंभीर खतरे की तरफ ले जाती है. जिसका सीधा असर दिल पर पड़ता है और कुछ समय बाद परिणाम गंभीर हो सकते.

एक्सपर्ट्स का मानना है कि लगातार बना रहने वाला स्ट्रेस हार्ट अटैक के खतरे को बढ़ा सकता है. आधुनिक जीवनशैली, नौकरी का दबाव, पारिवारिक तनाव, आर्थिक अस्थिरता और डिजिटल ओवरलोड जैसे कई कारण हमें लगातार मानसिक तनाव की ओर धकेलते हैं. विशेषज्ञों के अनुसार, मानसिक स्वास्थ्य को गंभीरता से लेना बेहद जरूरी है ह्लअगर व्यक्ति हर दिन सिर्फ 30 मिनट पैदल चले, ध्यान और प्राणायाम करे, तो तनाव का असर काफी हद तक कम हो सकता है.ह्व इसके अलावा, हेल्दी डाइट लेना, भरपूर नींद लेना और अपने प्रियजनों के साथ बातचीत करते रहना भी दिल की सेहत को बेहतर बनाने में मदद करता है.

तनाव कैसे दिल पर असर करता है?

दिल्ली के राजीव गांधी अस्पताल में कार्डियोलॉजी विभाग में एसोसिएट प्रोफेसर डॉ अजीत जैन बताते हैं किजब व्यक्ति तनाव में होता है, तो शरीर में कुछ हॉर्मोन जैसे एड्रेनालिन और कोर्टिसोल का स्तर बढ़ जाता है. ये हॉर्मोन शरीर को फाइट या फ्लाइट मोड में ले जाते हैं. इस स्थिति में दिल की धड़कन तेज हो जाती है, ब्लड प्रेशर बढ़ता है और खून गाढ़ा होने लगता है. लंबे समय तक यह स्थिति बनी रहे, तो रक्त नलिकाएं सिकुड़ने लगती हैं और उनमें सूजन भी आ सकती है. इससे दिल की धमनियों में ब्लॉकेज बनने लगता है, जो आगे चलकर हार्ट अटैक का कारण बन सकता है.

क्रॉनिक यानी लगातार बना रहने वाला स्ट्रेस दिल के लिए सबसे खतरनाक माना जाता है. तनाव के कारण लोग अकसर धूम्रपान, शराब या अत्यधिक भोजन जैसी आदतों की ओर बढ़ जाते हैं. ये सभी आदतें दिल को और अधिक नुकसान पहुंचाती हैं. साथ ही, तनाव नींद की गुणवत्ता को भी प्रभावित करता है, जिससे ब्लड प्रेशर और ब्लड शुगर लेवल अनियंत्रित हो सकते हैं.

अब कोई भ्रम नहीं!..गुंडों की टोलियां और राजनीतिक खोजे क्या कर लेंगे?

महाराष्ट्र में इस समय मराठी एकता की तेज बयार बह रही है। ५ जुलाई को मराठी विजयोत्सव में उद्धव और राज ठाकरे एक साथ आए। उसके बाद जगह-जगह लोगों ने जश्न मनाया। मराठीजनों में मराठी पर हो रहे अन्याय बर्दाश्त नहीं करने और उसके खिलाफ एकजुट होकर लड़ने का आत्मविश्वास पैदा हुआ है। यह सच है कि दोनों ठाकरे के साथ आने से यह आत्मविश्वास पैदा हुआ है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि महाराष्ट्र और मराठीजनों की सारी समस्याएं तुरंत हल हो गई हैं। मराठी लोग और उनकी सारी समस्याएं जस की तस हैं। त्रिभाषा सूत्र जबरन थोपने के खिलाफ दोनों ठाकरे एक साथ आए, लेकिन उनकी राजनीतिक युति की घोषणा अभी तक नहीं हुई है। वह गठबंधन जरूरी है। तब जाकर महाराष्ट्र को एक नई दिशा मिलेगी। जिस तरह से महाराष्ट्र में मराठी एकता का तूफान खड़ा हुआ उसे देखकर दिल्ली और महाराष्ट्र के मौजूदा हुक्मरान हिल गए हैं। वे इस गठबंधन को होने से रोकने की कोशिश करेंगे। मराठी एकता की विजय महासभा सम्मेलन के बाद, महाराष्ट्र की राजनीति को एक जोरदार झटका लगा है। यह एक जोरदार भूकंप में तब्दील हो जाएगा और उनका राज ताश के पत्तों के बंगले की तरह ढह जाएगा, इस बात का सबसे ज्यादा डर एकनाथ शिंदे और उनके साथ के लोगों को लग रहा है। यह सही है। एकनाथ शिंदे चिंतित होकर तुरंत दिल्ली गए और उन्होंने अपने गुरु अमित शाह से मुलाकात की। इस समय महाराष्ट्र में जो हो रहा है उसे रोकें। फडणवीस इस तूफान को रोक नहीं सकते। इस पर अमित शाह ने पूछा, क्या करना चाहिए? शिंदे ने उत्तर दिया मैं अपने लोगों के साथ भाजपा में शामिल होता हूं। मुझे मुख्यमंत्री बना दो। ये सब रोकने की गारंटी लेता हूं। शाह और शिंदे के बीच इस तरह की चर्चा हुई है, ऐसी चर्चा शिंदे गुट के भीतर चल रही है। शिंदे गुट के उदय सामंत और शिरसाट जैसे मंत्री विधानसभा में खुलेआम कह रहे थे, कि शाह और शिंदे मिलकर मराठी लोगों की एकता को तोड़ देंगे। राज और उद्धव को साथ नहीं आने देंगे। शिंदे के मंत्री किस बिला पर ये बयान देते हैं? अगर कोई सोचता है कि ठाकरे उनके दबाव में आ जाएंगे, तो वे मूर्ख हैं। मराठी माणुस अब किसी भी दबाव को स्वीकार नहीं करेंगे। वर्ली के बाद मीरा भयंदर में जिस तरह मराठी एकता उभरी, उससे यह उबाल हर स्तर पर है। मुंबई-महाराष्ट्र में गुजराती और जैन समुदायों के खिलाफ मुस्लिम समुदाय से कहीं ज्यादा गुस्सा फूट रहा है। यह अमित शाह की महाराष्ट्र विरोधी राजनीति के कारण है। तस्वीर यह है कि गुस्से का यह लावा अब महाराष्ट्र के हर जिले और शहर में फूटेगा।

एक अलग भूमिका

वर्ली में विजय महासम्मेलन के बाद भाजपा और शिंदे गुट के प्रवक्ताओं के रुख मजेदार है। मराठी के बाबत राज ठाकरे का रुख बिल्कुल सही है, लेकिन दोनों ने उद्धव ठाकरे के रुख की आलोचना की। यह आलोचना जारी है।

राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे के एक साथ आने से यह पेटदर्द साफ दिखाई देता है। एक कार्यक्रम, एक मंच। दो भाई एक साथ आए, जो लोग एक को सही और दूसरे को गलत कह रहे थे, वे उस दिन खुद ही अपनी ही इज्जत की धज्जियां उड़ा रहे थे। मीरा-भायंदर में व्यापारियों की कुव्यवस्था के खिलाफ मराठी लोगों ने एक विशाल मोर्चा निकाला।

इजरायली सेना ने गाजा में 110 फिलिस्तीनियों की हत्या की

एजेंसी

यरूशलम। इजरायली बलों ने शनिवार को गाजा में हमला कर कम से कम 110 फिलिस्तीनियों की हत्या कर दी, जिनमें दक्षिणी राफा में अमेरिका समर्थित गाजा मानवतावादी फाउंडेशन (जीएचएफ) में खाद्य की प्रतीक्षा कर रहे 34 लोग भी शामिल हैं। यह जानकारी अल जजीरा ने चिकित्सा सुत्रों के हवाले से दी। ये हत्याएं कतर में संघर्षविराम वार्ता में प्रगति रुकने और इजरायल की योजना पर बढ़ती निंदा के बीच हुई है जिससे पूरी आबादी को मजबूरन स्थानांतरित किया जाना है। राफा में, जीवित बचे लोगों और प्रत्यक्षदर्शियों ने कहा कि इजरायली बलों ने जीएचएफ स्थलों में से एक अल-शकौश क्षेत्र में फिलिस्तीनियों पर सीधे गोलीबारी की, जिसकी संयुक्त राष्ट्र और अधिकार समूहों ने मानव बूचड़खाने और मौत के जाल के रूप में निंदा की है। गाज़ा में डॉक्टरों के अनुसार, मई के अंत में अपने ऑपरेशनों की शुरुआत के बाद से जीएचएफ स्थलों पर 800 से अधिक फिलिस्तीनी मारे गए हैं और 5,000 अन्य घायल हुए हैं। चिकित्सा सूत्रों के अनुसार, इज़राइली सेना ने उत्तरी गाजा के जबालिया में दो आवासीय भवनों पर भी हमला किया, जिसमें 15 लोग मारे गए। गाजा शहर के पश्चिम में शाती शरणार्थी शिविर पर इज़राइली हमलों में सात और लोग मारे गए। इज़रायली सेना ने उत्तरी गाजा के बेत हनून पर भी हमला किया और शहर के उत्तरपूर्वी हिस्से पर लगभग 50 बम गिराए।

गाजा में मानवीय सहायता पाने की कोशिश में मारे गये 800 लोगः यूएन

जिनेवा। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय (ओएचसीएचआर) ने कहा है कि गाजा पट्टी में मानवीय सहायता पाने की कोशिश में लगभग 800 लोग मारे गए हैं। जिनेवा में एक प्रेस वार्ता में ओएचसीएचआर की प्रवक्ता रवीना शमदासानी ने कहा कि 7 जुलाई तक, ओएचसीएचआर ने गाजा में सहायता वितरण क्षेत्रों में 798 हत्याओं को दर्ज किया है। उन्होंने कहा इनमें गाजा ह्यूमैनिटेरियन फाउंडेशन (जीएचएफ) स्थलों के आसपास 615 और संभवतः सहायता काफिलों के मार्गों पर 183 मौतें शामिल हैं। उन्होंने यह भी बताया कि ज़्यादातर मौतें गोली लगने से हुई हैं। सुश्री शमदासानी ने कहा कि ऐसी स्थिति अस्वीकार्य है, फिर भी यह जारी है।

एल्गोरिथम में हेरफेर को लेकर सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स फ्रांसीसी जांच के घेरे में

पेरिस/सैक्रामेंटो । विदेशी हस्तक्षेप को संभव बनाने और अनुचित डेटा निष्कर्षण के लिए एल्गोरिथम में हेरफेर का हवाला देते हुए पेरिस अभियोजक कार्यालय ने घोषणा की कि सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म एक्स फ्रांसीसी पुलिस के जांच के घेरे में है। पेरिस अभियोजक लॉरे बेक्काउ ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा इस स्तर पर सोशल मीडिया एक्स पर मुख्य रूप से दो अपराधों का आरोप है - एक संगठित समूह द्वारा एक स्वचालित डेटा प्रोसेसिंग सिस्टम के संचालन में बाधा डालना और दूसरा संगठित समूह द्वारा एक स्वचालित डेटा प्रोसेसिंग सिस्टम से धोखाधड़ी से डेटा निकालना। श्री बेक्काउ ने कहा कि जांच का जिम्मा राष्ट्रीय जेंडरमेरी महानिदेशालय (डीजीजीएन) को सौंपा गया है। उन्होंने कहा कि जनवरी में पेरिस अभियोजक कार्यालय की साइबर अपराध इकाई को दो औपचारिक शिकायतें मिलीं जो क्रमशः फ्रांसीसी संसद के एक सदस्य और एक फ्रांसीसी सार्वजनिक संस्थान के एक वरिष्ठ अधिकारी द्वारा प्रस्तुत की गई थीं। उन्होंने कहा कि दोनों शिकायतों में आरोप लगाया गया था कि विदेशी हस्तक्षेप के उद्देश्य से एक्स के एल्गोरिथम का दुरुपयोग किया गया था।

कैमरून में 12 अक्टूबर को होंगे राष्ट्रपति चुनाव

याउंडे। कैमरून में 12 अक्टूबर को राष्ट्रपति चुनाव कराने की घोषणा की गयी है। राष्ट्रपति पॉल बिया द्वारा हस्ताक्षरित एक आदेश में यह जानकारी दी। आदेश के अनुसार राष्ट्रपति चुनाव के लिए मतदान स्थानीय समयानुसार सुबह 8:00 बजे शुरु होगा और शाम 6:00 बजे समाप्त हो जायेगा। चुनाव प्रबंधन संस्था इलेक्शन्स कैमरून द्वारा पूर्व में घोषित चुनावी कैलेंडर के अनुसार उम्मीदवारों को 21 जुलाई तक अपने आवेदन पत्र जमा करने होंगे। स्वीकृत उम्मीदवारों की अंतिम सूची 11 अगस्त से पहले जारी कर दी जाएगी। आधिकारिक चुनाव प्रचार 27 सितंबर से 11 अक्टूबर तक चलेगा। गौरतलब है कि इस बार का चुनाव लंबे समय से राष्ट्रपति रहे पॉल बिया के लिए आसान नहीं होगा। उनके दो सबसे करीबी सहयोगी इस बार उनके विरोध में चुनाव मैदान में उतरकर चुनौती दे सकते हैं। हाल ही में दोनों सहयोगियों ने उनकी सरकार से इस्तीफा दे दिया है और अक्टूबर चुनाव में अपनी उम्मीदवारी की घोषणा की है। पर्यटन मंत्री बेलो बौबा मैगारी ने इस सप्ताह सरकार से इस्तीफा दे दिया, जबकि पिछले सप्ताह इस्सा चिरोमा बाकरी ने रोजगार और व्यावसायिक प्रशिक्षण मंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया था। दोनों ही अपने आप को राष्ट्रपति बिया के उत्तराधिकारी के रूप में उपयुक्त उम्मीदवार के तौर पर पेश कर रहे हैं।

किम जोंग उन ने दोहराया, 'यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में रूस को हमारा पूरा समर्थन'

एजेंसी

सोल। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग-उन ने रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से मुलाकात के दौरान यूक्रेन के खिलाफ जारी युद्ध में रूस के सभी कदमों के समर्थन की बात कही। उत्तर कोरिया की सरकारी मीडिया ने रविवार को यह जानकारी दी। समाचार एजेंसी ने कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी (केसीएनए) के हवाले से बताया कि किम ने यह टिप्पणी शनिवार को लावरोव के साथ बैठक में की। इससे एक दिन पहले रूसी मंत्री अपने उत्तर कोरियाई समकक्ष के साथ दूसरे दौर की रणनीतिक वार्ता के लिए उत्तर कोरिया गए थे। केसीएनए ने कहा कि किम और लावरोव ने पिछले वर्ष जून में प्योंगयांग में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ किम की शिखर वार्ता के दौरान हुए समझौतों के ईमानदारी से क्रियान्वयन पर चर्चा की। इसके अलावा, दोनों देशों की रणनीतिक साझेदारी को और विकसित करने के तरीकों पर भी चर्चा हुई।

केसीएनए ने कहा कि किम जोंग-उन ने कहा कि उत्तर कोरिया, रूस और उत्तर कोरिया के बीच हुए रक्षा समझौते के तहत, यूक्रेन संकट के मूल कारणों से निपटने के लिए रूसी नेतृत्व के सभी कदमों का बिना शर्त समर्थन और प्रोत्साहन करेगा। किम के हवाले से केसीएनए ने कहा कि दोनों देश अपने गठबंधन के स्तर के अनुरूप सभी रणनीतिक मुद्दों पर समान विचार साझा करते हैं और यह दोनों देशों के बीच स्थापित उच्च रणनीतिक स्तर को दर्शाता है। रिपोर्ट के अनुसार, लावरोव ने कूटनीतिक क्षेत्रों में दोनों देशों के बीच रणनीतिक संचार की प्रशंसा की। इसके साथ ही रणनीतिक और सामरिक सहयोग को और मजबूत करने तथा अंतर्राष्ट्रीय क्षेत्र में ठोस कार्रवाई को तेज करने की अपनी मंशा व्यक्त की। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग-उन और रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव की मुलाकात में दोनों देशों ने अपनी रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने का फैसला किया। उत्तर कोरिया की सरकारी न्यूज एजेंसी केसीएनए के अनुसार, दोनों देश अपने हितों की रक्षा और आपसी सहयोग को बढ़ाने के लिए मिलकर काम करेंगे। लावरोव ने रूस के राष्ट्रपति पुतिन का गर्मजोशी भरा संदेश किम को दिया, और किम ने भी पुतिन के लिए दोस्ताना संदेश भेजा। दोनों नेताओं ने जल्द ही सीधे संपर्क की उम्मीद जताई। इसके अलावा, उत्तर कोरिया की विदेश मंत्री चोए सोन-हुई और लावरोव के बीच हुई बातचीत में दोनों देशों ने अपनी साझेदारी को लंबे समय तक जारी रखने का भरोसा दिलाया।

प्रधानमंत्री ओली के करीबी मंत्री का रिश्वत लेने संबंधी ऑडियो सोशल मीडिया पर वायरल, जांच शुरू

एजेंसी

काठमांडू। प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की कैबिनेट के सामान्य प्रशासन तथा संघीय मामलों के मंत्री राजकुमार गुप्ता पर 78 लाख रुपये रिश्वत लेने का आरोप लगा है। मंत्री के साथ एक महिला तथा एक पुरुष के बीच बातचीत का ऑडियो इस समय विभिन्न सोशल मीडिया तथा ऑनलाइन न्यूज पोर्टल पर वायरल हो रहा है। नेपाल के एंटी करप्शन ब्यूरो ने इसकी जांच शुरू कर दी है। ऑडियो में एक सरकारी नियुक्ति और एक ट्रांसफर रुकवाने के बदले 78 लख रुपये रिश्वत मांगने का जिक्र सुनाई दे रहा है। करीब 10 मिनट के इस हालांकि, ऑडियो की सत्यता अभी जांची नहीं गई है, लेकिन इसमें मंत्री राजकुमार गुप्ता की ओर से जिला भूमि आयोग के अध्यक्ष के पद पर नियुक्ति करने के लिए 25 लाख रुपये मांगने की बात सामने आ रही है। इसी तरह सामान्य प्रशासन मंत्रालय के एक प्रदेश स्तर के सरकारी कर्मचारी का ट्रांसफर रुकवाने के लिए 53 लाख रुपये रिश्वत मांगने की बात भी इस वायरल ऑडियो में सुनी जा सकती है। एंटी करप्शन ब्यूरो के आयुक्त जयबहादुर चंद्र ने बताया कि सोशल मीडिया पर वायरल ऑडियो की लिखित शिकायत ब्यूरो को मिली है। उन्होंने बताया कि इस मामले की जांच शुरू कर दी गई है और उस कथित ऑडियो को जांच के लिए फोरेंसिक लैब में भेज दिया गया है। ऑडियो वायरल होने के बाद विपक्षी पार्टियों सहित सत्तारूढ़ दल के नेता भी सामान्य प्रशासन मंत्री राजकुमार गुप्ता के इस्तीफा की मांग कर रहे हैं। विपक्षी दल माओवादी के प्रवक्ता अग्नि सापकोटा ने प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली से अपने मंत्रिमंडल के सहयोगी राजकुमार गुप्ता को बर्खास्त किए जाने की मांग की है।

संत भद्रेश दास स्वामी की सत्संग दीक्षा पुस्तक के नेपाली संस्करण का विमोचन

एजेंसी

काठमांडू। बोचासनवासी अक्षर पुरुषोत्तम स्वामीनारायण संस्था के एक प्रमुख संत भद्रेश दास स्वामी द्वारा रचित सत्संग दीक्षा ग्रंथ के नेपाली संस्करण का शनिवार को विमोचन किया गया। नेपाल के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. रामबरण यादव ने एक समारोह के दौरान इसका विमोचन किया। डॉ. यादव ने कहा कि प्राचीन सनातन धर्म और पूर्वी सभ्यता नेपाल और भारत के बीच धार्मिक, सांस्कृतिक और लोगों के बीच संबंधों को गहरा करने में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। वसंतपुर दरबार संग्रहालय विकास समिति और स्वामी नारायण संस्थान नेपाल द्वारा आयोजित कार्यक्रम में पुस्तक का विमोचन करते हुए उन्होंने कहा कि आध्यात्मिकता और विज्ञान, जो हमारी पहचान का हिस्सा हैं उसको जोड़कर आगे बढ़ने की आवश्यकता है। पूर्व राष्ट्रपति यादव ने कहा, हमें अपनी संस्कृति, परंपराओं और समाज को समझकर काम करना चाहिए, जिससे शांति, सह-अस्तित्व

और भाईचारे को प्राप्त करना आसान हो जाएगा। इससे विश्व कल्याण में योगदान मिल सकता है। स्वामीनारायण अक्षरधाम भारत के प्रमुख संत भद्रेश दास स्वामी ने कहा कि मुक्तिनाथ, जहां भगवान नीलकंठ तपस्या करते थे, हिमालय पर्वत श्रृंखला और मुक्तिनाथ की तरह दुनिया में धार्मिक पर्यटन के लिए एक अविश्वसनीय रूप से पवित्र भूमि है। प्राचीन सनातन धर्म नेपाल और नेपाली लोगों के बीच संस्कृति, प्रेम, भक्ति और सुलह का एक अनूठा मॉडल प्रस्तुत करने में सफल रहा है। भद्रेश दास स्वामी ने 240 वर्ष पूर्व नेपाल यात्रा के दौरान तत्कालीन राजा राणा बहादुर शाह के साथ स्वामीनारायण के सत्संग की ऐतिहासिक घटना का स्मरण किया और विचार व्यक्त किया कि यदि भाषा, वेशभूषा, भोजन और भजनों में संयम बरता जाए तो राष्ट्र प्रगति करेगा।

ट्रम्प ने अब यूरोपीय संघ और मेक्सिको पर 30 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा की

एजेंसी

न्यू जर्सी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की कि उनकी सरकार 01 अगस्त 2025 से यूरोपीय संघ (ईयू) और मैक्सिको से आयातित वस्तुओं पर 30 प्रतिशत टैरिफ लगाएगी। यह फैसला अमेरिका के दो बड़े व्यापारिक साझेदारों के साथ तनावपूर्ण संबंधों को और गहरा कर सकता है। ट्रंप ने यह घोषणा अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पत्र साझा करते हुए की। उन्होंने इसे अपनी 2024 की पुनः चुनावी रणनीति का अहम हिस्सा बताया और कहा कि ये टैरिफ एक ऐसे आर्थिक पुनर्निर्माण की नींव रखेंगे, जिसे दशकों से लूटा गया हैमैक्सिको के राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाउम को संबोधित पत्र में ट्रंप ने सीमा सुरक्षा में सहयोग की सराहना की, लेकिन आरोप लगाया कि मैक्सिको ÷नार्को-तस्करी के अड्डे को रोकने में पर्याप्त कदम नहीं उठा रहा है। उन्होंने कहा, मैक्सिको ने मदद की है, लेकिन यह पर्याप्त नहीं है। ट्रंप ने यूरोपीय संघ को भेजे

पत्र में लिखा, हम वर्षों से ईयू के साथ अपने व्यापारिक रिश्ते पर चर्चा कर रहे हैं, लेकिन अब हमें इन लंबे समय से जारी असमान व्यापार घाटों से बाहर निकलना होगा। हमारी साझेदारी परस्पर नहीं रही है। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयन ने इस कदम पर निराशा जताई और कहा कि यूरोपीय संघ संवाद, स्थिरता और रचनात्मक ट्रांसअटलांटिक साझेदारी में विश्वास करता है, लेकिन यदि आवश्यक हुआ तो उचित जवाबी कदम भी उठाए जाएंगे।ईयू के व्यापार मंत्री सोमवार को विशेष बैठक करेंगे, जिसमें अमेरिका और चीन के साथ व्यापारिक रिश्तों की समीक्षा की जाएगी। मैक्सिकन सरकार ने कहा कि उन्हें अमेरिका के विदेश विभाग की उच्च स्तरीय बैठक के दौरान इस निर्णय की जानकारी दी गई थी।

विदेश मंत्री एस जयशंकर का तीन दिवसीय चीन दौरा, एससीओ बैठक में होंगे शामिल

एजेंसी

बीजिंग। विदेश मंत्री एस. जयशंकर चीन की तीन दिन की यात्रा पर रवाना होंगे। वे तियानजिन में होने वाली शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के सदस्य देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक में हिस्सा लेंगे। विदेश मंत्री जयशंकर ने कई बार अंतरराष्ट्रीय बैठकों के दौरान अपने चीनी समकक्ष से मुलाकात की है। लेकिन, जून 2020 में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर दोनों देशों के सैनिकों के बीच गलवान घाटी में हुई हिंसक झड़प के बाद द्विपक्षीय संबंधों में आई तनाव के बाद यह उनकी पहली चीन यात्रा होगी। अक्टूबर 2024 में रूस के कजान शहर में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच लगभग पांच साल बाद पहली बार एक महत्वपूर्ण द्विपक्षीय बैठक हुई थी। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि भारत-चीन संबंधों की नींव आपसी भरोसे,

आपसी सम्मान और आपसी संवेदनशीलता होगी। सकारात्मक और टिकाऊ संबंधों को बनाए रखने के लिए इन तीन प्रमुख बिंदुओं को ध्यान में रखना जरूरी है।तब से, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और विदेश सचिव विक्रम मिस्री कई जटिल मुद्दों पर गहन चर्चा करने के लिए बीजिंग का दौरा कर चुके हैं। बीजिंग में पिछले महीने शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के सदस्य देशों के सुरक्षा परिषद सचिवों की 20वीं बैठक को संबोधित करते हुए, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोवाल ने कहा कि भारत को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के नामित आतंकी समूहों, जैसे लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद, अल कायदा, आईएसआईएस और उनके सहयोगियों से लगातार खतरे की गहरी चिंता है। ये खतरनाक आतंकी संगठन, विशेष रूप से पाकिस्तान से संचालित लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद भारत के लिए बड़ा खतरा हैं। पहलगाम में हुए आतंकी हमले और उसके बाद सीमा पार आतंकी ढांचे को ध्वस्त करने के लिए भारत सरकार की ओर से चलाए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' पर प्रकाश डालते हुए राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में दोहरे मापदंड को त्यागने तथा संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रतिबंधित आतंकवादियों और संस्थाओं के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई करने की तत्काल आवश्यकता पर बल दिया था।

सिमलताल बस हादसाः नदीं में गिरी दो बसों और 6 भारतीय सहित 40 यात्री अब तक लापता

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल के नारायणघाट स्थित सिमलताल में एक साथ दो यात्री बसों के नदी में गिरने की घटना को एक साल हो गया, लेकिन अब तक दोनों ही बसों और 40 यात्रियों का कोई पता नहीं लग सका है। 12 जुलाई 2024 को सिमलताल में दो बस टकराने के बाद त्रिशूली नदी में गिरकर दुर्घटनाग्रस्त हो गयी थीं।इसमें से एक बस बीरगंज से काठमांडू आ रही थी जबकि दूसरी काठमांडू से बीरगंज की तरफ जा रही थी। इन दोनों बसों में चालक समेत कुल 63 लोग सवार थे, जिसमें 6 भारतीय थे। हादसे के दौरान तीन

यात्रियों ने कूदकर अपनी जान बचाई थी। कुछ दिन की मशक्कत के बाद 20 यात्रियों के शव बरामद किए गए थे। इस घटना को एक वर्ष हो गया, लेकिन अब तक ना तो दोनों बस ही मिल पाया है और न बाकी 40 लोगों का शव ही मिल पाया है। भारत से एनडीआरएफ की टीम ने भी आकर एक हफ्ते तक प्रयास किया लेकिन उसे भी कोई सफलता नहीं मिल पाई थी।

इमरान खान की पूर्व बीवी जेमिमा के बेटों को पिता से मिलने की कोशिश पर गिरफ्तारी की धमकी

एजेंसी

लंदन/इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री एवं पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक इमरान खान की पूर्व पत्नी जेमिमा गोल्डस्मिथ के बेटों को पिता से मिलने की कोशिश पर गिरफ्तार करने की धमकी देने का दावा किया गया है। पाकिस्तान के समाचार चैनल 'आज न्यूज' के अनुसार, जेमिमा ने एक्स पोस्ट पर 10 जुलाई को दावा किया कि उनके बेटों को उनके पिता (इमरान खान) से बात करने की अनुमति नहीं है। इमरान लगभग दो साल से एकांत कारावास में हैं। उन्होंने पाकिस्तान के अधिकारियों पर राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता की आड़ में व्यक्तिगत प्रतिशोध लेने का आरोप लगाया। जेमिमा ने लिखा, यहां तक कि फोन पर भी संपर्क करने की अनुमति नहीं है। मेरे बेटों को धमकाया जा रहा है और चेतावनी दी जा रही है कि अगर वे अपने पिता से

मिलने की कोशिश करेंगे तो उन्हें जेल हो सकती है। जेमिमा ने इस स्थिति को बुनियादी मानवाधिकारों का उल्लंघन बताया। इमरान के बेटे कासिम खान ने भी मां के बयान को दोहराया है। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के आवास मंत्री बिलाल यासीन ने कहा, इमरान के बेटे सुलेमान और कासिम अब उर्दू सीख रहे हैं। वह पाकिस्तान लौटने की तैयारी कर रहे हैं। हम उन दोनों का उनकी बहन टायरियन के साथ स्वागत करेंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि पीटीआई का नेतृत्व जनता की भावनाओं को भुनाने के लिए नया नाटक शुरू करने की तैयारी कर रहा है। पीएमएल-एन के वरिष्ठ नेता सीनेटर इरफान सिद्दीकी ने कहा कि इमरान के बेटे राजनीतिक गतिविधियों में हिस्सा लेने के लिए संवैधानिक रूप से स्वतंत्र हैं। सिद्दीकी ने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा, अगर उनके बेटे आते हैं, तो उन्हें पाकिस्तान की गर्मी असहनीय लग सकती है, लेकिन इससे जेल के दरवाजे नहीं खुलेंगे। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के सलाहकार राणा सनाउल्लाह पहले चेतावनी दे चुके हैं कि अशांति फैलाने या सार्वजनिक व्यवस्था को बाधित करने के लिए विदेश से आने वाले किसी भी व्यक्ति पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पीएमएल-एन के कानूनी सलाहकार बैरिस्टर अकील मलिक ने स्पष्ट किया है कि अगर कोई विदेशी नागरिक या दोहरी नागरिकता वाला व्यक्ति पाकिस्तान में राजनीतिक गतिविधियों में शामिल होने के लिए वीजा मांगता है तो उसका आवेदन अस्वीकार कर दिया जाएगा। उल्लेखनीय है कि मूल रूप से यहूदी जेमिमा ने इमरान से शादी के लिए इस्लाम अपनाया था। 16 मई, 1995 को जेमिमा और खान की शादी पेरिस में एक निकाह समारोह में हुई थी। वर्ष 2004 में तलाक के बाद से जेमिमा लंदन के उत्तर पश्चिम के ऑक्सफोर्डशायर में रह रही हैं।

लंदन में प्रतिबंधित संगठन 'पैलेस्टाइन एक्शन' के समर्थन में प्रदर्शन. 40 से अधिक लोग गिरफ्तार

एजेंसी

लंदन। ब्रिटेन सरकार द्वारा 'पैलेस्टाइन एक्शन' को आतंकी संगठन घोषित किए जाने के खिलाफ शनिवार को लंदन के केंद्रीय हिस्से में हुए प्रदर्शन में 42 लोगों को गिरफ्तार किया गया। यह प्रदर्शन उस निर्णय के विरोध में था, जिसमें समूह को टेररिज्म एक्ट 2000 के तहत प्रतिबंधित किया गया है।

मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने बताया कि इन गिरफ्तारियों में से अधिकांश प्रतिबंधित संगठन का समर्थन करने के आरोप में की गईं। इसमें नारे लगाना, कपड़े पहनना, झंडे या प्रतीक दिखाना जैसी गतिविधियां शामिल थीं। एक व्यक्ति को सामान्य हमले (कॉमन असॉल्ट) के आरोप में गिरफ्तार किया गया। यह लगातार दूसरा सप्ताह था जब प्रदर्शनकारियों ने 'पैलेस्टाइन एक्शन' के समर्थन में प्रदर्शन किया। पिछले सप्ताह भी इसी तरह के प्रदर्शन में 29 लोगों को गिरफ्तार किया गया था। प्रदर्शनकारी भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के नेता महात्मा गांधी और दक्षिण अफ्रीका के पहले अश्वेत राष्ट्रपति नेल्सन मंडेला की प्रतिमाओं के नीचे एकत्रित हुए। शांतिपूर्वक हुए इस प्रदर्शन में कुछ लोगों के हाथों में आई अपोज जेनोसाइड, आई सपोर्ट पैलेस्टाइन एक्शन जैसे संदेश लिखे पोस्टर थे। पुलिस और मीडियाकर्मियों की भारी मौजूदगी में प्रदर्शनकारियों को घेरे रखा गया। इस दौरान कुछ प्रदर्शनकारी जमीन पर लेट गए, जिन्हें पुलिस ने उठाकर वेटिंग पुलिस वैन में बैठाया। इस दौरान उनके बैग्स की तलाशी ली गई और पोस्टर-जैसे सामग्री जब्त की गई। इस प्रदर्शन के साथ ही मैनचेस्टर, कार्डिफ और उत्तरी आयरलैंड के लंडनडेरी में भी इसी प्रकार के विरोध प्रदर्शन आयोजित किए गए।

ब्रिटेन सरकार ने 20 जून को ऑक्सफोर्डशायर स्थित ब्राइज नॉर्टन आरएएफ बेस में हुए एक घुसपैठ और तोड़फोड़ की घटना के बाद पैलेस्टाइन एक्शन पर प्रतिबंध लगाया। कार्यकर्ताओं ने लाल पेंट और लोहे की छड़ों से दो विमानों को क्षति पहुंचाई थी, जिससे अनुमानित 07 मिलियन पाउंड (लगभग 79 करोड़ रुपये) का नुकसान हुआ। इस घटना में 22 से 35 वर्ष की उम्र के चार लोगों को गिरफ्तार कर आपराधिक साजिश और राष्ट्रहित के खिलाफ प्रतिबंधित क्षेत्र में प्रवेश के आरोपों में अभियुक्त बनाया गया है।

मेक्सिको ने नए अमेरिकी टैरिफ को अनुचित बताया, द्विपक्षीय वार्ता शुरू की

मेक्सिको सिटी। मेक्सिको ने अमेरिका द्वारा घोषित नए टैरिफ को अनुचित करार दिया और दोनों पक्षों ने एक स्थायी द्विपक्षीय कार्य समूह के माध्यम से औपचारिक वार्ता शुरू की है। यह जानकारी मेक्सिको सरकार ने हवाले से शिन्हुआ ने रविवार को दी। विदेश मंत्रालय और अर्थव्यवस्था मंत्रालय ने एक संयुक्त बयान में कहा कि मैक्सिकन प्रतिनिधिमंडल और अमेरिकी अधिकारियों के बीच वाशिंगटन में एक उच्च स्तरीय बैठक हुई, जिस दौरान मैक्सिकन पक्ष को सूचित किया गया कि नए टैरिफ एक अगस्त से प्रभावी होंगे। मंत्रालयों ने कहा, हमारा स्पष्ट रूप मानना है कि यह अनुचित है और हम इससे सहमत नहीं हैं। बयान में कहा गया कि सीमा के दोनों ओर व्यवसायों और नौकरियों की सुरक्षा के लिए, दोनों देशों ने अपने संबंधों में प्रमुख मुद्दों का समाधान करने और टैरिफ कार्यान्वयन से बचने के लिए विकल्प तलाशने हेतु एक स्थायी द्विपक्षीय कार्य समूह स्थापित करने पर सहमति व्यक्त की है। यह समूह सीमा सुरक्षा, प्रवासन और जल प्रबंधन जैसे मुद्दों पर भी विचार करेगा। मैक्सिकन राष्ट्रपति क्लाउडिया शिनबाम ने संवाददाता सम्मेलन के दौरान टैरिफ के प्रति मैक्सिको के विरोध को दोहराया। राष्ट्रपति शनबाम ने अमेरिका-मेक्सिको-कनाडा समझौते का हवाला देते हुए कहा, ''हमारा मानना है कि टैरिफ समाधान नहीं है। प्रतिस्पर्धा करने का सबसे अच्छा तरीका, यहां तक कि अमेरिका के लिए भी, हमारे व्यापार समझौते को मजबूत करना है।''

नेपाल-भारत के बीच 6 साल बाद पुनः सीमा समस्या पर बातचीत के लिए बाउंड्री वर्किंग ग्रुप की बैठक अगस्त में प्रस्तावित

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल और भारत के बीच रहे सीमा समस्या पर बातचीत के लिए बनाई गई बाउंड्री वर्किंग ग्रुप की बैठक 6 साल बाद फिर से करने पर सहमति बनी है। दोनों देशों के बीच अगस्त में इस बैठक को करने का प्रस्ताव रखा गया है। सीमा वार्ता को फिर से शुरू करने की दिशा में एक बड़े कदम के रूप में भारत ने सीमा कार्य समूह (बीडब्ल्यूजी) की अगली बैठक की तारीखों का प्रस्ताव रखा है- जो नेपाल-भारत सीमा पर फील्डवर्क के साथ काम करने वाला उच्चतम स्तर का द्विपक्षीय तंत्र है।इसमें सीमा स्तंभों का निर्माण, बहाली और मरम्मत, नो-मैंस लैंड को खाली करना और अन्य तकनीकी कार्य शामिल है। हालांकि इस बैठक में सुस्ता और कालापानी के विवादित क्षेत्रों को छोड़कर अन्य सीमा क्षेत्र की ही बात होती है। देहरादून में 28 अगस्त से 2019 को हुई पिछली बीडब्ल्यूजी बैठक में दोनों पक्ष 2022 के अंत तक सीमावर्ती क्षेत्रों में शेष कार्य को पूरा करने पर सहमत हुए थे। हालांकि, बीच में आई कोविड महामारी के कारण आगे कोई बैठक नहीं हो सकी। महामारी और उसके बाद दोनों देशों के बीच सीमा विवाद के कारण इस बैठक में देरी होने की बात नेपाल के विदेश सचिव अमृत राई ने कही है।

बीडब्ल्यूजी की स्थापना 2014 में भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नेपाल यात्रा के दौरान की गई थी और इसका गठन दोनों सरकारों द्वारा संयुक्त रूप से सीमा पर तकनीकी कार्यों को संभालने के लिए किया गया था। महामारी के बाद, नेपाल ने बार-बार बीडब्ल्यूजी बैठकों को फिर से शुरू करने का आग्रह किया, लेकिन नेपाल में बदलते राजनीतिक हालात में भारत के तरफ से इसमें सहमत नहीं था। अधिकारियों के अनुसार, दोनों पक्षों के सीमा पार फील्डवर्क फिर से शुरू करने और 2019 से पहले अधूरे कार्यों को पूरा करने की उम्मीद है। पिछले छह वर्षों में, नेपाल के सशस्त्र पुलिस बल और भारत के सशस्त्र सीमा बल ने सीमा स्तंभों का अस्थायी रखरखाव किया है। हालाँकि, इस तरह का काम बीडब्ल्यूजी के औपचारिक जनादेश के अंतर्गत आता है। विदेश सचिव राई ने बताया कि दोनों पक्षों ने सीमा स्तंभों के निर्माण और मरम्मत, अतिक्रमणों की सूची तैयार करने और जीपीएस-आधारित टिप्पणियों का संचालन करने जैसे कार्यों को करने के लिए संयुक्त टीमों का गठन किया था। उन्होंने बताया कि इनमें से कुछ जिम्मेदारियों को नेपाल के सशस्त्र पुलिस बल और भारत के सशस्त्र सीमा बल द्वारा संभाला जा रहा है,

रेमंड मानव संसाधन व्यवहार में एआई, स्वचालन का कर रहा इस्तेमाल

एजेंसी

नई दिल्ली। रेमंड समूह ने आधुनिक युग के लिए कौशल को पुनर्परिभाषित करने के लिए व्यापक कवायद शुरू की है और अपनी उत्पादकता एवं दक्षता में सुधार के लिए स्वचालन का उपयोग कर रहा है। कंपनी के एक शीर्ष अधिकारी ने यह जानकारी दी। इस वर्ष अपनी स्थापना के 100 वर्ष पूरे करने वाला समूह भविष्य के लिए तैयार एक समर्पित एवं कुशल प्रतिभावान कार्यबल तैयार करने के प्रयास में मानव संसाधन गतिविधियों में कृत्रिम मेधा (एआई) और स्वचालन का लाभ उठा रहा है। रेमंड के मानव संसाधन अध्यक्ष के. ए. नारायण ने से कहा, '' हम एक अत्यंत शक्तिशाली मानव संसाधन प्रबंधन प्रणाली लागू करने की प्रक्रिया में हैं जिसमें एआई को अपनाने की क्षमता है। हालांकि, हम संगठन के मानव-केंद्रित सिद्धांतों को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं।'' उन्होंने कहा, ''व्यापक प्रशिक्षण के माध्यम से हम एआई के युग में सहानुभूति और भावनात्मक बुद्धिमत्ता के साथ काम करने के लिए लोगों के प्रबंधकों को संवेदनशील बनाएंगे।'' रेमंड एक विविधतापूर्ण समूह है, जिसका अधिकतर व्यवसाय कपड़ा एवं परिधान क्षेत्र में है। राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय बाजारों में उपभोक्ता देखभाल, रियल एस्टेट और इंजीनियरिंग जैसे विभिन्न क्षेत्रों में इसकी उपस्थिति है।

जीएसटी खुफिया शाखा ने फर्जी चालान जारी करने वाली छह फर्जी कंपनियों का पता लगाया

नई दिल्ली। माल एवं सेवा कर (जीएसटी) से जुड़ी खुफिया शाखा डीजीजीआई ने राष्ट्रीय राजधानी में कम-से-कम छह परिसरों की तलाशी लेने के साथ 266 करोड़ रुपये के फर्जी चालान और फर्जी कंपनियों से 48 करोड़ रुपये के फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) भुनाने का खुलासा किया है। वित्त मंत्रालय ने एक बयान में यह जानकारी दी। मंत्रालय ने कहा कि जीएसटी खुफिया महानिदेशालय (डीजीजीआई) की बेंगलुरु क्षेत्रीय इकाई के अधिकारियों ने इस मामले की जांच शुरू की थी। जांच से पता चला कि किसी व्यावसायिक गतिविधि के बगैर चार कंपनियों ने करोड़ों रुपये मूल्य की वस्तुओं और सेवाओं की प्राप्ति दिखाई है। बयान के मुताबिक, डीजीजीआई की बेंगलुरु क्षेत्रीय इकाई के अधिकारियों ने दिल्ली में छह से ज्यादा परिसरों में तलाशी ली और 266 करोड़ रुपये से ज्यादा के फर्जी चालान बरामद किए। इनमें फर्जी कंपनियों से 48 करोड़ रुपये का फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) हासिल करना और उसे आगे बढ़ाना शामिल था।

निप्पॉनप्लाई विस्तार, ई-कॉमर्स, निर्यात प्रोत्साहन पर 250 करोड़ रुपये का करेगी निवेश

नई दिल्ली। गुजरात की निप्पोनप्लाई इंडस्ट्रीज ने कहा कि वह निर्यात के लिए उत्पादन बढ़ाने, ई-कॉमर्स बुनियादी ढांचे के विकास और भंडारण एवं डिजाइन केंद्र स्थापित करने के लिए अगले तीन वर्ष में 250 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। वर्तमान में कंपनी पैनल और फर्नीचर विनिर्माण विस्तार में 65 करोड़ रुपये का निवेश कर रही है। निप्पोनप्लाई इंडस्ट्रीज के प्रबंध निदेशक केतन ठक्कर ने कहा, '' हमारे भविष्य की रूपरेखा में निर्यात-अनुरूप उत्पादन, ई-कॉमर्स बुनियादी ढांचे, गोदाम तथा डिजाइन केंद्रों और वैश्विक साझेदारी को मजबूत करने के लिए अगले तीन वर्ष में 250 करोड़ रुपये का निवेश शामिल है।'' उन्होंने कहा कि फर्नीचर क्षेत्र में भारत और यूरोप सहित अन्य देशों में काफी संभावनाएं हैं। कंपनी के पास परिचालन, डिजाइन, सतह परिष्करण, लॉजिस्टिक और विपणन में 100 से अधिक पेशेवरों का दल है।

टेस्ला की भारतीय बाजार में दस्तक, अगले सप्ताह मुंबई में खोलेगी स्टोर

नई दिल्ली। दुनिया की दिग्गज इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) विनिर्माता टेस्ला अगले हफ्ते मुंबई के बांद्रा कुर्ला परिसर में अपना पहला 'एक्सपीरियंस सेंटर' खोलेगी। कंपनी इसके उद्घाटन के साथ भारतीय बाजार में औपचारिक रूप से प्रवेश करने के लिए पूरी तरह तैयार है। जाने-माने उद्योगपति एलन मस्क के नेतृत्व वाली इस कंपनी ने 15 जुलाई को होने वाले उद्घाटन समारोह को 'भारत में टेस्ला की शुरुआत' के रूप में पेश करते हुए चुनिंदा आमंत्रण भेजे हैं। इस बारे में फिलहाल टेस्ला से टिप्पणी नहीं मिल पायी है। उद्योग विशेषज्ञों के अनुसार, ऑस्टिन स्थित कंपनी ने अपने चीन स्थित संयंत्र से कारों की पहली खेप 'मॉडल वाई' रियर-व्हील ड्राइव एसयूवी पहले ही बाजार में उतार दी है। टेस्ला इंडिया ने पिछले महीने मुंबई के लोढ़ा लॉजिस्टिक पार्क में 24,565 वर्ग फुट के गोदाम क्षेत्र को पांच साल की अवधि के लिए पट्टे पर लिया था। केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री एच डी कुमारस्वामी ने जून में कहा था कि इलेक्ट्रिक कार विनिर्माता कंपनी भारत में कारों के विनिर्माण में रुचि नहीं रखती, बल्कि देश में शोरूम स्थापित करने की इच्छुक है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अगर टेस्ला भारत के शुल्क से बचने के लिए भारत में कारखाना लगाती है, तो यह अमेरिका के लिए 'अनुचित' होगा। टेस्ला के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एलन मस्क ने पिछले साल अप्रैल में कहा था कि कंपनी के भारी दायित्वों के कारण उनकी भारत यात्रा में देरी हुई है।

सीतारमण की मेघालय में स्वयं सहायता समूह की महिलाओं, किसानों से मुलाकात

एजेंसी

लैट्किन्सेव। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मेघालय के पूर्वी खासी हिल्स जिले के लैट्किन्सेव गांव का दौरा किया और महिला स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी), लखपति दीदियों तथा किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) से बातचीत की। मेघालय की राजधानी शिलांग से लगभग 51 किलोमीटर दूर लैट्किन्सेव गांव अपने जीवित जड़ पुलों के लिए जाना जाता है। लगभग 53 फीट लंबा और सौ साल से भी ज़्यादा पुराना यह उम्नोई जड़ पुल, जिसे स्थानीय रूप से 'जिंगकिएंग देइंगजरी' के नाम से जाना जाता है, दुनिया भर से हज़ारों पर्यटकों के हर साल इस गांव में आने का मुख्य कारण है। लैट्किन्सेव गांव में कदम रखने वाली पहली केंद्रीय मंत्री श्रीमती सीतारमण ने राज्य भर में केंद्रीय और राज्य योजनाओं को लागू करने में मेघालय सरकार के समर्पित प्रयासों की गहरी सराहना की। उन्होंने

'सबका साथ, सबका विकास' के विजन को साकार करने के लिए समावेशी विकास और जमीनी स्तर पर सशक्तिकरण के महत्व पर ज़ोर दिया। वित्त मंत्री के दौरे के दौरान मेघालय की कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री डॉ. माज़ेल अम्पारीन लिंगदोह भी मौजूद थीं। राज्य सरकार के गर्मजोशी भरे आतिथ्य के लिए धन्यवाद देते हुए वित्त मंत्री ने कहा ÷ वह केंद्र और राज्य दोनों सरकारों की योजनाओं को इस खूबसूरत राज्य के कोने-कोने तक पहुंचाने के लिए किए जा रहे उल्लेखनीय प्रयासों की गहरी यादें लेकर जा रही हैं। री-भोई जिले की अपनी यात्रा और शिलांग में अपने कार्यक्रमों पर विचार करते हुए श्रीमती सीतारमण ने इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे मेघालय की विकास यात्रा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 2047 तक विकसित भारत के दृष्टिकोण की भावना को दर्शाती है। वित्त मंत्री ने कहा अगर हम सचमुच सबका विकास में विश्वास करते हैं, तो विकास सभी तक पहुंचना चाहिए - पुरुष और महिला, गांव और शहर, युवा और बुजुर्ग, अमीर और गरीब, सभी तक। समावेशी विकास प्रत्येक नागरिक को अपनी आकांक्षाओं को पूरा करने और सम्मानजनक आजीविका सुनिश्चित करने के लिए सशक्त बनाना चाहिए। स्वास्थ्य क्षेत्र में हुई उल्लेखनीय प्रगति की सराहना करते हुए विशेष रूप से मेघालय में मातृ मृत्यु दर में गिरावट को जमीनी स्तर पर बदलाव का एक मजबूत संकेतक बताते हुए श्रीमती सीतारमण ने इस बदलाव को लाने में स्वयं सहायता समूहों की भूमिका पर ज़ोर दिया।

मिज़ोरम में असम राइफल्स का अभियान, 112.40 करोड़ रुपये की मेथामफेटामिन बरामद

एजेंसी

आइजोल। मिज़ोरम के भारत-म्यांमार सीमा से लगे चंफाई जिले में असम राइफल्स द्वारा चलाए गए एक विशेष अभियान में 112.40 करोड़ रुपये मूल्य की मेथामफेटामिन टैबलेट्स की बड़ी खेप जब्त की गई है। असम राइफल्स के जनसंपर्क अधिकारी द्वारा जारी एक बयान में बताया गया कि यह

कार्रवाई ज़ोखावथार गांव के पास की गई। शाम के समय गश्ती पर निकली टीम ने देखा कि दो व्यक्ति अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास भारी रकसैक (बैग) लेकर जा रहे हैं। उन्हें रोका गया और जब बैग की तलाशी गयी, तो उसमें से 3.33 लाख मेथामफेटामिन टैबलेट्स बरामद की गई। बयान में आगे बताया गया कि तस्कर तियाउ नदी के रास्ते म्यांमार की ओर भाग निकले। बरामद मादक पदार्थों को आगे की जांच और कानूनी कार्रवाई के लिए ज़ोखावथार पुलिस के हवाले कर दिया गया है।

दिल्ली बाजार में दाल, तेल में नरमी, चावल मजबूत

एजेंसी

नई दिल्ली। स्थानीय जिंस बाजार में साप्ताहिक कारोबार के अंतिम दिन दालों और तेलों में कुल मिला कर गिरावट का रुख देखा गया। मलेशिया में पाम ऑयल वायदा में पिछले कुछ दिनों की लगातार तेजी के बाद अब प्रतिरोध की रिपोर्ट आ रही रही हैं। जबकि अमेरिका में तेल सोया में तेजी बनी हुई थी। बावजूद इसके स्थानीय खाद्य तेल बाजार में तेल मूंगफली , वनस्पति और सरसों तेल में तेज गिरावट दिखी। मूंगफली तेल में मांग के समर्थन के अभाव और अच्छे स्टॉक की स्थिति के बीच प्रति क्विंटल 238 रुपये तक की गिरावट दर्ज की गयी जबकि तेल सरसों 48 और वनस्पति 81 रुपये नीचे आ गया । तेल सोया, सूरजमुखी और पाम आयल में भी हल्की से औसत दर्जे की गिरावट रही। स्टॉक और मांग के अंतर के बीच चावल में तेजी दिखी। इसके

विपरीत गेहूं में पांच रुपये क्विंटल तक की नरमी दिखी। आज दालों में भी उठाव कम होने से गिरावट का रुख देखा गया। दलहन बाजार में चना 44 रुपये टूट गया जबकि तुअर दाल का भाव 69 रुपये तक गिर कर बोला गया। उड़द और मसूर दाल में क्रमशः 71 और 34 रुपये की गिरावट दर्ज की गयी।दाल मूंग के भाव हल्की तीन रुपये की तेजी के साथ करीब करीब पिछले स्तर पर रहे।

गुड़-चीनीः बाजार में गुड़ के औसत भाव में औसतन 10 रुपये की तेजी दर्ज की गयी।

टीसीएस को पहली तिमाही में 6 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 12,760 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ

एजेंसी

नई दिल्ली । सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की दिग्गज भारतीय कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में समेकित 12,760 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया जो सालाना आधार पर 6 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।

पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में कंपनी का समेकित शुद्ध लाभ 12,040 करोड़ रुपये था। कंपनी का यह प्रदर्शन बाजार के अनुमानों से बेहतर बताया जा रहा है। तिमाही दर तिमाही आधार पर कंपनी के शुद्ध लाभ में ये वृद्धि 4.4 प्रतिशत है। कंपनी द्वारा स्थानीय शेयर बाजारों के बंद होने के बाद पहली तिमाही के वित्तीय नतीजे जारी किए गए। बीती अप्रैल-जून की तिमाही में कंपनी का परिचालन से प्राप्त राजस्व 1.3 प्रतिशत बढ़कर 63,437 करोड़ रुपये रहा पिछले वर्ष की समान तिमाही में यह 62,613 करोड़ रुपये था। पहली तिमाही में कंपनी का कुल खर्च 4,65,620 करोड़ रुपये रहा। टीसीएस ने जून तिमाही के दौरान 9.4 अरब डॉलर के अनुबंध हासिल किए, जो पिछले वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में दर्ज किए गए 12.2 अरब डॉलर के अनुबंध की तुलना में कम हैं। कंपनी के कर्मचारियों की संख्या में क्रमिक और साल-दर-साल, दोनों आधार पर वृद्धि देखी गई है। आलोच्य तिमाही में प्रति शेयर लाभ 35.3 रुपये रहा जो एक साल पहले इसी अवधि में 33.3 रुपये था।

'सेमीकॉन इंडिया 2025' सम्मेलन एवं प्रदर्शनी 2-4 सितंबर तक राजधानी के यशोभूमि में

एजेंसी

नई दिल्ली । डिजिटल प्रौद्योगिकी क्षेत्र की भारत की प्रतिष्ठित प्रदर्शनी 'सेमीकॉन इंडिया 2025 और इससे जुड़े सम्मेलन के चौथे संस्करण का आयोजन राजधानी के यशोभूमि में इंडिया इंटरनेशनल कन्वेंशन एंड एक्सपो सेंटर में इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन (आईएसएम) और सेमी द्वारा संयुक्त रूप से दो से चार सितंबर आयोजित किया जा रहा है इस प्रदर्शनी और सम्मेलन का मुख्य विषय है- 'अगले सेमीकंडक्टर पॉवर हाउस का निर्माण।' सेमीकॉन इंडिया 2025 में 18 देशों और इन क्षेत्रों की 300 से ज़्यादा कंपनियां भाग लेंगी, जो सामग्री और उपकरणों से लेकर सिलिकॉन, डिज़ाइन और सिस्टम तक, संपूर्ण इलेक्ट्रॉनिक्स मूल्य श्रृंखला का प्रदर्शन करेंगी। भागीदारी का दायरा और विविधता वैश्विक सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम में भारत के बढ़ते एकीकरण का संकेत

देती है। इलेक्ट्रानिक्स एवं आईटी मंत्रालय की जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार, यह आयोजन माइक्रो इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर मूल्य श्रृंखला में भारत की बढ़ती क्षमताओं और महत्वाकांक्षाओं को प्रदर्शित करेगा। मंत्रालय ने कहा है कि वैश्विक स्तर पर डिजिटल क्षेत्र के घटनाक्रमों की चुनौतियों का सामना करने के लिए सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत बनाने और अगली पीढ़ी की तकनीकों को अपनाने के प्रयासों के साथ कदम बढ़ाते हुए भारत वैश्विक चिप इकोसिस्टम में एक प्रमुख के रूप में तेज़ी से उभर रहा हैइलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के आईएसएम के तत्वावधान में आयोजित, सेमीकॉन इंडिया , नीति, उद्योग, शिक्षा और निवेश समुदायों में वैश्विक और घरेलू हितधारकों को एकजुट करने के लिए एक उच्च प्रभाव वाले मंच के रूप में कार्य करेगा। प्रदर्शनी में जापान, दक्षिण कोरिया, सिंगापुर और मलेशिया से चार अंतर्राष्ट्रीय मंडप शामिल होंगे, जबकि पिछले संस्करणों में कोई भी मंडप नहीं था। इसके अलावा, पहली बार आठ देशों के गोलमेज सम्मेलन भी आयोजित किये जा रहे हैं, जो भारत और प्रमुख साझेदार देशों की कंपनियों को द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ावा देने के लिए एक साथ लायेंगे।

ईडी ने गुरुग्राम स्थित रामप्रस्थ समूह की 681.54 करोड़ की संपत्ति जब्त की

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने हरियाणा के गुरुग्राम स्थित रियल एस्टेट कंपनी रामप्रस्थ प्रमोटर्स एंड डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड (आरपीडीपीएल) और इसकी समूह की कंपनियों की लगभग 681.54 करोड़ रुपये की प्रॉपर्टी को अस्थायी रूप से जब्त किया है। केंद्रीय जांच एजेंसी की गुरुग्राम जोनल कार्यालय ने धनशोधन निवारण अधिनियम, 2002 (पीएमएलए) के तहत यह कार्रवाई की है। केंद्रीय जांच एजेंसी ईडी ने जारी बयान में बताया कि गुरुग्राम क्षेत्रीय कार्यालय की टीम ने विभिन्न परियोजनाओं में कई घर खरीदारों के साथ धोखाधड़ी के एक मामले में धनशोधन निवारण अधिनियम, 2002 (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत मेसर्स रामप्रस्थ प्रमोटर्स एंड डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड (आरपीडीपीएल) और उसकी समूह कंपनियों की 681.54 करोड़ रुपये की अचल संपत्तियां अस्थायी रूप से जब्त की है। ईडी के मुताबिक कुर्क की गई संपत्तियों में रामप्रस्थ सिटी की 226 एकड़ की दो प्लॉटेड कॉलोनियां और गुरुग्राम, हरियाणा में और उसके आसपास स्थित लगभग 1700 एकड़ के भूखंड शामिल हैं। केंद्रीय जांच एजेंसी के मुताबिक अटैच की गई संपत्तियों में गुरुग्राम के सेक्टर 37डी, 92 और 95 में फैली करीब दो कॉलोनियां और गांव बसई, गदौली कलां, हयातपुर और वाजीरपुर में मौजूद जमीन शामिल है। कंपनी पर आरोप है कि उसने गुरुग्राम में चल रहे कई प्रोजेक्ट्स में हजारों घर खरीदारों से ठगी की है। उल्लेखनीय है कि ईडी ने यह जांच दिल्ली और हरियाणा पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा द्वारा दर्ज कई एफआईआर के आधार पर शुरू की। एजेंसी के मुताबिक शिकायतें थीं कि मेसर्स रामप्रस्थ प्रमोटर्स एंड डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड और इसके प्रमोटर अरविंद वालिया, बलवंत चौधरी सिंह और संदीप यादव ने लोगों से पैसे तो ले लिए लेकिन सालों बाद भी न तो फ्लैट दिए और न ही प्लॉट्स।

डालर के मुकाबले रुपये में 27 पैसे की तेज गिरावट

एजेंसी

मुंबई। वैश्विक व्यापार परिदृश्य को लेकर व्याप्त अनिश्चितताओं और स्थानीय शेयर बाजारों में लगातार गिरावट के बीच अंतर बैंक विदेशी मुद्रा बाजार में अमेरिकी डॉलर के समक्ष रुपया करीब 27 पैसे नीचे आ गया। अमेरिका में कनाडा के सामानों पर 35 प्रतिशत की दर से आयात शुल्क लगाने और ब्रिक्स के सदस्य देशों पर 10 प्रतिशत का दंडात्मक प्रशुल्क लगाने की अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की घोषणाओं से व्यापार को लेकर अनिश्चितातायें बढ़ गयी हैं। इस बीच स्थानीय शेयर बाजारों में गिरावट का सिलसिला आज तीसरे दिन भी बना रहा। इस बीच, प्रमुख विदेशी मुद्राओं के समक्ष अमेरिकी डॉलर में लगातार तेजी बनी हुई है। डॉलर भारतीय रुपये के खिलाफ मजबूत होकर 85.8536 रुपये प्रति डॉलर के स्तर पर पहुंच गया। कल बंद के समय डॉलर का भाव 85.5780

था। भारतीय मुद्रा के साथ अन्य प्रमुख मुद्राओं की विनिमय दर इस प्रकार रहीः पौंड (ब्रिटेन) 116.2853 रुपये, यूरो 100.2850 रुपये और जापानी येन (प्रति सैकड़ा) 58.45 रुपये। एलकेपी सिक्योरिटीज के कमोडिटी और करेंसी के वाइस प्रेसिडेंट रिसर्च एनालिस्ट जतीन त्रिवेदी ने कहा कि पूँजी बाजार में कमजोरी के साथ-साथ सोने और चाँदी की ऊँची कीमतों और कमजोर वैश्विक संकेतों ने रुपये के प्रति बाजार की धारणा को प्रभावित किया। उन्होंने कहा कि अमेरिका द्वारा ब्राज़ील और कनाडा के माल पर अमेरिका में ऊंची दर से प्रशुल्क लगाने से अनिश्चितता बढ़ गयी है और जब तक कोई रचनात्मक व्यापार वार्ता नहीं होती, बाजार में सतर्कता रहेगी। उन्होंने कहा कि डॉलर सूचकांक के 96.50 से बढ़कर 97.75 होने से भी भारत जैसे उभरते बाजारों की मुद्राओं पर दबाव बढ़ा है। उनकी राय में रुपया आने वाले दिनों में 85.25 से 86.20 रुपये प्रति डॉलर के दायरे में रह सकता है। इस बीच, स्थानीय सराफा बाजार में सोने की कीमतें में तेजी बनी रही और पीली धातु 700 की बढ़त के साथ 97,375 प्रति 10 ग्राम पर मजबूत रही। अमेरिका के साथ भारत की व्यापार वार्ताओं को लेकर अनिश्चितता बने रहने से सोने का समर्थन मिल रहा है। विश्लेषकों के अनुसार स्थानीय बाजार में सोने को इस समय 95,000-95,500 के दायरे में बाजार का अच्छा समर्थन है लेकिन 99,500 के आसपास प्रतिरोध देखा जा रहा है।

एंथम बायोसाइंसेज का आईपीओ सोमवार को खुलेगा

एजेंसी

अहमदाबाद। एंथम बायोसाइंसेज लिमिटेड का प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 14 जुलाई सोमवार को खुलेगा। कंपनी की ओर से गुरुवार को यहां जारी बयान के अनुसार एंथम बायोसाइंसेज लिमिटेड दो रुपये के अंकित मूल्य वाले इक्विटी शेयरों का आईपीओ सोमवार, 14 जुलाई को खुलेगा। एंकर निवेशक बोली की तारीख बोली/प्रस्ताव खुलने की तारीख से एक कार्य दिवस पहले है। बोली/प्रस्ताव बंद होने की तारीख 16 जुलाई है। प्रस्ताव का मूल्य बैंड 540 रुपये प्रति इक्विटी शेयर से 570 रुपये प्रति इक्विटी शेयर तय किया गया है। न्यूनतम 26 इक्विटी शेयरों और उसके बाद 26 इक्विटी शेयरों के गुणकों के लिए बोलियां लगाई जा सकती हैं। प्रारंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव में विक्रय शेयरधारकों द्वारा 3395 करोड़ रुपये तक के इक्विटी शेयरों की बिक्री का प्रस्ताव शामिल है, जिसमें गणेश संबसीवम द्वारा 350 करोड़ रुपये तक के इक्विटी शेयर के. रविंद्र चंद्रप्पा द्वारा 350 करोड़ रुपये तक के इक्विटी शेयर विरिडिटी टोन एलएलपी द्वारा 1325 करोड़ रुपये तक के इक्विटी शेयर, पोर्ट्समाउथ टेक्नोलॉजीज एलएलसी, मलय जे. बरुआ, रूपेश एन. किनेकर और सतीश शर्मा प्रत्येक द्वारा 320 करोड़ रूपये तक के इक्विटी शेयर; प्रकाश करियाबेतन द्वारा 80 करोड़ रूपये तक के इक्विटी शेयर और के. रामकृष्णन द्वारा 10 करोड़ रुपये तक के इक्विटी शेयर शामिल हैं। प्रस्ताव में पात्र कर्मचारियों द्वारा सदस्यता के लिए दो रुपये के अंकित मूल्य वाले इक्विटी शेयरों का 8.25 करोड़ रूपये तक का आरक्षण शामिल है। कर्मचारी आरक्षण भाग को छोड़कर, इस प्रस्ताव को 'नेट ऑफर' कहा जाएगा। कर्मचारी आरक्षण भाग में बोली लगाने वाले पात्र कर्मचारियों को प्रति इक्विटी शेयर 50 रुपये की छूट की पेशकश की जा रही है।

उत्तराखंड के चंपावत में नेपाल सीमा पर 10.23 करोड़ की एमडीएमए ड्रग्स जब्त

चंपावत। उत्तराखंड की चंपावत पुलिस ने नेपाल सीमा के शारदा नहर क्षेत्र में 5.688 किलोग्राम एमडीएमए ड्रग्स, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 10.23 करोड़ रुपये है, बरामद की। एक महिला तस्कर को गिरफ्तार किया गया, जबकि उसका पति और साथी फरार हो गए। पुलिस अधिक्षक (एसपी) अजय गणपति ने पत्रकारों से बातचीत में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह गैंग पिथौरागढ़ जिले के थल क्षेत्र में एक लैब चला रहा था, जहां यह ड्रग्स तैयार की जाती थी। पिथौरागढ़ पुलिस ने पहले ही उस लैब को सील कर वहां से उपकरण जब्त कर लिए हैं। जांच में नेपाल और नाइजीरिया जैसे अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क से इनके संबंधों की भी जांच की जा रही है। यह ड्रग्स महाराष्ट्र, दिल्ली व अन्य बड़े महानगरों के क्लबों और हाई प्रोफाइल पार्टियों में सप्लाई की जानी थी। इसके प्रयोग में युवाओं की संख्या लगातार बढ़ रही है, खासतौर पर मेट्रो शहरों में इसकी भारी डिमांड है। गिरफ्तार महिला की पहचान इशा, पत्नी राहुल कुमार, निवासी पंपापुर, बनबसा के रूप में हुई है। चेकिंग के दौरान महिला को नहर की ओर जाते देखा गया, जिसके पास से एक बैग में भारी मात्रा में एमडीएम मिला। महिला के फरार पति राहुल कुमार और उसके साथी कुणाल कोहली की तलाश जारी है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2024 में चंपावत पुलिस की ओर से चार करोड़ रुपये से अधिक के नशीले पदार्थ बरामद किए गए थे।

प्रिया नायर बनीं HUL की पहली महिला सीईओ, संभालेंगी 60 हजार करोड़ से अधिक का कारोबार

एजेंसी

मुंबई। हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड ने एक ऐतिहासिक फैसले में प्रिया नायर को अपना नया प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी नियुक्त किया है। यह पदभार वह 1 अगस्त, 2025 से संभालेंगी। इस नियुक्ति के साथ, प्रिया नायर HUL के 92 साल के इतिहास में पहली महिला सीईओ बन गई हैं, जो लगभग 60 हजार करोड़ से अधिक के सालाना कारोबार वाली कंपनी का नेतृत्व करेंगी। इस खबर के बाद HUL के शेयरों में 5 प्रतिशत तक का उछाल देखा गया, जिससे शेयर की कीमत 2529.85 पर पहुँच गई।

प्रिया नायर ने 1995 में हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड में एक मैनेजमेंट ट्रेनी के रूप में अपना सफर शुरू किया था। सिम्बायोसिस इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट, पुणे से एमबीए करने वाली नायर ने होम केयर, ब्यूटी एंड वेल-बीइंग और पर्सनल केयर व्यवसायों में कई सेल्स और मार्केटिंग भूमिकाएं निभाई। 2014 से 2020 तक उन्होंने HUL के होम केयर बिजनेस की कार्यकारी निदेशक के रूप में कार्य किया। 2020 से 2022 तक, उन्होंने ब्यूटी एंड पर्सनल केयर के कार्यकारी निदेशक का पद संभाला। इसके बाद, उन्होंने यूनिलीवर में ब्यूटी एंड वेल-बीइंग की ग्लोबल चीफ मार्केटिंग ऑफिसर और 2023 से इस डिवीजन की प्रेसिडेंट के रूप में कार्य किया, जो यूनिलीवर के सबसे तेजी से बढ़ते व्यवसायों में से एक है।HULके चेयरमैन नितिन परांजपे ने कहा कि प्रिया का HUL और यूनिलीवर में शानदार करियर रहा है और उन्हें विश्वास है कि भारतीय बाजार की उनकी गहरी समझ और उत्कृष्ट ट्रैक रिकॉर्ड के साथ, प्रिया HUL को प्रदर्शन के अगले स्तर पर ले जाएंगी।

संजिव मेहता और अन्य दिग्गजों ने की सराहनः चुनौतीपूर्ण समय में HUL का नेतृत्व करेंगी नायर

प्रिया नायर की वापसी और उनकी यह नई भूमिका ऐसे समय में आई है जब HULधीमी विकास दर, शहरी मांग में नरमी और नए डिजिटल-फर्स्ट ब्रांडों से बढ़ती प्रतिस्पर्धा का सामना कर रही है।

नितिन परांजपे ने पूर्व सीईओ रोहित जावा को उनके नेतृत्व के लिए धन्यवाद दिया, जिन्होंने चुनौतीपूर्ण बाजार स्थितियों में कंपनी का नेतृत्व किया और इसकी नींव को मजबूत किया। नायर को डोव, रिन और कम्फर्ट जैसे लोकप्रिय ब्रांडों का नेतृत्व करने और भारत में होम केयर व्यवसाय को सफलतापूर्वक बदलने का श्रेय दिया जाता है। उनकी नियुक्ति से विश्लेषकों को ब्यूटी और होम केयर सेगमेंट में नए सिरे से विकास की उम्मीद है। HUL के पास लक्स, लाइफबॉय, सर्फ एक्सेल, पॉन्ड्स, वैसलीन, और हॉर्लिक्स जैसे 50 से अधिक ब्रांड हैं, जो 20 से अधिक उपभोक्ता श्रेणियों में मौजूद हैं। प्रिया नायर का ट्रेनी से सीईओ तक का यह सफर न केवल उनकी व्यक्तिगत सफलता को दर्शाता है, बल्कि कॉर्पोरेट इंडिया में महिलाओं के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर भी है।

इधर दीपिका पादुकोण

की डिमांड पर शुरू हुआ विवाद, उधर एक्ट्रेस ने शेयर किया 'सेल्फ केयर' से जुड़ा पोस्ट

दीपिका पादुकोण बड़े पर्दे पर अपनी वापसी की तैयारियों में जुट गई हैं. एक्ट्रेस की कुछ मांगों को लेकर इंडस्ट्री में हलचल मच गई है. वहीं दीपिका ने इसी बीच सेल्फ केयर को लेकर एक पोस्ट शेयर किया है, जिसने सभी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है.

बॉलीवुड स्टार और नई मां बनीं दीपिका पादुकोण बीते काफी दिनों से सोशल मीडिया पर छाई हुई हैं. दरअसल संदीप रेड्डी वांगी की फिल्म स्पिरिट के लिए जो दीपिका ने मांग की है, उसे लेकर हर तरफ चर्चा हो रही है. फिल्म के लिए एक्ट्रेस ने 8 घंटे की शिफ्ट, प्रोफिट में हिस्सा और भाषा को लेकर कुछ शर्तें रखी थीं, जिन्हें डायरेक्टर ने मानने से इनकार कर दिया और उन्हें पिक्चर से बाहर कर दिया. हालांकि इस फिल्म से एग्जिट के बाद दीपिका को अल्लू अर्जुन की अपकमिंग फिल्म मिल गई है. काम करने के घंटे को लेकर छिड़े विवाद के बीच दीपिका के पोस्ट ने सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा गैय.

दीपिका ने कहा कि उनके लिए सेल्फ-केयर का मतलब रोज़मर्रा की छोटी-छोटी रस्में निभाना है जो उन्हें खुशी देती हैं. दीपिका ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज़ पर एक मिरर सेल्फी शेयर की. तस्वीर में, एक्ट्रेस ने चेहरे पर मास्क लगाया हुआ है और तस्वीर के लिए पोज़ देते हुए हल्की सी मुस्कान बिखेरती नज़र आ रही हैं. कैप्शन में उन्होंने लिखा, मेरे लिए सेल्फ-केयर का मतलब है रोज़मर्रा की छोटे-छोटे रुटीन को फॉलो करना, जो खुशी लाते हैं. सेल्फ-केयर मंथ मनाते हुए, क्या आप भी अपने लिए कुछ पल निकालने के बारे में सोच रही हैं ?

अल्लू अर्जुन की फिल्म में दीपिका

वहीं काम की बात करें तो दीपिका अब अल्लू अर्जुन और एटली की मैग्नम ओपस में शामिल हो गई हैं, जिसका टाइटल फिलहाल "AAwwXA" है. पिछले महीने, अपने एक्स टाइमलाइन, सन पिक्चर्स को लेते हुए, प्रोडक्शन हाउस ने खुलासा किया था, रानी जीतने के लिए मार्च करती है ! दीपिका पादुकोण का स्वागत है.

मेकर्स ने शेयर किया दीपिका का वीडियो

प्रोडक्शन हाउस ने एक वीडियो शेयर किया है जिसमें एटली दीपिका से मिलते और उन्हें स्क्रिप्ट सुनाते नज़र आ रहे हैं. इस क्लिप में फिल्म में दीपिका के मोशन कैप्चर वाले हिस्सों की भी झलक मिलती है. सीन्स से ऐसा लगता है कि दीपिका एक रानी का किरदार निभा रही हैं, जो फिल्म में घोड़े पर सवार है और तलवार चलाती हैं. क्लिप में अल्लू अर्जुन, स्पेक्ट्रल मोशन के अध्यक्ष माइक एलिज़ाल्डे से बात करते और उनसे स्क्रिप्ट के बारे में उनकी राय पूछते भी नज़र आ रहे हैं.

DDLJ से इंस्पायर्ड थी वरुण धवन और आलिया भट्ट की ये सुपरहिट फिल्म, जानें कैसा रहा बॉक्स ऑफिस पर हाल

बॉलीवुड की ऐतिसाहिक फिल्म दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे (1995) एक ऑल टाइम ब्लॉकबस्टर मूवी है. इसमें शाहरुख खान और काजोल की जोड़ी ने कमाल कर दिया था और आज भी इस फिल्म को लेकर उनके चर्चे हैं. 2014 में एक ऐसी ही फिल्म रिलीज हुई जिसका नाम 'हम्टी शर्मा की दुल्हनिया' था. उस फिल्म के गाने और कहानी हर किसी को पसंद आई और आज भी वो फिल्म फैंस ओटीटी पर देखना पसंद करते हैं. आज यानी 11 जुलाई को इस फिल्म को रिलीज हुए 11 साल हो चुके हैं.आलिया भट्ट और वरुण धवन की जोड़ी को बड़े पर्दे पर पसंद किया जाता है. वहीं फिल्म हम्टी शर्मा की दुल्हनिया में इनकी जोड़ी पहली बार देखने को मिली थी. 2012 में में दोनों ने फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर से डेब्यू किया था लेकिन लास्ट में आलिया-सिद्धार्थ के साथ चली जाती हैं. उस हिसाब से वरुण और आलिया की जोड़ी वाली फिल्म हम्टी शर्मा की दुल्हनिया पहली ही फिल्म हुई. आइए आपको बताते हैं कि इस फिल्म ने कितनी कमाई की और किस ओटीटी पर इसे देख सकते हैं ?

'हम्टी शर्मा की दुल्हनिया' का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन

11 जुलाई 2014 को रिलीज हुई फिल्म हम्टी शर्मा की दुल्हनिया के डायरेक्टर शशांक खैतान थे. फिल्म को करण जौहर और हीरू जौहर ने प्रोड्यूस किया था. आईएमडीबी के अनुसार, ये फिल्म दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे से प्रेरित है. फिल्म रिलीज से पहले कपिल शर्मा के शो में इस फिल्म की पूरी कास्ट पहुंची थी. उसी दौरान शशांक खैतान ने एक बात शेयर की थी, जिसमें उन्होंने कहा था कि वो शुरू से डीडीएलजे जैसी फिल्म बनाना चाहते थे और उन्होंने कहीं ना कहीं उससे मिलती-जुलती कहानी लिखी और उसे लेकर करण जौहर के पास गए.

करण जौहर भी वरुण और आलिया की जोड़ी पर फिल्म के बारे में सोच रहे थे, उन्हें कहानी पसंद आई और फिल्म बनी. इसमें वरुण और आलिया के अलावा दिवंगत सिद्धार्थ शुक्ला, आशुतोष राणा, साहिल वेद जैसे कलाकार भी अहम किरदारों में नजर आए. अगर कमाई की बात करें तो Sacnilk के मुताबिक, 33 करोड़ में बनी इस फिल्म ने वर्ल्डवाइड 119.60 करोड़ का कलेक्शन किया था. फिल्म का वर्डिक्ट हिट साबित हुआ था.

फिल्म हम्टी शर्मा की दुल्हनिया किस ओटीटी पर देखें ?

फिल्म हम्टी शर्मा की दुल्हनिया में 6 गाने थे जिनमें से 'सैटरडे सैटरडे', 'मैं तेनू समझावां कि', 'लकी तू लकी मैं' जैसे गानों ने धमाल मचा दिया था.

'रामायण' में भगवान शिव का किरदार निभाने वाला ये एक्टर है करोड़पति, महीने का कमाते हैं लाखों

रणबीर कपूर की 900 करोड़ी फिल्म 'रामायण' की पहली झलक सामने आने के साथ ही ग्लोबल लेवल पर इसकी चर्चा शुरू हो गई है. इसकी पहली झलक नेदर्शकों के बीच एक्साइटमेंट बढ़ा दी थी. रामायण की पूरी कास्ट का भी खुलासा हो चुका है. रणबीर जहां रामायण में भगवान श्री राम की भूमिका में हैं, तो वहीं साउथ की पॉपुलर एक्ट्रेस साई पल्लवी माता सीता का किरदार निभा रही हैं. रावण बने हैं कन्नड़ स्टार यश.

दिग्गज एक्टर सनी देओल हनुमान जी की भूमिका में नजर आएंगे. वहीं रिपोर्ट की मानें तो भगवान शिव का किरदार निभाएंगे टीवी के पॉपुलर अभिनेता मोहित रैना. छोटे पर्दे पर भगवान शिव के किरदार में नजर आ चुके मोहित अब बड़े पर्दे पर फिर से इसी अवतार में नजर आएंगे. आइए आज जानते हैं कि रामायण में महादेव बनने वाले मोहित कितने अमीर हैं और उनकी हर दिन की कमाई कितनी है ?

मोहित रैना का एक्टिंग करियर

मोहित का जन्म जम्मू कश्मीर में 14 अगस्त 1982 को हुआ था. 42 साल के हो चुके मोहित ने एक्टिंग करियर की शुरुआत साल 2004 के टीवी सीरियल 'अंतरिक्ष' से की थी. इसके बाद 2008 में उन्होंने बॉलीवुड अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती की फिल्म 'डॉन मुथु स्वामी' में काम किया था. फिर 'चेहरा' (2009) और 'गंगा की धीज' (2010) जैसे टीवी सीरियल्स में भी नजर आए. हालांकि उन्हें असली और खास पहचान 2011 के सीरियल 'देवों के देवज्महादेव' से मिली थी.

भगवान शिव का किरदार निभाकर वो घर-घर में लोकप्रिय हो गए थे. मोहित 'काफिर' और 'मुंबई डायरीज' नाम की वेब सीरीज में भी काम कर चुके हैं. इसके अलावा वो विकी कौशल की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'उरी: द सर्जिकल स्ट्राइक', 'मिसेज सीरियल किलर', 'इश्क-ए-नादान' और 'शिद्दत' का भी हिस्सा रहे.

इतने करोड़ के मालिक हैं मोहित

मोहित ने अपने 20 साल के एक्टिंग करियर में अच्छा खासा नाम कमा लिया है. छोटे पर्दे से लेकर बड़े पर्दे और ओटीटी तक पर वो अपना जलवा बिखेर चुके हैं. kulfiy.com की एक रिपोर्ट के मुताबिक मोहित की नेटवर्थ 2019 में 5.5 मिलियन डॉलर (भारतीय मुद्रा में 47 करोड़ 22 लाख रुपये) थी, जो 6 साल में दो मिलियन तब बढ़ चुकी है. 2025 में उनकी टोटल नेटवर्थ 7.5 मिलियन डॉलर (64 करोड़ 39 लाख रुपये) है.

सौतेली मां सुप्रिया पाठक से कैसे हैं

शाहिद कपूर

के रिश्ते? एक्ट्रेस ने कही दिल की बात

बॉलीवुड सेलिब्रिटीज हमेशा ही अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में रहते हैं. शाहिद कपूर भी उन्हें सेलेब्स में से एक हैं जिनकी पर्सनल लाइफ अक्सर लाइमलाइट में रहती है. फैंस हमेशा जानना चाहते हैं कि शाहिद की जिंदगी में क्या चल रहा है. हाल ही में, उनकी सौतेली मां सुप्रिया पाठक ने बताया कि शाहिद के साथ उनका रिश्ता कैसा है.

दरअसल, शाहिद कपूर नीलिमा अजीम और पंकज कपूर के बेटे हैं. नीलिमा से पंकज ने साल 1979 में शादी की थी, लेकिन पांच साल में ही उनका रिश्ता टूट गया था. इसके बाद पंकज की जिंदगी में सुप्रिया आईं. साल 1988 में उन्होंने सुप्रिया पाठक से शादी की, जिनसे उन्हें दो बच्चे हैं- रुहान और सना. शाहिद का अपने सौतेले भाई-बहन के साथ-साथ सौतेली मां के साथ भी अच्छा बॉन्ड है.

सुप्रिया पाठक ने क्या कहा ?

हाल ही में, खुद सुप्रिया पाठक ने रिवील किया है कि वो शाहिद कपूर के साथ एक अच्छा बॉन्ड शेयर करती हैं. बीबीसी के साथ एक इंटरव्यू में करते हुए सुप्रिया ने कहा कि मेरा बेटा है. बेटे के साथ तो नॉर्मल जैसा मां का रिश्ता होता है, वैसे ही मेरा और शाहिद का भी रिश्ता है. वो सच में मेरा बेटा है. रुहान, शाहिद, सना, ये सब मेरे बच्चे हैं. मैं उनसे लड़ सकती हूं, उन्हें प्यार कर सकती हूं, उनके साथ हंस सकती हूं, मैं उन सभी की दोस्त हूं. मैं उन तीनों की दोस्त हूं.'

सुप्रिया और शाहिद का बॉन्ड

सुप्रिया और शाहिद कई बार पैप्स के कैमरे में भी कैद होते हैं और ये दिखता है कि दोनों में कमाल की बॉन्डिंग है. ना सिर्फ शाहिद, बल्कि सुप्रिया का शाहिद की पत्नी मीरा राजपूत से भी अच्छा बॉन्ड है. शाहिद अपने भाई-बहनों के साथ भी स्पॉट किए जाते हैं. सुप्रिया पाठक ने इससे पहले ट्विंकल खन्ना के साथ बातचीत में शाहिद के साथ अपनी पहली मुलाकात के बारे में बात की थी. उन्होंने कहा था, जब हम मिले तो हम एक-दूसरे को तुरंत पसंद करने लगे थे और मुझे लगता है कि यही चलता रहा. हालांकि कई बार ऐसा भी हुआ जब वह हमारे साथ नहीं होते थे, इसलिए जब भी वो आते थे और हम एक-दूसरे के साथ नॉर्मल बिहेव करते थे.'

तोगचंद ठाकुर ने हींग की खेती में हासिल की सफलता, CSIR-IHBT ने सराहा"

दिव्या दिल्ली : (लाहौल)

जनजातीय जिला लाहौल घाटी में सी, एस ,आई ,आर हिमालय जैव संपदा प्रौद्योगिकी संस्थान उरक्क-क्लइळ पालमपुर के वैज्ञानिकों और संस्थान के निर्देशक डाक्टर सुरेश कुमार यादव ने लाहौल स्पीति जिले के लिए गांव सलग्रां का दौरा किया । इस दौरे का मुख्य उद्देश्य गांव के प्रगतिशील किसान श्री तोगचंद ठाकुर द्वारा उगाई गई जड़ी - बूटियों और विशेष रूप से हींग Ferula. assa-foetida की खेती कर निरीक्षण करना था। ज्ञात हो कि हींग भारत में एक अत्यंत उपयोगी मसाला है । जिसकी आपूर्ति अब तक पूरी तरह आयात पर निर्भरती लेकिन तो चंद ठाकुर देश के पहले किसान बन गए हैं। जिन्होंने सी एस आई आर आईएचबीटी द्वारा विकसित हींग के पौधे पौधों को सफलतापूर्वक उगाया और उस बीच उत्पादन भी किया संस्थान के निर्देश डॉक्टर सुरेश कुमार यादव और उनकी टीम ने खेतों का निरीक्षण कर उनकी मेहनत तकनीकी समझ और समर्पण की सरहाना की टीम ने तोगचंद ठाकुर को विशेष रूप से सम्मानित किया । और इस उपलब्धि को देश के लिए एक महत्वपूर्ण बताया आप तक भारत में हर साल करोड़ों रुपए की हींग विदेशों से आयात करता था । मगर तोगचंद ठाकुर की यह सफलता देश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम साबित हो सकती है ।उनके कार्य में न केवल संलग्रा गांव में बल्कि लाहौल स्पीति हिमाचल प्रदेश और समूचे भारत का मान बढ़ाया है।

व्यास नदी पर अबैध खन्न जोरो पर कहां सोया है विभगा व सरकार - राकेश

दिव्या दिल्ली : (कांगडा)

जिला कांगडा की व्यास नदी के मंड क्षेत्र मे अबैध खन्न पर कोर्ट के आए फैंसले पर स्वागत करते हुए भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पुर्व सरकार रहे वन मंत्री रहे राकेश पठानियां ने सरकार व प्रशासन को घेरा है गौर रहे मंड बासियो ने अबैध खन्न पर शिमला हाई कोर्ट से जन हित जाचिका दायर की थी जिस पर कोर्ट का फैंसला आया कि ब्यास नदि के मंड क्षेत्र मे अबैध खन्न पर रोक लगाई जाए?। अबैध खन्न से शाहनहर परियोजना और लोगो की जमीनो को नुकसान हो रहा है साथ मे ही लोगो के घरो को भी नूकसान हो सकता है। कोर्ट ने खन्नमाफिया द्वारा इस नहर के नीचे बनाए रास्ते को बंद करने के आदेश दिए है । साथ मे ही शाहनहर परियोजना के सम्बंधित अधिकारी को इसमे अनिमिताएं वरतने पर जिला के बाहर तैनात करने को विभाग के आलाधिकारी को आदेश दिए है भजापा नेता राकेश पठानियां ने कहा कि जिला? कांगड की व्यास नदि जिसे मंड क्षत्र से जाना जाता है । बंहा पर अबैध खन्न जोरो पर हो रहा है मगर सरकार व विभाग निंद से जाग नही रहा है लोगो को अब कोर्ट का सहारा लेना पड़ रहा है पठानिया ने कहा कि ब्यास नदी के मंड क्षेत्र में अवैध खनन रुकने का नाम नहीं ले रहा है। खन्नमाफियां के हौसले इतने बुलंद हैं कि भारी बरसात के बावजूद थोड़ा-सा जलस्तर घटते ही नदी में टूट पड़ रहे हैं।

अंतरिक्ष से लौट रहे हैं ग्रुप कैप्टन शुभांशु, भारत के लिए रचा इतिहास

एक्सिओम-4 मिशन की सफल समाप्ति, मंगलवार को पृथ्वी पर होगी वापसी

स्पेस एक्स ने ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पुष्टि की है कि उनका ड्रैगन कैप्सूल सफलतापूर्वक इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (आईएसएस) से अलग हो चुका है

नई दिल्ली/एजेंसी

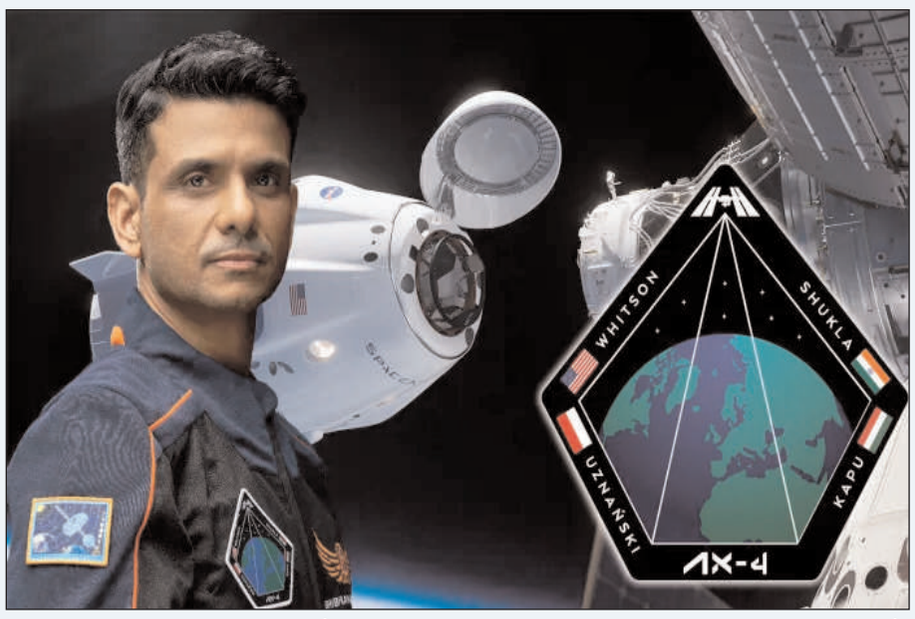

भारत के लिए ऐतिहासिक क्षणों से भरे एक्सिओम-4 मिशन की वापसी यात्रा शुरू हो चुकी है। भारतीय वायुसेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला और उनके तीन अंतरराष्ट्रीय सहयोगी पेगी व्हिटसन (अमेरिका), स्लावोश उजनास्की-विस्निवेस्की (पोलैंड) और तिबोर कापू (हंगरी) अब पृथ्वी की ओर लौट रहे हैं। स्पेस एक्स ने ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पुष्टि की है कि उनका ड्रैगन कैप्सूल सफलतापूर्वक इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (आईएसएस) से अलग हो चुका है। अब यह कैप्सूल कई डिपार्चर बर्न्स की प्रक्रिया से गुजरेगा ताकि वह धीरे-धीरे आईएसएस से दूर हो सके और पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश कर सके। 15 जुलाई, मंगलवार को दोपहर तीन बजे (भारतीय समयानुसार) इसकी कैलिफोर्निया तट के पास महासागर में स्प्लैशडाउन की योजना है। स्प्लैशडाउन के बाद ग्रुप कैप्टन शुक्ला और अन्य अंतरिक्षयात्रियों को सात दिन के पुनर्वास कार्यक्रम से गुजरना होगा। इसका उद्देश्य उन्हें दोबारा धरती की गुरुत्वाकर्षण प्रणाली के अनुरूप ढालना है, क्योंकि अंतरिक्ष में शून्य गुरुत्वाकर्षण में शरीर की कार्यप्रणाली बदल जाती है। ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला आईएसएस पर 14 दिन का सफल मिशन पूरा करने वाले पहले भारतीय बने हैं। इससे पहले भारत के केवल एक अंतरिक्ष यात्री विंग कमांडर राकेश शर्मा ने 1984 में अंतरिक्ष की यात्रा की थी। शुक्ला ने इस मिशन के दौरान भारत से जुड़े सात वैज्ञानिक प्रयोग भी किए, जिनमें सूक्ष्मगुरुत्व में जैविक प्रतिक्रिया, सामग्री व्यवहार और अंतरिक्ष-प्रेरित स्वास्थ्य परिवर्तन जैसे परीक्षण शामिल हैं। इसके अलावा, एक्सिओम स्पेस के आउटरीच और वैज्ञानिक मिशन का हिस्सा रहे इस प्रयोग ने अंतरिक्ष में पानी के अनोखे व्यवहार पर भी प्रकाश डाला। इससे पहले, आईएसएस से विदाई के दौरान शुभांशु शुक्ला ने एक भावुक भाषण दिया। जिसमें उन्होंने कहा, अंतरिक्ष से देखा जाए तो भारत महत्वाकांक्षी, निडर, आत्मविश्वासी और गर्व से भरा दिखाई देता है। इस दौरान उन्होंने राकेश शर्मा के प्रसिद्ध शब्दों को दोहराते हुए कहा, सारे जहां से अच्छा भारत आज भी वैसा ही दिखता है।

'वन डिस्ट्रिक्ट, वन प्रोडक्ट को बढ़ावा देने के लिए नए दिशा-निर्देश जल्द होंगे जारी- पीयूष गोयल

नई दिल्ली

केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को कहा कि सरकार जल्द ही नई गाइडलाइन जारी करेगी, ताकि नए बाजारों, नए उत्पादों और पहली बार एक्सपोर्ट करने वालों को बढ़ावा दिया जा सके।

इसके तहत वाणिज्य मंत्रालय और जिले मिलकर 'वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट' (ओडीओपी) के तहत तैयार होने वाले उत्पादों को नए बाजारों में प्रमोट करेंगे और पहली बार एक्सपोर्ट करने वालों का समर्थन करेंगे।

'देश के 773 जिले इस सफलता की कहानी में दे रहे योगदान'

मंत्री पीयूष गोयल ने बताया कि देश के 773 जिले इस सफलता की कहानी में योगदान दे रहे हैं। उन्होंने कहा, 'दुनिया में जब अनिश्चितता है, तब भारत एक हरियाली वाला नखलिस्तान जैसा है और आज सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था है।' उन्होंने यह भी कहा कि भारत 2027 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा।

कई उत्पाद भारत को दिला रहे भारत को पहचान- गोयल

केंद्रीय मंत्री ने उदाहरण देते हुए कहा कि वायनाड की कॉफी, रत्नागिरी के आम और पुलवामा का केसर जैसे उत्पाद भारत को विश्व स्तर पर पहचान दिला सकते हैं। उन्होंने बताया कि ओडीओपी एक अनूठी पहल है, जिसका कोई और देश उदाहरण नहीं है। हर जिला अपनी अलग विरासत और उत्पाद लेकर आता है।

अब लोकल प्रोडक्ट्स हो रहे हैं ग्लोबल- पीयूष गोयल

पीयूष गोयल ने कहा कि कभी-कभी एक जिले में दो उत्पाद ओडीओपी के तहत मान्यता पाते हैं। उन्होंने कहा कि अब लोकल प्रोडक्ट्स ग्लोबल हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि कुल 87 में से 64 उत्पाद इंडस्ट्रियल इन्वेस्टमेंट प्रमोशन पॉलिसी के तहत आते हैं। बिहार के सभी 38 जिलों ने ओडीओपी के तहत अपने उत्पादों को पूरी तरह शामिल किया है और इसे बहुत महत्व दिया है।

बिहार को इस मामले में कैटेगरी अ में रखा गया है। पीयूष गोयल ने सभी से अपील की कि वे अपने जिले के उत्पादों को ओडीओपी के माध्यम से समृद्धि की ताकत बनाएं।

मध्य प्रदेश बनेगा एविएशन और लॉजिस्टिक हब : डॉ. मोहन यादव

भोपाल/एजेंसी

मध्य प्रदेश को भारत का एक प्रमुख एविएशन और लॉजिस्टिक्स हब बनाने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है जो राज्य के आर्थिक और औद्योगिक विकास में नई उड़ान भरेगा। यह बातें मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपनी दुबई यात्रा के दूसरे दिन सोमवार को एमिरेट्स एयरलाइंस और दुबई सिविल एविएशन अथॉरिटी के चेयरमैन शेख अहमद बिन सईद अल मकतूम के साथ हुई बैठक में कही।मुख्यमंत्री ने कहा कि एयर एंबुलेंस फ्लाइट सेक्टर में अच्छी संभावना है। बैठक में मुख्य रूप से इंदौर और भोपाल शहरों से दुबई के लिए सीधी विमान सेवाएं शुरू करने पर चर्चा हुई। मध्य भारत में एक क्षेत्रीय कार्गो हब स्थापित करने के प्रस्ताव पर भी सहमति बनी। एविएशन ट्रेनिंग और एमआरओ (मेंटेनेंस, रिपेयर एंड ओवरहॉल) इन्फ्रास्ट्रक्चर में संयुक्त निवेश एवं प्रशिक्षण संस्थानों की स्थापना को लेकर भी सकारात्मक विचार-विमर्श हुआ। प्रदेश में इनबाउंड टूरिज्म को बढ़ावा देने और एमिरेट्स एविएशन अकादमी के कैंपस की स्थापना की संभावना पर भी गंभीर चर्चा की हुई। ुबई यात्रा के दूसरे दिन सोमवार को मुख्यमंत्री ने ग्रिव एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड के सीईओ एवं निदेशक विनय ठडानी और प्रतिनिधियों ने मुलाकात की। बैठक में नर्मदापुरम जिले में प्रस्तावित 3.0 गीगावॉट क्षमता की सोलर सेल परियोजना के लिए राज्य सरकार द्वारा प्रदान की जाने वाली अनुकूल औद्योगिक सहायता पर विस्तार से चर्चा हुई। यह महत्वाकांक्षी परियोजना न केवल अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में प्रदेश की भागीदारी को सशक्त करेगी।

भारत को जीसीसी विकास की दिशा में तेजी से आगे बढ़ना चाहिए: वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण

नई दिल्ली/एजेंसी

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को भारत में वैश्विक क्षमता केंद्रों (जीसीसी) के विकास में तेजी लाने के लिए केंद्र और राज्य सरकारों से तत्काल, समन्वित कार्रवाई करने का आह्वान किया। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर देश तेजी से विस्तार करने में विफल रहा, तो उसे अपनी प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त खोने का खतरा है। केंद्रीय वित्त मंत्री नई दिल्ली में भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के वैश्विक क्षमता केंद्र (जीसीसी) शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह बात कही। सीतारमण ने इस क्षेत्र के तेज विकास पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 2015 और 2024 के बीच 1,000 नए जीसीसी जोड़े गए हैं, लेकिन कहा कि भारत आत्मसंतुष्ट नहीं हो सकता। उन्होंने अपने संबोधन में राज्यों, उद्योग से आग्रह करते हुए कहा, "भारत लौटने वाले लोग अब यहीं रुक रहे हैं क्योंकि उन्हें यहां उच्च-स्तरीय अवसर उपलब्ध दिख रहे हैं। सीआईआई शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने उद्योग जगत के नेताओं से कहा, "हमें पूरे प्रशासनिक और शासन तंत्र को ऊपर से नीचे तक, सुचारू रूप से चलाने की जरूरत है, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि हर जगह एक जैसी ऊर्जा बनी रहे।" वित्त मंत्री ने राज्यों और स्थानीय प्रशासनों से केंद्र के साथ मिलकर काम करने का आग्रह किया और "संस्थागत शासन तंत्र" की आवश्यकता बताई जो नीतिगत लाभों को ज़िला स्तर तक पहुंचा सके। वैश्विक जीसीसी (वैश्विक क्षमता केंद्र) प्रतिभा का 32 फीसदी वर्तमान में भारत में स्थित है, तो सरकार ने ऐसे संस्थान भी स्थापित किए हैं जो जीसीसी के रूप में आपकी आवश्यकताओं को पूरा कर सकते हैं।

ग्लोबल मेडिकल टूरिज्म हब बनेगा राजस्थान

जयपुर/एजेंसी

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में सोमवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में आयोजित मंत्रिमण्डल की बैठक में नियोजित नगरीय विकास को प्रोत्साहन देने, मेडिकल ट्यूरिज्म को बढ़ावा देने, अक्षय ऊर्जा सहित ऊर्जा क्षेत्र के विकास, कर्मचारी कल्याण एवं विभिन्न संवर्गों के कार्मिकों के लिए पदोन्नति के अधिक अवसर उपलब्ध करवाने से जुड़े कई महत्वपूर्ण फैसले किए गए। उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेम चन्द बैरवा, संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल तथा खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा ने पत्रकार वार्ता में बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशा के अनुरूप राजस्थान को विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सेवाओं और बुनियादी ढांचे के साथ प्रमुख मेडिकल टूरिज्म हब बनाने के उद्देश्य से मंत्रिमण्डल की बैठक में मेडिकल वैल्यू ट्रेवल पॉलिसी (हील इन राजस्थान नीति-2025) के प्रारूप का अनुमोदन किया गया। यह नीति राजस्थान को सुलभ, किफायती लागत और भरोसेमंद मेडिकल वैल्यू ट्रेवल (एम.वी.टी.) डेस्टिनेशन के रूप में स्थापित करेगी। यह नीति स्वास्थ्य और पर्यटन क्षेत्रों को एकीकृत करके आर्थिक विकास, रोजगार सृजन, और वैश्विक ब्रांडिंग को बढ़ावा देगी। इस नीति के तहत निवेशकों को राजस्थान निवेश संवर्धन योजना (रिप्स), राजस्थान औद्योगिक विकास नीति और पर्यटन नीति के तहत प्रोत्साहन उपलब्ध कराये जायेंगे तथा पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप और वायबिलिटी गैप फंडिंग का भी उपयोग किया जाएगा। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री ने बताया कि हील इन राजस्थान नीति-2025 से गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं के साथ एमवीटी से जुड़े डिजिटल इकोसिस्टम का विकास सुनिश्चित होगा। मल्टी-स्पेशियलिटी अस्पताल अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप विकसित हो सकेंगे। योग, यूनानी, और सिद्ध को भी बढ़ावा दिया जायेगा।

संविधान की प्रस्तावना से 'समाजवादी' और 'धर्मनिरपेक्ष' शब्द हटाने की मांग तेज, ऑगेर्नाइजर में लिखा गया लेख

नई दिल्ली/एजेंसी

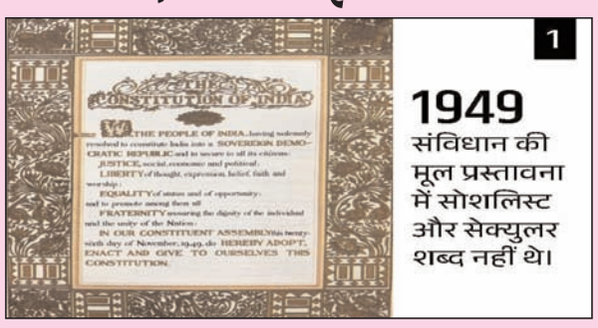

आरएसएस से जुड़ी साप्ताहिक पत्रिका ऑगेर्नाइजर में छपे एक लेख में संविधान की प्रस्तावना में जोड़े गए 'समाजवादी' और 'धर्मनिरपेक्ष' शब्दों को वैचारिक बारूदी सुरंगें बताया गया है। लेख में दावा किया गया है कि ये शब्द भारत के धार्मिक मूल्यों को कमजोर करने और राजनीतिक तुष्टिकरण को बढ़ावा देने के लिए डाले गए थे। लेख में कहा गया है कि इन शब्दों को 1976 में इमरजेंसी के दौरान 42वें संशोधन के जरिए जोड़ा गया था, जब लोकतंत्र दबाव में था और विपक्षी नेता जेलों में बंद थे।

लेख की प्रमुख बातें

इस लेख में कहा गया है कि प्रस्तावना में ये दो शब्द जोड़ना संवैधानिक धोखाधड़ी था। यह बदलाव तब हुआ जब संसद दबाव में थी और मीडिया पर सेंसरशिप लगी हुई थी। संविधान सभा ने कभी इन शब्दों को मंजूरी नहीं दी थी। लेखक डॉ. निरंजन बी. पूजार का कहना है कि भारत एक धर्मनिष्ठ (धार्मिक मूल्यों वाला) देश है।

फरवरी में नौसेना को मिलेगा स्टील्थ युद्धपोत महेंद्रगिरि

नई दिल्ली/एजेंसी

भारतीय नौसेना के बेड़े में फरवरी 2026 में अत्याधुनिक हथियारों, सेंसरों और प्लेटफॉर्म प्रबंधन प्रणालियों से लैस नीलगिरी श्रेणी (प्रोजेक्ट-17 अल्फा) का चौथा युद्धपोत महेंद्रगिरी शामिल हो जाएगा। पहले युद्धपोत नीलगिरि को जनवरी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में मुंबई के नौसेना डॉकयार्ड में कमीशन किया गया था। मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (एमडीएल) में बन रहा दूसरा युद्धपोत उदयगिरि 1 जुलाई को नौसेना को सौंपा गया था। रक्षा मंत्रालय ने कहा है कि ये युद्धपोत भारत के समुद्री हितों के क्षेत्र में पारंपरिक और गैर पारंपरिक दोनों तरह के खतरों से निपटने में सक्षम हैं। मंत्रालय ने सोमवार को मुंबई स्थित एमडीएल में बन रहे महेंद्रगिरि का एक वीडियो साझा किया।

हिमाचल: भूस्खलन से चंडीगढ़-मनाली नेशनल हाईवे समेत 208 सड़कें बंद

शिमला/एजेंसी

हिमाचल प्रदेश में सोमवार को भी मौसम बिगड़ा हुआ है और रुक-रुक कर हो रही बारिश के कारण भूस्खलन की घटनाएं हो रही हैं। इससे जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के मुताबिक सोमवार सुबह तक प्रदेश में एक नेशनल हाईवे और 208 सड़कें भूस्खलन की वजह से बंद पड़ी हैं। 139 बिजली ट्रांसफार्मर और 745 पेयजल योजनाएं भी ठप हैं। मंडी जिला सबसे ज्यादा प्रभावित है, जहां एक नेशनल हाइवे व 157 सड़कें बंद हैं। वहीं47 बिजली ट्रांसफार्मर और 133 पेयजल स्कीमें भी ठप हैं। कांगड़ा जिला में 612 पेयजल स्कीमें बंद पड़ी हैं। मंडी जिला में चंडीगढ़-मनाली नेशनल हाईवे चार मील के पास आज सुबह फिर से मलबा गिरने से बंद हो गया है। इसी स्थान पर पहले भी लैंडस्लाइड हुआ था, जिसके बाद 28 घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद हाईवे को बहाल किया गया था। लेकिन बीती रात फिर से पत्थर गिरने और मलबा आने के चलते सड़क पर यातायात ठप हो गया है। लगातार मलबा गिरने से सड़क खोलने में भी भारी दिक्कतें आ रही हैं। कांगड़ा जिला में 612 पेयजल स्कीमें बंद हैं। मौसम विभाग के अनुसार सिरमौर के राजगढ़ में सर्वाधिक 72 मिमी, खदराला में 42 मिमी, पच्छाद में 36 मिमी और मंडी शहर में 26 मिमी बारिश दर्ज हुई है। बारिश से गिरी जटोंन डैम का जलस्तर बढ़ने पर मैदानी इलाकों के लिए अलर्ट जारी किया गया है, वहीं गिरि और यमुना नदी का जलस्तर भी बढ़ गया है। विभाग ने 20 जुलाई तक प्रदेश के कुछ स्थानों पर भारी वर्षा को लेकर यलो अलर्ट जारी किया है। मानसून सीजन के दौरान अब तक प्रदेश में बारिश जनित हादसों में 98 लोगों की जान जा चुकी है, 35 लोग लापता और 178 लोग घायल हुए हैं। सबसे ज्यादा 21 मौतें मंडी में, कांगड़ा में 14, कुल्लू में 10, चंबा में 9, हमीरपुर में 8 और बिलासपुर में 7 लोगों की मौत हुई है। इस अवधि में 1038 मकान आंशिक या पूरी तरह क्षतिग्रस्त, 188 दुकानें और 788 गौशालाएं तबाह हो गईं। अकेले मंडी जिले में ही 854 घर, 166 दुकानें और 638 गौशालाएं प्रभावित हुई हैं। 30 जून की रात मंडी में बादल फटने की 12 घटनाओं से भारी तबाही हुई। आपदाओं से कृषि और पशुपालन को भी नुकसान पहुंचा है। मानसून के दौरान 21,500 पोल्ट्री पक्षियों और 954 अन्य पशुओं की मौत हुई है। 20 जून से अब तक बादल फटने की 22, फ्लैश फ्लड की 31 और भूस्खलन की 18 घटनाएं दर्ज की गई हैं। इस दौरान प्रदेश को करीब 770 करोड़ रुपये की संपत्ति का नुकसान हो चुका है।

देवप्रयाग में भूस्खलन से हड़कंप: मकान-वाहन क्षतिग्रस्त, एक घायल, प्रशासन अलर्ट

देवप्रयाग/एजेंसी

देवप्रयाग नगर के नृसिंहाचल पर्वत की तलहटी में बसे बाह बाजार में सोमवार दोपहर में भूस्खलन से हड़कंप मच गया। पहाड़ी से बड़े बोल्डर गिरने से कई मकान क्षतिग्रस्त हो गए। इसमें एक व्यक्ति घायल हुआ है। गनीमत रही कि हादसे के समय अधिकांश लोग घरों से बाहर थे। जिससे बड़ा नुकसान टल गया। सोमवार दोपहर में नृसिंहाचल पर्वत का एक हिस्सा अचानक दरक गया। जिसमें बड़े बोल्डर तेजी से नीचे लुढ़कते हुए बाह बाजार में आ गिरे। इन बोल्डरों की चपेट में विपिन चंद्र मिश्रा, भगवती प्रसाद मिश्रा और पनीलाल के मकान पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए।

Published, printed and owned by Rajesh.Chauhan, printed at B B Graphic printer Z--57 Okhla Industrial Area ph.2 New Delhi -110020 and published at BG 6 305 B Paschim Vihar New Delhi --110063 Editor Rajesh.Chauhan. E mail ID-rajeshchauhan4569@gmail.com, Contact No. - 9873104569, RNI No DELENG/2013/54397